RNI NO.DELHIN/2012/48369
वर्ष 10 अंक 79
नई दिल्ली, सोमवार, 24 जनवरी, 2022
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

सिंधु ने सैयद मोदी इंटरनेशनल का एकल खिताब जीता
स्पोर्ट्स-12

ओमीक्रोन का सामुदायिक प्रसार शुरू

● अब विदेशी यात्रियों को दोष नहीं, स्थानीय स्तर पर कोरोना के नए वैरिएंट का खतरा बढ़ा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

अब विदेश से आने वाले यात्रियों को दोष नहीं दे सकते। देश में कोरोना के ओमीक्रोन वैरिएंट का सामुदायिक प्रसार शुरू हो गया है। जिन महानगरों में कोविड-19 मामलों में तेज वृद्धि हुई है, वहां यह वैरिएंट हावी हो गया है। यह दावा इंडियन सार्स-कोव-2 जीनोमिक कंसोर्टियम (आईएनएसएसीओजी) के ताजा बुलेटिन में किया गया है। कोविड-19 के जीनोम अनुक्रमण का विश्लेषण करने के लिए सरकार द्वारा गठित समूह 'आईएनएसएसीओजी' ने यह भी कहा कि ओमीक्रोन के संक्रामक उप-स्वरूप बीए.2 की देश के कुछ हिस्सों में मौजूदगी मिली है। समूह ने रविवार को जारी अपने बुलेटिन में कहा है कि अब तक सामने आए ओमीक्रोन के अधिकतर मामलों में या तो रोगी में संक्रमण के लक्षण दिखाई नहीं दिये या फिर हल्के लक्षण नजर आए हैं। अस्पताल और गहन चिकित्सा कक्ष (आईसीयू) में भर्ती होने के मामले मौजूदा लहर में बढ़ गए हैं और खतरे के स्तर में परिवर्तन नहीं हुआ है। बुलेटिन में कहा गया है कि ओमीक्रोन अब भारत में सामुदायिक प्रसार के स्तर पर है और यह उन विभिन्न महानगरों में हावी हो गया है, जहां नए मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। बीए.2 उप स्वरूप की मौजूदगी मिली है और इसलिए एस जीन ड्रॉपआउट आधारित स्क्रीनिंग के दौरान इस बात की बहुत अधिक आशंका है कि संक्रमण का पता न चले। वायरस के जेनेटिक बदलाव से बना 'एस-जीन' ओमीक्रोन वैरिएंट के जैसा ही है। बुलेटिन में कहा गया है कि हाल में सामने आए बी.1.640.2 वंश की निगरानी की जा रही है। इसके तेजी से फैलने का कोई सबूत नहीं (शेष पेज 9)

कोरोना संक्रमण की जांच के लिए जम्मू में एक व्यक्ति से नमूना लेती स्वास्थ्यकर्मी

उपराष्ट्रपति नायडू दूसरी बार कोरोना की चपेट में आए

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राज्यसभा के सभापति और उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू भी कोविड-19 से संक्रमित हो गए हैं। वह दूसरी बार कोविड संक्रमण की चपेट में आए हैं। उपराष्ट्रपति सचिवालय ने ट्वीट कर कहा कि उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू के रविवार को कोविड-19 से संक्रमित होने की पुष्टि हुई है, वह अभी हैदराबाद में हैं। उन्होंने एक सप्ताह तक पृथकवास में रहने का फैसला किया है। उन्होंने उन सभी लोगों को जांच कराने और खुद को पृथक करने की सलाह दी है जो उनके संपर्क में आए थे। ऐसा नहीं लग रहा है कि वह बुधवार को गणतंत्र दिवस समारोह में हिस्सा लेंगे।

बजट सत्र से पहले संसद के 875 कर्मी संक्रमित

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

बजट सत्र की शुरुआत से कुछ दिन पहले संसद के 875 कर्मी संक्रमित पाए गए हैं। यह आंकड़ा महामारी की तीसरी लहर की शुरुआत के बाद 20 जनवरी तक की गई जांच का है। सत्र 31 जनवरी से शुरू होने वाला है और इसके पहले हिस्से का समापन 11 फरवरी को होगा। सूत्रों ने कहा कि संसद में तीसरी लहर शुरू होने के बाद से अब तक 2,847 जांच की जा चुकी है और इनमें से 875 लोगों की जांच रिपोर्ट पॉजिटिव आयी है। कुल जांच में से 915 जांच राज्यसभा सचिवालय द्वारा की गई और 271 नमूनों की जांच रिपोर्ट पॉजिटिव आयी। सूत्रों के अनुसार, सत्र का आयोजन कोविड संबंधी प्रोटोकॉल का पालन करते हुए किया जाएगा। कोविड के मामलों में बढ़ोतरी के मद्देनजर, लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही (शेष पेज 9)

इतिहास की गलतियां ठीक कर रहा देश: मोदी

● प्रधानमंत्री ने इंडिया गेट पर किया सुभाष चंद्र बोस की होलोग्राम प्रतिमा का उद्घाटन

● आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में 'सुभाष चंद्र बोस आपदा प्रबंधन पुरस्कार' की शुरुआत

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को इंडिया गेट पर 125वीं जयंती पर स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस की होलोग्राम प्रतिमा का अनावरण किया। इस मौके पर पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकारों पर हमला बोलते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि आजादी के बाद देश की संस्कृति और संस्कारों के साथ ही अनेक महान व्यक्तित्वों के योगदान को मिटाने का काम किया गया, लेकिन आज देश उन गलतियों को ठीक कर रहा है।

उन्होंने कहा कि 2047 में स्वतंत्रता के सौवें वर्ष से पहले दुनिया की कोई भी ताकत देश को 'नए भारत' के निर्माण के अपने लक्ष्य को हासिल करने से नहीं रोक सकती। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमें नेताजी बोस के 'कैन डू' और 'विल डू' की भावना से प्रेरणा लेते हुए आगे बढ़ना है। उन्होंने कहा कि स्वाधीनता संग्राम में लाखों-लाख देशवासियों की तपस्या शामिल थी, लेकिन उनके इतिहास को भी सीमित करने की कोशिशें हुईं। अब ऐसा नहीं होगा। प्रधानमंत्री ने अलंकरण समारोह में वर्ष 2019, (शेष पेज 9)

नई दिल्ली में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की होलोग्राम प्रतिमा के अनावरण मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और शहरी विकास मंत्री हरदीप सिंह पुरी

बोस 70 के दशक में एडवर्ड पार्क गए और अब इंडिया गेट

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा पुरानी दिल्ली में किंग एडवर्ड सप्तम की प्रतिमा की जगह लगाए जाने के करीब 50 साल बाद, अब इंडिया गेट पर स्थित उस नक्काशीदार छतरी के नीचे स्थापित की जाएगी जहां पहले कभी किंग एडवर्ड के बेटे किंग जार्ज पंचम की मूर्ति हुआ करती थी। यह मूर्ति करीब 50 साल पहले हटा ली गई थी। अभिलेखीय दस्तावेजों के अनुसार, 1939 में इंडिया गेट के निकट किंग जॉर्ज पंचम की एक भव्य संगमरमर की मूर्ति का अनावरण तत्कालीन वायसराय द्वारा ब्रिटिश सम्राट के स्मारक के रूप में किया गया था, जिनके शासनकाल में देश की नई राजधानी 'नई दिल्ली' बनी थी । हालांकि, 1960 के दशक के अंत में किंग जॉर्ज पंचम और किंग एडवर्ड सप्तम की प्रतिमाओं को हटा दिया गया और उत्तर पश्चिमी दिल्ली में 1911 के शाही दरबार की जगह पर फेंक दिया गया था, जिसे अब कोरोनेशन पार्क के रूप में जाना जाता है। इंडिया गेट पर 1968 से खाली पड़ी छतरी के नीचे अब नेताजी की ग्रेनाइट की मूर्ति लगायी जाएगी। आधिकारिक सूत्रों का कहना है कि इसकी स्थापना से भारत अपने इतिहास को फिर से प्राप्त करेगा।

स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र को गिरफ्तार कर सकती है ईडी : केजरीवाल

● मुख्यमंत्री का बड़ा आरोप- पंजाब चुनाव को लेकर एजेंसियों से दबाव बनाना चाहता है केंद्र, भाजपा का पलटवार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को दावा किया कि उन्हें सूत्रों से पता चला है कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) उनके कैबिनेट मंत्री सत्येंद्र जैन को पंजाब विधानसभा चुनाव से ठीक पहले गिरफ्तार करेगा। उन्होंने केंद्र पर आगामी चुनावों में भाजपा के 'हार जाने' का अहसास हो जाने के बाद आम आदमी पार्टी (आप) को निशाना बनाने का आरोप लगाया। इस सिलसिले में अभी ईडी की ओर से अभी कोई आधिकारिक बयान

नहीं आया है। भाजपा ने जरूर केजरीवाल पर पलटवार किया और सहानुभूति बटोरने की कोशिश का आरोप लगाया। केजरीवाल ने कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) के नेता और कार्यकर्ता इन एजेंसियों से नहीं डरते, क्योंकि उन्होंने कुछ गलत नहीं किया तथा उन्हें अदालत से राहत मिलेगी। उन्होंने नरेंद्र मोदी सरकार को जैन या उनकी पार्टी में 'किसी' को भी गिरफ्तार करने के लिए ईडी या सीबीआई जैसी किसी भी अन्य एजेंसी को भेजने की चुनौती भी दी। उन्होंने कहा कि इससे पहले भी केंद्र ने दो बार छापा मारने के लिए अपनी एजेंसी लगायी थी, लेकिन सत्येंद्र जैन के खिलाफ कुछ नहीं मिला था। स्वास्थ्य एवं अन्य विभागों का कामकाज संभाल रहे जैन ने कहा कि वह ईडी, सीबीआई या किसी भी केंद्रीय एजेंसी से नहीं डरते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि यह भाजपा की पुरानी तरकीब है कि जब उसे अहसास होता है कि वह चुनाव हार जाएगी तब वह हमारा शिकार करने के लिए केंद्रीय एजेंसियों को भेजती है। जैन से 2018 में धनशोधन के मामले में ईडी ने पूछताछ की थी। ईडी ने सीबीआई की शिकायत के आधार पर यह मामला दर्ज किया था। सीबीआई ने आरोप लगाया था कि मंत्री उन चार कंपनियों में आयी रकम का स्रोत नहीं बता पाये थे, जिनमें वह शेयरधारक हैं। पंजाब में 20 फरवरी को विधानसभा चुनाव है। मतगणना 11 मार्च को होगी। भाजपा ने केजरीवाल पर पलटवार किया और आरोप लगाया कि वह एजेंसी पर दबाव बनाने तथा अपने बयान से सहानुभूति हासिल की कोशिश कर रहे हैं, जबकि उन्हें पता है कि जैन के विरुद्ध 'ठोस सबूत' हैं।

उप्र से एक और भाजपा विधायक का इस्तीफा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

आगरा जिले के फतेहाबाद विधानसभा क्षेत्र के भारतीय जनता पार्टी विधायक जितेंद्र वर्मा ने रविवार को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह को भेजे गए पत्र में जितेंद्र वर्मा ने कहा, मैं भाजपा की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे रहा हूं। कृपया स्वीकार करने का कष्ट करें। अपने दो लाइन के पत्र में वर्मा ने इसके अलावा कुछ नहीं लिखा है। त्यागपत्र दिए जाने के संदर्भ में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि इस्तीफा देने की बहुत सी वजह है। भाजपा में किसी कार्यकर्ता और विधायक की बिल्कुल चलती नहीं है। आप सेवा भाव से सेवा करेंगे और किसी परेशान किसान को खाद भी नहीं दिलवा सकते तो किस बात के विधायक हैं। उन्होंने कहा कि लोग गांव में जा रहे हैं तो सवाल पूछे जा रहे हैं, यह स्थिति विधायकों ने तो की नहीं है, व्यवस्था खराब है। सिस्टम संभाल कर रखते तो यह स्थित नहीं बनती। वर्मा ने आगे कहा, सिर्फ मैं ही नहीं मेरे जैसे बहुत से विधायक (शेष पेज 9)

पंजाब में भाजपा नीत गठबंधन करीब 70 सीटों पर उतारेगा सिख उम्मीदवार

भाषा। नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी अगले महीने होने जा रहे पंजाब विधानसभा चुनाव में जितनी सीट पर चुनाव लड़ेगी, उनमें से आधे से अधिक सीट पर सिख उम्मीदवारों को उतारेगी। पार्टी महासचिव तरुण चुघ ने शनिवार को यह बात कही। भाजपा नीत गठबंधन के बारे में उन्होंने कहा कि यह उम्मीद है कि 117 सदस्यीय विधानसभा के लिए 20 फरवरी को होने जा रहे चुनाव में इसके ज्यादातर उम्मीदवार सिख समुदाय से, खासतौर पर किसान और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) होंगे।

भाजपा नीत गठबंधन में पंजाब लोक कांग्रेस और शिरोमणि अकाली दल (संयुक्त) शामिल हैं। चुघ ने कहा कि भाजपा गठबंधन के लिए मुख्यमंत्री पद का कोई चेहरा घोषित करने का विकल्प भी तलाश कर सकती है। सूत्रों ने बताया कि पंजाब में कुल 117 विधानसभा सीट में 65 पर भाजपा के उम्मीदवार उतारने की संभावना है, जबकि उसके सहयोगी दल, पूर्व मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह नीत पंजाब लोक कांग्रेस के 38 सीट पर और शिअद (संयुक्त) के 14 सीट पर चुनाव लड़ने की संभावना है। उन्होंने बताया कि भाजपा के 33 से 35 सिख उम्मीदवार और समग्र रूप से गठबंधन के तौर पर समुदाय से 70 से अधिक (शेष पेज 9)

साम्प्रदायिक टिप्पणी पर सिद्धू के सलाहकार मुस्तफा के खिलाफ मामला दर्ज

भाषा। चंडीगढ़

पंजाब के मलेरकोटला में एक जनसभा के दौरान साम्प्रदायिक टिप्पणियां करने के आरोप में प्रदेश के पूर्व पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) मोहम्मद मुस्तफा के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। मुस्तफा कांग्रेस की राज्य इकाई के प्रमुख नवजोत सिंह सिद्धू के प्रमुख रणनीतिक सलाहकार हैं। मुस्तफा के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज किए जाने से एक दिन पहले सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आया था, जिसमें वह कथित टिप्पणियां करते दिख रहे हैं। मलेरकोटला की वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रवजोत कौर ग्रेवाल ने पीटीआई-भाषा से फोन पर कहा, जनप्रतिनिधि कानून के तहत भारतीय दंड संहिता की धारा 153-ए और धारा 125 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। आरोपों के तहत मुस्तफा के खिलाफ चुनावी लाभ लेने के लिए धर्म, नस्ल एवं अन्य पहचानों के आधार पर विभिन्न समूहों के बीच शत्रुता को बढ़ावा देने के मामले में प्राथमिकी दर्ज की गई है।

चीन की पीएलए ने कहा अरुणाचल का किशोर मिला

भाषा। नई दिल्ली

चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) ने रविवार को भारतीय सेना को सूचित किया कि उसे अरुणाचल प्रदेश के पार अपने क्षेत्र में एक किशोर मिला है और वे उसे जल्द ही सौंप देंगे। कुछ दिन पहले एक सांसद ने दावा किया था कि पीएलए के सैनिकों ने एक किशोर को अगवा कर लिया है। हालांकि, रक्षा सूत्रों ने कहा कि पीएलए ने किशोर की पहचान की पुष्टि नहीं की है और ऐसा माना जाता है कि वह मिराम तरोन है, जिसे कथित तौर पर 18 जनवरी को अपर सियांग जिले से चीनी सैनिक ले गए थे। घटना के सामने आने के बाद भारतीय सेना ने किशोर का पता लगाने के लिए पीएलए से मदद मांगी थी। सूत्रों ने कहा कि पीएलए ने भारतीय सेना को सूचित किया कि उसे एक किशोर मिला है और उसे भारतीय पक्ष को सौंपने के लिए उचित प्रक्रिया का पालन किया जा रहा है। अरुणाचल प्रदेश से सांसद तापिर गाओ ने भी पीटीआई-भाषा को बताया कि उन्हें भारतीय सेना से पुष्टि मिली है कि किशोर पीएलए (शेष पेज 9)

बाजार

सेंसेक्स	59,037	
निफ्टी	17,617	
सोना	48,340	/10g
चांदी	65,112	/kg

क्विक न्यूज

एनडीआरएफ का ट्विटर हैंडल हैकिंग के बाद बहाल

नई दिल्ली। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) के आधिकारिक ट्विटर हैंडल को शनिवार देर रात हैक कर लिया गया और रविवार शाम तक इसे पूरी तरह बहाल भी कर दिया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि एनडीआरएफ के ट्विटर हैंडल से शनिवार रात पौने 11 बजे कुछ संदेश पोस्ट किए गए थे और डिस्प्ले नाम और तस्वीर बदल दिए गए। एनडीआरएफ के महानिदेशक अतुल करवाल ने बताया कि साइबर हमले के दो-तीन मिनट के भीतर मूल डिस्प्ले नाम और तस्वीर को ठीक कर दिया गया था। तकनीकी विशेषज्ञों ने रविवार को अकाउंट को पूरी तरह बहाल कर दिया और यह काम कर रहा है। एनडीआरएफ ने हैकिंग के बारे में दिल्ली पुलिस की साइबर घटना जांच इकाई में शिकायत दर्ज कराई है।

दिल्ली और वाराणसी के बीच चलेगी दिव्य काशी यात्रा ट्रेन

भाषा। वाराणसी

उत्तर प्रदेश के वाराणसी में पर्यटकों की बढ़ती संख्या के मद्देनजर दिव्य काशी यात्रा ट्रेन का संचालन शुरू किया जाएगा। भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। गुजरात के सोमनाथ में नए सर्किट हाउस के उद्घाटन के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को बताया था कि दिव्य काशी यात्रा के लिए एक विशेष ट्रेन दिल्ली से शुरू होने जा रही है। आईआरसीटीसी के जनसंपर्क अधिकारी आनंद झा ने बताया कि प्रधानमंत्री ने इस ट्रेन को चलाए जाने के संबंध में शुक्रवार को घोषणा की थी। उन्होंने बताया कि वाराणसी में पर्यटकों की बढ़ती मांग के मद्देनजर दिव्य काशी यात्रा ट्रेन चलाई जा रही है, जिसका (शेष पेज 9)

राजपथ पर दिखेगी सैन्य इतिहास की अनूठी झलक

राहुल दत्ता। नई दिल्ली

गणतंत्र दिवस परेड

● वर्ष 1950 से अब तक सेना की विभिन्न वर्दी पहने दिखेंगे सैनिक, विंटेज टैंक भी होंगे खास आकर्षण

राजपथ पर गणतंत्र दिवस की इस साल की सैनिकों की परेड में 1950 से अब तक सेना द्वारा पहनी जाने वाली विभिन्न वर्दी में सलामी लेते हुए आगे बढ़ते हुए दिखाई देंगे। इस दल में उस युग की राइफलों के साथ विभिन्न विंटेज टैंक के साथ ही आधुनिकीकरण की प्रक्रिया को प्रदर्शित करते हुए परेड मार्ग पर आगे बढ़ते दिखाई देंगे। पैराशूट रेजीमेंट के विशिष्ट कमांडो नई लड़ाकू वर्दी में नजर आएंगे। पायनियर ने पिछले साल 3 दिसंबर के संस्करण में गणतंत्र दिवस परेड में इन दो नए बदलावों के बारे में बताया था। पिछले वर्षों के विपरीत टुकड़ियों ने अपनी रेजिमेंट की पोशाक पहनी थी, इस वर्ष गणतंत्र दिवस में सैनिकों को पिछले युग की वर्दी में मार्च करते हुए देखा जाएगा, जिसमें 1950 और 60 के दशक से लेकर वर्तमान के जैतून के रंग होगा। मेजर जनरल आलोक कक्कड़ ने रविवार को प्रेसवार्ता में बताया कि बीते दशकों में भारतीय सेना की वर्दी और राइफलें कैसे विकसित हुई हैं, इसे इस साल की गणतंत्र दिवस परेड में प्रदर्शित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि देश की स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे होने पर 'आजादी के अमृत महोत्सव' के तहत गणतंत्र दिवस परेड-2022 में भारतीय सेना की तीन मार्चिंग टुकड़ी पिछले दशकों की वर्दी पहनेगी और राइफल लेकर कदमताल करेंगी, जबकि एक दस्ता नई युद्धक वर्दी पहनेगा और नवीनतम टेवोर राइफल लेकर राजपथ पर कदमताल करता दिखेगा। इस साल गणतंत्र दिवस परेड में भारतीय सेना के छह मार्चिंग दस्ते हिस्सा लेंगे। उन्होंने कहा कि हर मार्चिंग दस्ते में आम तौर पर रहने वाले 144 सैनिकों की जगह इस बार 96 सैनिक होंगे। ऐसा कोविड-19 प्रोटोकॉल का सख्त अनुपालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से किया गया है। कक्कड़ ने कहा कि राजपूत रेजिमेंट के सैनिकों की भारतीय सेना की पहली मार्चिंग टुकड़ी 1950 के दशक की वर्दी पहनेगी और .303 राइफलें लेकर चलेगी। असम रेजिमेंट के सैनिकों की दूसरी मार्चिंग टुकड़ी, भारतीय सेना की 1960 के दशक की वर्दी पहनेगी और .303 राइफलें लेकर चलेगी। सेना की 1970 के दशक की वर्दी जम्मू और कश्मीर लाइट इन्फैंट्री रेजिमेंट के सैनिकों द्वारा पहनी जाएगी, जो तीसरी मार्चिंग टुकड़ी होगी और ये टुकड़ी 7.62 मिमी सेल्फ-लोडिंग राइफलें (एसएलआर) लेकर कदमताल करेगी। चौथी और पांचवीं मार्चिंग टुकड़ी क्रमशः सिख लाइट इन्फैंट्री और आर्मी ऑर्डनेंस कोर रेजिमेंट की होगी। उन्होंने कहा कि ये सैनिक सेना की वर्तमान वर्दी पहनेंगे और 5.56 मिमी इंसास राइफल लेकर मार्च करेंगे। छठा दल पैराशूट रेजिमेंट के सैनिकों का होगा जो नई लड़ाकू वर्दी पहनेंगे, जिसका अनावरण इस महीने की शुरुआत में किया गया और उनके पास (शेष पेज 9)

गणतंत्र दिवस की परेड के लिए नई दिल्ली में राजपथ पर पूर्वाभ्यास करते भारतीय सेना की राजपूत रेजीमेंट के जवान

मुख्यमंत्री योगी ने घर-घर जाकर मांगे लोगों से वोट

पिछली सरकार पर बोला हमला-पहले प्रदेश में अपराधियों को मिलता था संरक्षण अब होती है कार्रवाई

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

रविवार को शहर पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनपद की दो प्रमुख विधानसभा साहिबाबाद और गाजियाबाद में अलग-अलग कार्यक्रमों में प्रबुद्ध वर्गों से सीधे संवाद किया। इसके साथ ही उन्होंने बाल्मीकि कॉलोनी में घर-घर जाकर वोट भी मांगे। साहिबाबाद विधानसभा से सुनील शर्मा तथा गाजियाबाद विधानसभा से राज्यमंत्री अतुल गर्ग भाजपा से चुनाव लड़ रहे हैं।

उन्होंने अपने संबोधन में समाजवादी पार्टी व अपनी सरकार के कार्यकाल के फर्क को लोगों को समझाया। उन्होंने कहा कि पहले आतंकवादियों, अपराधियों,दंगाइयों व पलायन कराने वालों को संरक्षण दिया जाता था। उन्हें गले लगाया जाता था, उनके मुकदमे वापस लिए जाते थे, लेकिन उनकी सरकार में अपराधियों को सींखचों के पीछे डाला गया। बेटियों की अस्मितता के साथ खिलवाड़ वालों को सबक सिखाया गया। अवैध बूचड़खानों को बंद कराया गया। दंगाइयों से ऐसी वसूली की गई कि उनकी सात पुश्ते भी अब दंगा करने की हिम्मत नहीं जुटा सकेंगी।

उन्होंने कहा कि उनकी सरकार पहले दिन से ही अपराध को जीरो टॉलरेंस के साथ काम कर रही हैं जिसका नतीजा यह है कि जिन अपराधियों के डर से जनता पलायन करती थी, आज अपराधी पलायन करने को मजबूर हैं। योगी ने कहा कि पहले की सरकारों में दंगों के कारण कर्फ्यू लगता था, आज विश्व स्तरीय महामारी कोरोना काल के बावजूद भी जन-जीवन सामान्य रूप से चल रहा है। जीवन और जीविका को सुचारू रूप से चलाने के लिए सरकार व्यवस्थित ढंग से बिना किसी बाधा के काम कर रही है। प्रदेश में 25 करोड़ लोगों को वैक्सीन लगवा दी गयी। उन्होंने कहा कि आज अमेरिका ,चीन जैसे देशों के कोरोना के कारण लॉकडाउन लगा हुआ है, जबकि सरकार के प्रयासों से उत्तर प्रदेश में सब कुछ सामान्य चल रहा है। केवल रात्रि में 10 से तड़के तक कर्फ्यू लागू किया गया है।

बाल्मीकि बस्ती में भाजपा प्रत्याशियों के लिए घर-घर जाकर प्रचार करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

अखिलेश यादव के 300 यूनिट फ्री बिजली देने की घोषणा पर तंज करते हुए योगी ने कहा कि जब उनकी सरकार थी तब बिजली ही नहीं दे पाते थे, जबकि आज बिजली की कोई कमी नहीं है। सरकार सबका साथ-सबका विकास कर रही है। आज देश मे उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था दूसरे नंबर पर है। उन्होंने कहा कि उनके काल में करोड़ों युवाओं को नौकरी दी गयी है और एक भी दाग सरकार पर नहीं है जबकि सपा सरकार में नौकरी निकलते ही चाचा भतीजा वसूली करने के लिए निकल पड़ते थे। उन्होंने कहा कि कोरोना काल के दौरान भाजपा कार्यकर्ता लोगों की सेवा में लगे रहे, लेकिन चाचा भतीजे व भाई-बहन नदारद थे। जनता सब जानती है। उन्होंने प्रबुद्ध वर्ग के लोगों से अपील की की वे घर-घर जाकर वर्तमान व पूर्व की सरकार के कार्यों को जनता के समक्ष रखे और भाजपा प्रत्याशियों के लिए वोट मांगे।

कार्यक्रम में केंद्रीय राज्यमंत्री जनरल वीके सिंह, राज्यमंत्री अतुल गर्ग, विधायक सुनील शर्मा,मेयर आशा शर्मा, महानगर अध्यक्ष संजीव शर्मा समेत कई भाजपा नेताओं ने संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन पूर्व महापौर आशु वर्मा ने किया। इस दौरान कड़े सुरक्षा बंदोबस्त थे।

गौतमबुद्धनगर पहुंचे ऑब्जर्वर

वोटर 9289766224 नंबर पर कर सकते हैं संपर्क

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

भारत निर्वाचन आयोग ने विधानसभा चुनाव के लिए पुलिस ऑब्जर्वर की नियुक्ति कर दी है। पुलिस ऑब्जर्वर शनिवार को ग्रेटर नोएडा पहुंच गए हैं। पुलिस प्रेक्षक जिले की तीनों विधानसभा सीटों में काम करेंगे। कोई भी वोटर पुलिस ऑब्जर्वर से सम्पर्क कर सकते हैं।

गौतमबुद्धनगर के जिला निर्वाचन अधिकारी सुहास एलवाई ने बताया कि सभी मतदाता निर्भीक होकर अपने मत का प्रयोग कर सकें, इसके लिए भारत निर्वाचन आयोग ने आईपीएस राजेंद्र कुमार मीणा को पुलिस प्रेक्षक नियुक्त किया है। पुलिस प्रेक्षक गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय के इंटरनेशनल गेस्ट हाउस में प्रवास कर रहे हैं। उनका मोबाइल नंबर 9289766224 है। जिला मजिस्ट्रेट ने जानकारी देते हुए बताया कि आयोग पुलिस प्रेक्षक जनपद की तीनों विधानसभा सीटों के लिए नियुक्त किए हैं। जिले में स्वतंत्र निष्पक्ष और शांतिपूर्वक मतदान संपन्न कराने के लिए वह काम करेंगे।

नोएडा सीट से सबसे ज्यादा उम्मीदवार

उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनावों के लिए पहले चरण की नामांकन प्रक्रिया शुक्रवार की शाम 3:00 बजे खत्म हो चुकी है। गौतमबुद्ध नगर जिले की 3 विधानसभा सीटों के लिए 52 प्रत्याशियों ने नामांकन दाखिल किए हैं। इनमें नोएडा विधानसभा सीट के लिए सबसे ज्यादा नामांकन किए गए हैं। जबकि जेवर सीट पर सबसे कम नामांकन दाखिल हुए हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय से मिली जानकारी के मुताबिक नोएडा सीट पर सबसे ज्यादा 23, इसके बाद दादरी सीट के लिए 16 और जेवर विधानसभा सीट के लिए 13 उम्मीदवारों ने पर्चे दाखिल किए हैं। तीनों सीटों के लिए 10 फरवरी को मतदान करवाया जाएगा।

प्रत्याशियों ने चुनाव प्रचार किया तेज, सभी जा रहे डोर-टू-डोर

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

● कोरोना से ठीक होने के बाद विधायक पंकज सिंह भी मैदान में उतरे

भारतीय जनता पार्टी नोएडा विधानसभा के प्रत्याशी पंकज सिंह कोरोना से ठीक होने के बाद रविवार को अपने चुनाव प्रचार की शुरुआत की। विधायक पंकज सिंह सेक्टर 62, सरस्वती शिशु मंडल के शताब्दी रेल विहार, भारत पेट्रोलियम, नीलकंठ अपार्टमेंट, आदि जगहों पर डोर टू डोर जाकर चुनाव प्रचार किया और लोगो से भाजपा के पक्ष में वोट डालने का आह्वान किया।

शताब्दी रेल विहार में लोगों को संबोधित करते हुए पंकज सिंह ने कहा कि केंद्र और प्रदेश में डबल इंजन की सरकार द्वारा राज्य में काफी विकास कार्य कराए गए हैं। उन्होंने कहा कि यदि कोई कार्य रह गया है तो उसे चुनाव बाद करा दिया जाएगा।

आरडब्ल्यूए ने सपा प्रत्याशी सुनील चौधरी को दिया समर्थन

सपा नोएडा से विधानसभा प्रत्याशी सुनील चौधरी ने सेक्टर 11, 12 और सेक्टर 56 आरडब्ल्यू के साथ बैठक की। बैठक में आरडब्ल्यूए ने अपना समर्थन सुनील चौधरी को देने का ऐलान किया। प्रत्याशी सुनील चौधरी ने कहा कि सपा सरकार बनने पर सभी अधूरे कामों को पूरा किया जाएगा। जनता अब भाजपा नेताओं के झूठे वादों से थक चुकी है। भाजपा ने विकास के बजाए लोगों को बांटने का काम किया है।

प्रत्याशी के प्रचार को ग्रेनो आए डिप्टी सीएम

नोएडा। रविवार को उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम डॉ दिनेश शर्मा ग्रेटर नोएडा पहुंचे। उपमुख्यमंत्री दादरी के वर्तमान विधायक और भाजपा उम्मीदवार तेजपाल नागर के लिए लोगों से वोट मांगा। उनके साथ एमएलसी श्रीचंद शर्मा भी मौजूद है। दिनेश शर्मा और श्रीचंद शर्मा के साथ भारतीय जनता पार्टी के और भी कई नेता मौजूद रहे।

इस दौरान डिप्टी सीएम दिनेश शर्मा ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरकार की उपलब्धियां भी लोगों को बताईं। दिनेश शर्मा ने तेजपाल नागर के लिए जनता से वोट मांगते हुए कहा आज उत्तर प्रदेश काफी तेजी के साथ विकास की गति पकड़ता जा रहा है।

मतदाताओं को बस एक क्लिक पर मिलेगी बूथ की लोकेशन

जिला निर्वाचन आयोग और प्रशासन ने तैयार की वेबसाइट, लोगों को मिलेगा फायदा

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

गौतमबुद्धनगर की तीनों विधानसभा सीटों पर आगामी 10 फरवरी को मतदान होंगे। इस बार जिला निर्वाचन आयोग और गौतमबुद्धनगर जिला प्रशासन ने एक खास तैयारी की है। अब जनपद में रहने वाला कोई भी व्यक्ति सिर्फ एक क्लिक में जिले के सभी मतदान बूथ स्थलों की लोकेशन जान सकता है।

इसके लिए जिला प्रशासन की वेबसाइट पर जैसे ही आप नो योर बूथ पर क्लिक करेंगे, तभी वेबसाइट में आपको अपना बूथ नंबर डालना होगा। जिसके बाद आपको अपने बूथ की लोकेशन मिल जाएगी। जिला प्रशासन की इस तैयारी की मदद से जिले के मतदाता अपने बूथ तक आसानी से पहुंच सकते हैं।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी वंदिता श्रीवास्तव ने बताया कि अगर किसी को अपने बूथ तक पहुंचना है तो उसे जिला प्रशासन की वेबसाइट पर जाना होगा। यहां पर नो योर बूथ पर क्लिक करना होगा। इस पर क्लिक करते ही वह आपसे आपका बूथ नंबर मांगेगा। यहां पर बूथ नंबर डालते ही उसकी लोकेशन मिल जाएगी। इसके सहारे आप अपने बूथ तक पहुंच जाएंगे। मतदाताओं को यह सुविधा मिलेगी। नोएडा, दादरी व नोएडा विधानसभा क्षेत्र के लिए 10 फरवरी को मतदान किया जाएगा। इसके लिए जिला निर्वाचन विभाग तैयारी कर रहा है। शहरी क्षेत्रों में मतदाताओं को बूथ तक पहुंचने में दिक्कत का सामना करना पड़ता है। इसको देखते हुए जिला प्रशासन ने सभी बूथ को जीपीएस लोकेशन से जोड़ने का निर्णय लिया है। जनपद में 552 मतदान केंद्र हैं, जबकि मतदेय स्थल की संख्या 1754 है। सभी बूथ को जीपीएस लोकेशन से जोड़ा जाएगा। इनमें से 202 मतदान केंद्र संवेदनशील हैं। इन मतदान केंद्रों पर जिला प्रशासन विशेष निगरानी रखेगा ताकि यहां पर किसी तरह का व्यवधान उत्पन्न ना होने पाए।

जिले में मतदाताओं का आंकड़ा

कुल मतदाता-16,23,545

पुरुष-9,30,394

महिला-7,21,052

सपा प्रत्याशी मुन्नी ने खोला चुनाव कार्यालय

गाजियाबाद। रविवार को मुरादनगर विधानसभा से रालोद-सपा के संयुक्त प्रत्याशी पंडित सुरेंद्र कुमार मुन्नी ने कविनगर स्थित अपने चुनाव कार्यालय का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर प्रदेश के पूर्व दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री व एमएलसी राकेश यादव, सपा के जिलाध्यक्ष जिलाध्यक्ष राशिद मलिक महानगर अध्यक्ष राहुल चौधरी,राष्ट्रीय लोकदल के जिलाध्यक्ष तेजपाल चौधरी, इंदरजीत सिंह टीटू अजय प्रमुख,अमरजीत सिंह संजय यादव अरुण चौधरी, मनोज पंडित रविंद्र चौहान, सर्वेश यादव, मधु चौधरी,अजय शर्मा, राकेश शर्मा रश्मि चौधरी, किरण चौधरी, आशा सचदेवा आदि उपस्थित रहे।

यूपी टेट एग्जाम : परीक्षा केंद्रों पर अभ्यार्थियों ने किया हंगामा

एडमिट कॉर्ड अटेस्ट नहीं होने पर प्रवेश से रोका, समय से पहले गेट बंद करने का आरोप

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

उत्तर प्रदेश के 4,265 परीक्षा केंद्र पर रविवार को यूपी टेट का एग्जाम हुआ, लेकिन परीक्षा शुरू होने से पहले यहां नोएडा के कई सेंटरों पर हंगामा शुरू हो गया। हंगामा परीक्षा सेंटर के गेट समय से पहले बंद करने को लेकर हो हुआ। अभ्यर्थियों का कहना था कि स्कूल-प्रशासन द्वारा उनको अंदर एंट्री नहीं दी जा रही है।

दरअसल, रविवार को नोएडा के अलग-अलग स्कूलों को यूपी टेट का एग्जामिनेशन सेंटर बनाया गया था। पहली पाली सुबह 10:00 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक थी। वहीं सुबह एग्जामिनेशन सेंटर पर एग्जाम देने पहुंचे कई अभ्यर्थियों को अंदर एंट्री नहीं दी गई, जिससे नाराज होकर अभ्यार्थियों ने हंगामा शुरू कर दिया। अभ्यर्थियों ने बताया कि समय से पहले परीक्षा केंद्रों का गेट बंद कर दिया गया। जिसकी वजह से भारी संख्या में अभ्यर्थी अंदर नहीं जा सके। कई अभ्यर्थियों ने आरोप लगाया है कि परीक्षा केंद्र में तैनात अधिकारियों ने उन्हें एडमिट कार्ड पर अधिकारियों द्वारा अटेस्टेड नहीं होने और स्कूल द्वारा अटेस्टेड नहीं होने पर एग्जामिनेशन सेंटर में एंट्री नहीं दी। जिस कारण ये सभी अभ्यार्थियों ने परीक्षा केंद्र के बाहर हंगामा किया।

नोएडा के एक परीक्षा केंद्र पर गेट बंद करने के बाद हंगामा करते अभ्यार्थी।

सूचना मिलने पर आनन-फानन में नोएडा पुलिस मौके पर पहुंची और किसी तरह परीक्षा देने आए अभ्यार्थियों को समझाने की कोशिश की। एग्जामिनेशन सेंटर पर मौजूद अधिकारियों से बात की। हालांकि पुलिस अधिकारियों द्वारा बात करने के बाद भी परीक्षा केंद्रों में मौजूद अधिकारी अभ्यार्थियों के एंट्री के लिए राजी नहीं हुए।

संक्षिप्त समाचार

नेताजी सुभाषचंद्र बोस की 125वीं जयंती पर उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित करते आम आदमी पार्टी के पदाधिकारी।

नेताजी सुभाषचंद्र बोस की 125वी जयंती पर गोष्ठी

नोएडा। आम आदमी पार्टी नोएडा कार्यालय में आप पदाधिकारियों ने नेताजी सुभाषचंद्र बोस की 125वी जयंती पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया। इस अवसर पर पदाधिकारियों ने नेताजी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। गोष्ठी में जिलाध्यक्ष भूपेंद्र जादौन ने अपने विचार रखते हुए कहा, नेताजी सदैव अपने आप को राष्ट्र के प्रति समर्पित कर के रहे। अतः आज देश के प्रत्येक नागरिक के लिए नेताजी का जीवन अनुकरणीय है। उन्होंने कहा कि नेता जी के विचारों पर चलकर ही हम राष्ट्र को सशक्त कर सकते हैं। महानगर अध्यक्ष प्रशान्त रावत ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम के महानायक नेताजी सुभाषचंद्र बोस के बलिदान का देश सदैव ऋणी रहेगा। नोएडा विधानसभा अध्यक्ष नितिन प्रजापति ने गोष्ठी का संचालन किया। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष राकेश अवाना, मुन्ना गुप्ता जिलाध्यक्ष व्यापार प्रकोष्ठ, डॉ बी पी सिंह जिलाध्यक्ष चिकित्सा प्रकोष्ठ आदि मौजूद रहे।

जरूरतमंद महिला को दिया कंबल

नोएडा। संत डा गुरमीत राम रहीम सिहँ की पावन शिक्षा पर चलते हुए ब्लॉक नोएड़ा सिटी ने एक जरुरतमन्द महिला को कम्बल दिया वही नोएड़ा फेस.2 से एक सेवादार ने एक मरीज को प्लेटलेट डोनेट कर मानवता का फर्ज अदा किया। जानकारी के मुताबिक रविवार को हरौला स्थित साप्ताहिक नामचर्चा में क्षेत्रीय भंगीदास महेन्द्र इन्सां ने जनरल स्टोर खोलने की खुशी में एक जरूरतमन्द महिला को इस कडाके की ठण्ड में कम्बल दिया वही नोएड़ा फेस.2 से प्रेमी विकास इन्सां ने बुलन्दशहर निवासी अनुज भाटी को रात्रि दो बजे ग्रेटर नोएड़ा स्थित कैलाश अस्पताल जाकर 1 यूनिट प्लेटलेट डोनेट कर इन्सानियत की मिशाल कायम की।

हाइवे पर पलटा गन्ने से लदा ट्रक, लगा जाम

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

एमएम डिग्री कॉलेज के सामने रविवार दोपहर गन्ने से लदा ट्रक पलटने के कारण दिल्ली मेरठ मार्ग पर कई किलोमीटर लम्बा जाम लग गया। पलटे ट्रक को सड़क से हटाने के लिए तीन क्रेनों को लगाया गया । जाम के कारण गाजियाबाद से मेरठ जाने वाले राहगीरों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा।

बताया गया कि ट्रक में क्षमता से अधिक गन्ना लदा होने के कारण ट्रक एक साईड झूककर चल रहा था। इसी के चलते दोपहर करीब दो बजे जब उक्त ट्रक दिल्ली-मेरठ मार्ग पर एमएम डिग्री कॉलेज के सामने पहुंचा तो ट्रक का पहिया बारिश के कारण सड़क पर बने गड्ढे में धंस गया। जिस कारण ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया और गन्ने सड़क पर फैल गए।

ट्रक पलटने से हाइवे पर बिखरा गन्ना

हालांकि ट्रक पलटने से किसी को जान माल की हानि नहीं हुई। घटना के बाद चालक ट्रक को सड़क पर छोड़कर फरार हो गया। देखते ही देखते दिल्ली मेरठ मार्ग पर वाहनों की लम्बी लाइन लग गई। सौंदा कट से लेकर मुरादनगर गंगनहर पुल तक वाहनों की लाइन पहुंच गई जिस कारण पुलिस को रुट डायवर्जन करना पड़ा।

सीओ सुनील कुमार ने बताया कि तीन क्रेनों की मदद से काफी मशक्कत के ट्रक को सड़क से हटाकर यातायात सुचारू कराया। जाम को देखते हुए दिल्ली मेरठ मार्ग पर अतिरिक्त पुलिसकर्मियों की डयूटी लगाई गई थी।

गाजियाबाद में कोविड-19 के मिले 485 नए केस

गाजियाबाद। रविवार को जिले के 10 हजार लोगों की कोरोना जांच करने पर 485 लोग संक्रमित मिले जिसमें 1,354 संक्रमित लोग ठीक भी हुए हैं। इनमें 11 अस्पताल में ठीक हुए हैं। अब जनपद में सक्रिय केस घटकर 4,915 रह गए हैं। 24 घंटे में दर्ज की गई संक्रमण दर 5.56 प्रतिशत है। 23 दिन में 22,877 नए केसों के साथ जनवरी की संक्रमण दर 11.31 प्रतिशत है। जिले में मार्च 2020 से लेकर अब तक 78,791 केस मिल चुके हैं। 59 मरीजों का अस्पतालों में इलाज चल रहा है।

ग्रेटर नोएडा में बसों के चलने का टाइम होगा तय

यात्रियों की सुविधा के लिए स्टैंड पर लगाई जाएगी समयसारिणी, किराया भी होगा निर्धारित

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण और रोडवेज की संयुक्त पहल से बीते छह जनवरी को स्थानीय बस सेवा शुरू की गई, लेकिन बस स्टॉपों पर टाइम टेबल न लिखे होने से यात्रियों को परेशानी हो रही है। यात्रियों को बसों के आने-जाने का समय पता चल सके, इसके लिए बस स्टॉपों पर जल्द ही समयसारिणी लगाई जाएगी।

ग्रेटर नोएडा के 5 रूटों पर स्थानीय बस सेवा शुरू हुई है। पहला रूट कासना बस डिपो से ननुआ का राजपुर तक वाया सिरसा, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण का दफ्तर, तिलपता चौक, सूरजपुर, एलजी चौक और परी चौक है। इस रूट की पहली बस सुबह 6:15 बजे से चलती है। इसके बाद 9:45 बजे और फिर 01:15 बजे चलती है।

दूसरा रूट ग्रेटर नोएडा डिपो से ननवा का राजपुर वाया सिरसा, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण का दफ्तर, तिलपता चौक, किसान चौक, सूरजपुर, एलजी चौक और परी चौक है। इस रूट की पहली बस डिपो से 6:30 बजे चलती है। इसके बाद 10:45 बजे चलती है।

तीसरा रूट कासना बस डिपो से ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण और जगत फार्म होते हुए ग्रेटर नोएडा डिपो तक है। इस रूट की पहली बस डिपो से 8:30 बजे, 9:45 बजे, 11 बजे, 12:15 बजे, 13:30 बजे, 14:45 बजे, 16 बजे और 17:15 बजे चलती है।

चौथा रूट ग्रेटर नोएडा डिपो से वाया घरबरा और ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण होते हुए ग्रेटर नोएडा डिपो तक है। इस रूट पर डिपो से पहली बस सुबह 7 बजे, 9:15 बजे, 11:30 बजे, 13:45 बजे और फिर 16:00 बजे चलती है। पांचवां रूट ग्रेटर नोएडा से हिंडन ब्रिज और ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण होते हुए वापस ग्रेटर नोएडा डिपो तक है। इस रूट की पहली बस सुबह 7:45 बजे और फिर 11:45 बजे चलती है।

यूपी रोडवेज के ग्रेटर नोएडा डिपो ने सिटी बस सेवा के पांच रूटों का किराया निर्धारित है। सिटी बस सेवा का न्यूनतम किराया 5 रुपए और अधिकतम किराया 88 रुपए है। सबसे छोटा रूट 24 किमी और सबसे बड़ा रूट 73 किमी का है। यूपी रोडवेज कुल 5 रूट तैयार किए हैं।

सुपरटेक ट्विन टॉवर

इमरात गिराने के लिए कंपनी को किया अग्रिम भुगतान

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

रियल एस्टेट समूह सुपरटेक ने रविवार को कहा कि उसने मुंबई स्थित 'एडिफाइस इंजीनियरिंग' के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं और उच्चतम न्यायालय के आदेशानुसार नोएडा में अवैध ट्विन टॉवर को गिराने के लिए अग्रिम भुगतान कर दिया है।

समूह ने कहा कि शहर के सेक्टर 93ए में स्थित 40 मंजिला दो टॉवर को गिराने की योजना के बारे में न्यू ओखला औद्योगिक विकास प्राधिकरण (नोएडा) के साथ समझौते का ब्योरा साझा किया गया है। उल्लेखनीय है कि इन टॉवर को भवन उपनियमों का उल्लंघन कर बनाया गया था।

सुपरटेक के प्रवक्ता ने कहा, सुपरटेक ने उच्चतम न्यायालय के आदेशानुसार ट्विन टॉवर गिराने के लिए एडिफाइस इंजीनियरिंग के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं और इस समझौते के अनुसार कर्मियों, संबंधित सामग्री और मशीनों को स्थल पर लाने के लिए अग्रिम भुगतान किया गया है।

सार्वजनिक सूचना

माननीय एनसीएलटी चंडीगढ़ पीठ के आदेश दिनांकित 03-01-2022 के अनुसरण में
सीपी(आईबी) सं. 167/सीएचडी/एचआरवाई/2018
दर्शन अनिल लोधा बनाम कोपरगांव अहमदनगर टोलवेज (फेज 1) प्रा. लि.
आईए सं. 439/2021
अगली तिथि : 17-03-2022

मैसर्स कोटकापुरा मुक्तसर टोलवेज प्रा. लि. (प्रतिवादी सं. 05) कार्पोरेट मंत्रालय में पंजीबद्ध पता : 510, 5वां तल, एबीडब्ल्यू टावर, इफको चौक, एम जी रोड, गुरूग्राम, हरियाणा-122002 को जारी प्रकाशन।

उपरोक्त शीर्षक के वाद में, माननीय एनसीएलटी, चंडीगढ़ पीठ द्वारा जारी सूचना दिनांकित 12-11-2021 तथा आवेदन प्रतिवादी सं. 5 को नहीं सौंपा जा सका, क्योंकि स्पीड पोस्ट "प्रेषिती अनुपस्थित है" के उल्लेख के साथ लौटा दिया गया। माननीय राष्ट्रीय कम्पनी विधि न्यायाधिकरण, चंडीगढ़ पीठ ("माननीय एनसीएलटी") ने सीपी(आईबी) सं. 167/सीएचडी/एचआरवाई/2018 में आईए सं. 439/2021 में पारित अपने अन्य आदेश दिनांकित 03-01-2022 के माध्यम से रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल को निर्देश दिया है कि प्रतिवादी सं. 5 नामतः मैसर्स कोटकापुरा मुक्तसर टोलवेज प्रा. लि. को उपरोक्त की सूचना समाचार पत्र में प्रकाशन द्वारा दी जाए।

अतएव, उक्त आदेश दिनांकित 03-01-2022 के आधार पर, एतद्द्वारा मैसर्स कोटकापुरा मुक्तसर टोलवेज प्रा. लि., प्रतिवादी सं. 5 को सूचना दी जा रही है।

कृपया नोट करें कि माननीय राष्ट्रीय कम्पनी विधि न्यायाधिकरण, चंडीगढ़ पीठ के समक्ष उपरिवर्णित मामले की सुनवाई की अगली तिथि 17-03-2022 है।

कृपया आदेश विवरण के लिए नीचे दिया गया लिंक देखें :
https://nclt.gov.in/gen_pdf.php?filepath=Efile_Document/ncltdoc/casedoc/0404116001902018/04/Order-Challenge/04/order-Challanre_004_164144890784650139661d685cb2b3d4.pdf

हस्ता./-
उदयराज पटवर्धन
कोपरगांव अहमदनगर टोलवेज (फेज 1) प्रा. लि.
के लिए रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल
रजि. नंबर IBBI/IPA-001/IP-P00024/2016-17/10057
आईबीबीआई में पंजी. पता :
नमन मिडटाउन, बी विंग, 1106, 11वां तल,
कामगार कला केन्द्र के पीछे, सेनापति बापट मार्ग,
एल्फिंस्टन वेस्ट, मुंबई सिटी, महाराष्ट्र-400 013
आईबीबीआई में पंजी. ई-मेल आईडी : ca.udayraj@vlajure.in
पत्राचार हेतु प्रक्रिया विशिष्ट ई-मेल आईडी - katpl@sumedhamanagement.com

तिथि : 22-01-2022
स्थान : नासिक

परिशिष्ट IV
देखें नियम 8(1)
कब्जा सूचना
(अचल संपत्ति हेतु)

जब कि,

इंडियाबुल्स कर्मशिअल क्रेडिट लिमिटेड (CIN:U65923DL2006PLC150632) प्राधिकृत अधिकारी होने के नाते अधोहस्ताक्षरी ने सिक्योरिटाइजेशन एंड रिकन्स्ट्रक्शन ऑफ फायनांशियल असेट्स एंड एन्फोर्समेंट ऑफ सिक्योरिटी इंटरेस्ट ऐक्ट, 2002 के अंतर्गत और नियम 3 के साथ धारा 13(12) के साथ सिक्योरिटी इंटरेस्ट (एन्फोर्समेंट) रूल्स, 2002 के साथ पढ़ते हुए प्राप्त अधिकारों का उपयोग करके कर्जदार **सुर्या पब्लिशिंग के मालिक कमलेश गोयल और रवीश गोयल** को **22.07.2021** की सूचना में वर्णन के अनुसार **कर्ज खाता नं. HLLADPR00484009** की राशि **रू. 79,18,430.85 (रूपये उनासी लाख अठारह हजार चार सौ तीस और पचासी पैसे मात्र)** और **20.07.2021** के अनुसार उस पर ब्याज उक्त सूचना की प्राप्ती की तारीख से स्पष्ट 60 दिनों के भीतर चुकता करने का आवाहन करते हुए अभियाचना सूचना जारी की थी ।

धनराशि चुकता करने में कर्जदारों के असफल रहने पर एतद्द्वारा कर्जदार और सर्व सामान्य जनता को सूचना दी जाती है कि, अधोहस्ताक्षरी ने उक्त कानून की धारा 13 की उप-धारा 4 के साथ उक्त कानून के नियम 8 के तहत सिक्योरिटी इंटरेस्ट (एन्फोर्समेंट) रूल्स, **2002** के तहत प्राप्त अधिकारों का कार्यान्वयन करके **20.01.2022** को संपत्ति पर **सांकेतिक आधिपत्य** कर लिया है ।

विशेषत: कर्जदारों और सामान्यत: जनता को एतद्द्वारा संपत्ति के साथ सौदा नहीं करने के लिए सावधान किया जाता है और संपत्ति के साथ कोई भी सौदा राशि **रू.79,18,430.85 (रूपये उनासी लाख अठारह हजार चार सौ तीस और पचासी पैसे मात्र) 20.07.2021** के अनुसार और उस पर ब्याज के साथ **इंडियाबुल्स कर्मशिअल क्रेडिट लिमिटेड** के आधीन होगा.

उधारकर्ताओ का ध्यान अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (8) के अन्तर्गत संपत्ति / संपत्तियों को मुक्त कराने के लिए उपलब्ध समय की ओर आमंत्रित किया जाता है।

अचल संपत्ति का विवरण

"ओमैक्स सिटी- बहादुरगढ़ (दिल्ली रोड)" से पहेचानी जानेवाली आवासीय कॉलनी में संपत्ती बेअरिंग विला नं.22 जिसका बना हुआ / निर्माण क्षेत्र 1549 स्क्वे. फिट (लगभग), प्लॉट क्षेत्र मापित 216 स्क्वे. मीटर्स (258.34 स्क्वे.यार्ड (लगभग) पर निर्माण, कासार और संखोल गाँव में स्थित, तहसील बहादुरगढ़, सेक्टर 15, जिला झज्जर, बहादुरगढ़- 124510, हरियाणा, और जो निम्ननुसार परिबध्द है :

पूर्व : टाइटल डीड के अनुसार	**पश्चिम : टाइटल डीड के अनुसार**
उत्तर : टाइटल डीड के अनुसार	**दक्षिण : टाइटल डीड के अनुसार**

सही/-
दिनांक : 20.01.2022 प्राधिकृत अधिकारी
स्थान : झज्जर इंडियाबुल्स कर्मशिअल क्रेडिट लिमिटेड

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक नरेन्द्र कुमार द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। कार्यकारी संपादक: नवीन उपाध्याय, स्थानीय सम्पादक: प्रदीप तिवारी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879800-4879900।

पायनियर
नई दिल्ली, सोमवार, 24 जनवरी, 2022

गणतंत्र दिवस समारोह को लेकर चौकसी

सुरक्षा ऐसी की परिंदा भी पर न मार सके

पूरी दिल्ली में 27,723 जवान तैनातः पुलिस आयुक्त

डीसीपी, इंस्पेक्टर समेत सीआरपीएफ की 65 कंपनियां भी शामिल

ड्रोन पर पूरी तरह प्रतिबंध

पुलिस उपायुक्त, सहायक पुलिस आयुक्त और निरीक्षक, उप निरीक्षक रैंक के अधिकारियों को सुरक्षा की जिम्मेदारी सौंपी गई है। सशस्त्र पुलिस बल और कमांडो, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल के अधिकारियों तथा जवानों को भी तैनात किया गया है। इनकी सहायता के लिए केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) की 65 कंपनियों को तैनात किया गया है। ड्रोन समेत हवा में उड़ने वाली चीजों पर पूरी तरह से प्रतिबंध है। सेंट्रल विस्टा के अधिकारियों के साथ सुरक्षा को लेकर तालमेल है।

संजय राय। नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी हमेशा से आतंकवादियों के निशाने पर रही है। इसी के मद्देनजर गणतंत्र दिवस समारोह की सुरक्षा को लेकर किलेबंदी पूरी कर ली गई है।

शहर में जगह-जगह नाकाबंदी, वाहनों की जांच चल रही है। राजधानी के सभी सीमाओं की निगरानी सख्त कर दी गई है। होटल, लॉज, किराएदार, मजदूरों का सत्यापान किया जा रहा है। रिपब्लिक डे परेड के लिए 27 हजार से ज्यादा पुलिसकर्मियों को तैतान किया गया है। जिसमें ऑफिसर और पैरामिलिट्री फोर्स भी शामिल हैं। इनके अलावा 71 डीसीपी, 213 एसीपी, 753 इंस्पेक्टर को लगाया गया। दिल्ली पुलिस के अधिकारियों ने पिछले साल स्वतंत्रता दिवस समारोह के बाद से इस साल के गणतंत्र दिवस की तैयारी शुरू कर दी थी। खुफिया इनपुट के बाद एजेंसियों ने नवंबर से अपनी आतंकवाद विरोधी निगरानी भी तेज कर दी है। 26 मापदंडों के तहत आतंकवाद रोधी निगरानी की जा रही है।

दिल्ली पुलिस कमिश्नर राकेश अस्थाना रविवार यानी 23 जनवरी को गणतंत्र दिवस समारोह की फुल ड्रेस रिहर्सल खत्म होने के बाद 26 जनवरी की सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी साझा करने के लिए के सामने आए।

उन्होंने संवाददाता सम्मेलने में बताय कि 26 जनवरी का कार्यक्रम सफल बनाने और सुरक्षा के तमाम मापदंडों पर खरा उतरने के लिए उन्होंने एक साल पहले से तैयारी शुरू कर दी थी। उन्होंने कहा कि दिल्ली हमेशा आतंकियों के निशाने पर रहती है इसलिए अतिरिक्त सावधानी बरतनी होगी।

इस साल भी पुलिस समेत सुरक्षा एजेंसियां अर्लट हैं। राज्य पुलिस सभी आतंकवाद विरोधी उपायों का पालन करने के लिए पड़ोसी राज्यों की पुलिस, एटीए प्रमुख, सीआईडी समेत तमाम बाकी पुलिस अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क में हैं। सोशल मीडिया सेल लोगों को जागरूक कर रही है। सुरक्षा के मद्देनजर लोगों को सावधान करने के लिए उसका अच्छा असर दिखाई दे रहा है। यातायात सुचारू करने के लिए ट्रैफिक एडवाजरी जारी पहले ही जारी की जा चुकी है। खतरे को देखते हुए इस बार पहले से अधिक तगड़ा सुरक्षा घेरा रहेगा।

पुलिसकर्मियों की छुट्टियां रद्द

गणतंत्र दिवस समारोह के मद्देनजर सभी पुलिसकर्मियों की हर तरह की छुट्टियां रद्द कर दी हैं। केवल जरूरी मेडिकल कंडीशन को छोड़कर। इस बीच पुलिस की तरफ से अपील की गई है कि अगर किसी को संदिग्ध व्यक्ति या सामान दिखे, तुरंत इसकी सूचना स्थानीय पुलिस या 1090 हेल्पलाइन नंबर पर दें। ताकि गणतंत्र दिवस समारोह में किसी प्रकार का खलल न उत्पन्न हो सके।

फुल ड्रेस रिहर्सल

कदम से कदम मिलाए जा...

सलामी देते घुड़सवार सैनिक

कोरोना के मामले घटकर 10 हजार के नीचे

- संक्रमण दर भी 13 प्रतिशत पर आई, एक दिन में 34 मरीजों की हुई मौत

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली में कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में कमी का सिलसिला लगातार जारी है।

रविवार कोविड-19 के नौ हजार से अधिक नए मरीज मिलने के बाद यहां संक्रमितों का कुल आंकड़ा बढ़कर 17.91 लाख के पार पहुंच गया है। इसके साथ ही संक्रमण दर भी घटकर 13.32 फीसदी पर आ गई है। इस दौरान सक्रिय मरीजों की संख्या 54000 के करीब पहुंच गई हैं। पिछले चौबीस घंटे में 34 मरीजों की संक्रमण से जान चली गई।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा रविवार को साझा किये गये आंकड़ों के अनुसार शनिवार को 69,022 नमूनों की कोविड-19 जांच की गई। जिनमें 9197 संक्रमित मरीज मिले हैं। दैनिक मामले, 13 जनवरी को 28,867 के उच्च स्तर पर पहुंचने के बाद से लगातार घट रहे हैं। मामलों के 10,000 से नीचे आने में 10 दिनों का वक्त लगा। शनिवार को कोविड से 45 और लोगों की मौत हो गई थी, जो पांच जून 2021 के बाद से सर्वाधिक संख्या है। इस दिन कोविड के 11,486 मामले सामने आए थे और संक्रमण दर 16.36 प्रतिशत रही थी। शुक्रवार को 10,756 मामले सामने आए थे, जबकि संक्रमण दर 18.04 प्रतिशत दर्ज की थी और महामारी से 38 लोगों की मौत हो गई थी।

दो लाख से ज्यादा लोगों को लगी बूस्टर डोज

नई दिल्ली। दिल्ली में अब तक दो लाख से ज्यादा लोगों को टीके की बूस्टर डोज दिया जा चुका है। कोविड-रोधी टीके की बूस्टर डोज देने की प्रक्रिया 10 जनवरी को शुरू हुई थी। आधिकारिक आंकड़ों में यह जानकारी सामने आई। दिल्ली में 10 जनवरी को ऐसे लगभग तीन लाख लाभार्थी थे जिन्हें तीसरी खुराक की जरूरत थी। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, शुक्रवार तक 2,00,149 लोगों को टीके की खुराक दी गई।

सत्येंद्र की गिरफ्तारी की आशंका केजरीवाल की चतुराई : आदेश

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

मंत्री सत्येंद्र जैन की ईडी द्वारा गिरफ्तारी की आशंका प्रकट करना अरविंद केजरीवाल की राजनीतिक चतुराई है। यह आरोप प्रदेश भाजपा अध्यक्षआदेश गुप्ता ने लगाया है।

आदेश गुप्ता ने कहा है कि अपने पूरे प्रयास के बाद भी अरविंद केजरीवाल अपनी पार्टी को पंजाब में सबसे बड़े दल के रूप में स्थापित नही कर पा रहे और अब रेड एवं गिरफ्तारी की बात कर जन भावनाओं से खेल रहे हैं। ऐसे में इस तरह का बयान देकर एक ओर केजरीवाल जांच एजेंसी पर गिरफ्तारी ना करने का दबाव बना रहे हैं तो वहीं चुनाव के समय गिरफ्तारी से पूर्व राजनीतिक संवेदना अर्जित करना चाह रहे हैं।

नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा कि केजरीवाल और उनके साथियों की आदत है कि वे हर मुद्दे पर केंद्र को कोसते हैं, चाहे वह इनकम टैक्स का नोटिस हो, ईडी की पूछताछ हो या फिर किसी एजेंसी द्वारा कोई जानकारी मांगी गई हो।

कुछ महीने पहले उपमुख्यमंत्री ने बाकायदा एक प्रेस कांफ्रेंस करके कहा था कि उन्हें गुप्त सूचना मिली है कि आम आदमी पार्टी के नेताओं की लिस्ट बन रही है।

जन लोकपाल होता तो आप के कई मंत्री जेल में दिखते : अनिल

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

चौधरी अनिल कुमार ने केजरीवाल द्वारा प्रेस वार्ता कर सत्येंद्र जैन पर छापे की पूर्व सूचना प्राप्त होने की बात पर सवाल उठाते हुए कहा कि ऐसा भाजपा से क्या सांठगांठ है कि छापे के पूर्व ही सूचना प्राप्त हो जाती है? कॉंग्रेस ने केजरीवाल के ऊपर तमाम भ्रष्टाचार के आरोप जांच आयोग को सौंपे लेकिन उनपर अबतक कोई कार्रवाई नहीं हुई?

चौ. अनिल ने कहा कि दिल्ली सरकार के हर काम में भ्रष्टाचार बहुत अधिक गहरा हो गया है। उन्होंने हैरानी जताते हुए कहा की छापे की पूर्व सूचना साबित करता है केजरीवाल भाजपा में डील है । अरविंद ने अपने पहले कार्यकाल के दौरान 49 दिनों तक सत्ता में रहने के बाद जन लोकपाल के गठन के मुद्दे पर इस्तीफा दे दिया था, लेकिन सात साल तक सत्ता में रहने के बाद भी जनलोकपाल अभी तक नहीं बना है। चौ. अनिल कुमार ने कहा कि अगर जनलोकपाल बनाया गया होता तो खुद अरविंद, उनके कई मंत्री और विधायक भ्रष्टाचार, यौन उत्पीड़न, घरेलू हिंसा से लेकर हत्या के लिए उकसाने जैसे अपराधों के लिए सलाखों के पीछे होते।

हरमीत कालका डीएसजीएमसी के अध्यक्ष निर्वाचित

- विपक्षी दल ने चुनाव रोकने के लिए श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की बेअदबी का आरोप लगाया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

शिरोमणि अकाली दल (बादल) के हरमीत सिंह कालका दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक समिति का अध्यक्ष चुन लिया गया। इस दौरान समिति के सदस्यों के बीच तीखी नोकझोंक हुई। गुरुद्वारा रकाब गंज साहिब में चुनाव की प्रक्रिया सम्पन्न हुई।

एक सदस्य द्वारा अपना मत उजागर करने के बाद मतदान की प्रक्रिया को रोकना पड़ा समिति के पूर्व अध्यक्ष मंजीत सिंह जीके, रमजीत सिंह सरना और हरविंदर सिंह सरना ने इस पर आपत्ति दर्ज कराई। सदन में शिरोमणि अकाली दल (बादल) के 30 सदस्य हैं। सदन में 55 सदस्य हैं लेकिन 51 सदस्य ही मतदान कर सकते हैं। अन्य चार सदस्य नामित होते हैं इसलिए वे मतदान नहीं कर सकते।

दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने 22 जनवरी को अंतरिम बोर्ड के चुनाव के दौरान जनरल हाउस में परमजीत सिंह सरना, हरविंदर सिंह सरना तथा मनजीत सिंह जी.के के विपक्षी गुट द्वारा श्री गुरु ग्रंथ साहिब की मौजूदगी में हुड़दंगबाज़ी कर गुरु साहिब की बेअदबी करने की शिकायत जत्थेदार अकाल तख्त साहिब ज्ञानी हरप्रीत सिंह से की है। कमेटी ने मामले की पूरी वीडियो रिकार्डिंग मंगवा कर दोषियों को श्री अकाल तख्त साहिब पर तलब करने की मांग की है।

पत्नी पर ब्लेड से हमला कर युवक ने दी जान

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

ख्याला इलाके में 32 वर्षीय व्यक्ति ने मायके में रह रही अपनी पत्नी पर सर्जिकल ब्लेड से हमला करने के बाद कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। इस हमले में महिला की गर्दन और चेहरे पर गंभीर चोटें आई हैं।

उनका ऑपरेशन दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल में किया गया। अधिकारियों ने बताया कि महिला को खून की जरूरत पड़ने पर रघुबीर नगर पुलिस चौकी के कांस्टेबल सुधीर ने रक्तदान किया। पुलिस के अनुसार, महिला का पति रामकुमार हमला करने के बाद अपनी पत्नी को मरा समझकर घर से भाग गया, लेकिन बाद में उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में एक घर में फंदे से लटका पाया गया।

दंपती की हाल में शादी हुई थी और आरोपी कथित तौर पर नशे का आदी था। घटना बृहस्पतिवार को महिला के मायके में हुई। महिला पति का घर छोड़कर रघुबीर नगर इलाके में अपने मायके में रह रही थी। एक अस्पताल से ख्याला थाना में एक फोन आया था जिसमें बताया गया कि एक महिला को घायल अवस्था में भर्ती कराया गया है जिसे कथित रूप से उसके पति ने हमला कर घायल कर दिया है।

जांच में पता चला कि महिला और उसका पति अक्सर झगड़ा करते थे और इस वजह से महिला 15 जनवरी को अपनी मां के घर चली गई थी। 19 जनवरी को महिला का पति आया और उसने महिला से उसके साथ चलने और गाजियाबाद में लोनी के पास नसीब विहार स्थित अपने ससुराल में रहने का अनुरोध किया, लेकिन महिला ने उसके साथ जाने से इनकार कर दिया।

संक्षिप्त समाचार

सीबीआई ने रिश्वत लेते तीन पुलिस वालों को पकड़ा

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने एक थाना प्रभारी समेत दिल्ली पुलिस के तीन कर्मियों को घूसलेते रंगेहाथ पकड़ा है। आरोप है कि कालिंदी कुंज थाने के प्रभारी एवं निरीक्षक भूषण कुमार आजाद ने मदनपुर खादर इलाके में एक प्लॉट की चारदीवारी करने की इजाजत देने के एवज में हेडकांस्टेबल राकेश यादव के जरिए कथित रूप से 39,000 रुपये की रिश्वत मांगी थी। प्राप्त जानकारी के अनुसार सीबीआई ने जाल बिछाकर कांस्टेबल दिनेश को हेडकांस्टेबल यादव की मौजूदगी में शिकायतकर्ता से रिश्वत लेते रंगेहाथ पकड़ लिया। सीबीआई के प्रवक्ता आरसी जोशी ने कहा, निरीक्षक थाना प्रभारी (आजाद) तथा हेडकांस्टेबल (यादव) को भी पकड़ लिया गया। गिरफ्तार आरोपियों के दफ्तर एवं आवासीय परिसरों की तलाशी ली गई है।

नाले के निर्माण कार्य का महापौर ने किया उद्घाटन

नई दिल्ली। रघुवर पुरा वार्ड के अजीत नगर क्षेत्र में महापौर श्याम सुन्दर अग्रवाल ने विधायक अनिल वाजपेई के साथ मिलकर नारियल फोड़कर नाले के निर्माण कार्य का उद्घाटन किया। कार्यक्रम की अधक्षता दिल्ली विश्विद्यालय छात्र संघ के पूर्व सचिव नरेश शर्मा ने की, जिला अध्यक्ष रामकिशोर शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे,महिला मोर्चा अध्यक्ष कंचन शर्मा व गौरव शर्मा ने सभी अतिथियों स्वागत किया। महापौर श्याम सुन्दर अग्रवाल ने बताया पहले 9 लाख की लागत से अजीत नगर गली नंबर 1 से 6 तक का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। अब दूसरे चरण में गली नंबर 7 से लेकर गली नंबर 19 तक का निर्माण कार्य 18.5 लाख की लागत से एक माह में पूरा कार्य कर लिया जाएगा। रघुवर पुरा वार्ड में विधायक अनिल वाजपाई के सहयोग से बड़े पैमाने पर निर्माण कार्य हुए है ओर चल भी रहे है।

बुली बाई मामले में अग्रिम जमानत याचिका खारिज

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने बुली बाई ऐप मामले में, शनिवार को एक व्यक्ति की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी। अदालत ने कहा कि आरोपी का आचरण पंथनिरपेक्षता और बंधुत्व के संवैधानिक सिद्धांत के विरुद्ध है जो महिलाओं का सम्मान सुनिश्चित करता है। आरोपी विशाल सुधीरकुमार झा को राहत देने से इनकार करते हुए अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश धर्मेंद्र राणा ने यह टिप्पणी की। अदालत ने कहा कि उक्त ऐप बदनाम करने वाला है और आरोपी के खिलाफ आरोप गंभीर हैं क्योंकि इसके जरिये उसने एक समुदाय विशेष की महिलाओं के सम्मान और शील पर हमला किया।

जनवरी में बारिश ने तोड़ा 72 साल का रिकॉर्ड

राजधानी में 1950 के बाद हुई सबसे अधिक वर्षा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

शनिवार को देर शाम से शुरू बारिश रात भी होती रही। मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार इस साल जनवरी में राजधानी में कुल 88.2 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई, जो 1950 के बाद से इस महीने में हुई सबसे अधिक बारिश है। वहीं बारिश से प्रदूषण से काफी राहत मिली और यह शनिवार के मुकाबले 110 अंक गिर गया।

रविवार को न्यूनतम तापमान सामान्य से तीन डिग्री अधिक 10.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया वहीं 15 डिग्री दर्ज किया गया। आईएमडी के एक अधिकारी ने कहा कि यह 1950-2022 की अवधि के दौरान जनवरी के महीने में हुई सबसे अधिक बारिश है। एक के बाद एक दो पश्चिमी विक्षोभों के प्रभाव से दिल्ली में 10 जनवरी तक 63 मिलीमीटर बारिश हुई थी। आईएमडी के आंकड़ों के अनुसार, इससे पहले राजधानी में 1989 में 79.7 मिलीमीटर और 1953 में 73.7 मिलीमीटर बारिश हुई थी।

बारिश के कारण शनिवार को राष्ट्रीय राजधानी में अधिकतम तापमान 14.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो इस मौसम में सामान्य से सात डिग्री कम था। जनवरी के दूसरे सप्ताह से अधिकतम तापमान सामान्य से कम रहा है। न्यूनतम तापमान सामान्य के करीब और अधिक रहा। 'स्काईमेट वेदर' के उपाध्यक्ष (मौसम विज्ञान और जलवायु परिवर्तन) एम पलावत ने बताया कि नौ जनवरी से 19 जनवरी के बीच मुख्य रूप से बादल छाए रहने और बारिश के कारण अधिक समय तक धूप नहीं निकली। उन्होंने बताया कि सात जनवरी से नौ जनवरी के बीच हुई बारिश ने हवा में नमी बढ़ा दी जिसने कम तापमान के बीच कोहरे की स्थिति पैदा हो गई।

उन्होंने कहा कि कोहरे और निचले बादलों के कारण राष्ट्रीय राजधानी और आसपास के इलाकों के बड़े हिस्से में 16 जनवरी तक सर्द परिस्थितियां बनी रहीं। 16 जनवरी से एक के बाद एक पश्चिमी विक्षोभ (डब्ल्यूडी) के प्रभाव से दिन का तापमान फिर से गिर गया।

तीन बार पश्चिमी विक्षोभ का प्रभाव

पलावत ने कहा कि दिल्ली में इस साल जनवरी में छह बार पश्चिमी विक्षोभ का प्रभाव देखा गया, जबकि महीने में तीन से चार बार पश्चिमी विक्षोभ का प्रभाव सामान्य है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में एक जनवरी से नौ जनवरी के बीच तीन बार पश्चिमी विक्षोभ का प्रभाव देखा गया। सोलह जनवरी के बाद से तीन और पश्चिमी विक्षोभ ने राजधानी को प्रभावित किया। इसका हालिया प्रभाव 21 जनवरी को देखा गया। बादल छाए रहने और बारिश के कारण सूरज की किरणें धरती पर नहीं आ पातीं, जिससे दिन का तापमान कम हो जाता है। बादल दिन के दौरान होने वाली गर्मी को अवशोषित कर लेते हैं, जिससे रात का तापमान सामान्य से ऊपर रहता है।

बेहद से खराब श्रेणी में पहुंचा प्रदूषण

देर रात हुई बारिश के बाद प्रदूर्षण से लोगों को राहत मिली। रविवार को दिल्ली के वायु गुणवत्ता 201 दर्ज की गई वहीं शनिवार को यह 311 था। वहीं फरीदाबाद में 114, गाजियाबाद में 104, ग्रेटर नोएडा में 138, गुरुग्राम में 175 व नोएडा में 148 दर्ज की गई।

विधायक सुधीर सिंगला ने किया मेजर ध्यानचंद खेल मैदान का उद्घाटन

सेक्टर-14 में 50 लाख रुपये की लागत से बनाया गया मैदान

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम के विधायक सुधीर सिंगला ने रविवार को यहां सेक्टर-14 में मेजर ध्यानचंद खेल मैदान का उद्घाटन किया। करीब 50 लाख रुपये की लागत से तैयार किए गए इस मैदान का क्षेत्र के बच्चों, युवा खिलाड़ियों को लाभ होगा। इसी के साथ ही विधायक ने क्षेत्र की विभिन्न सड़कों को दुरुस्त करने के काम की भी शुरुआत की।

इस अवसर पर विधायक सुधीर सिंगला ने कहा कि प्रदेश व भारत सरकार खेलों की तरफ विशेष ध्यान दे रही है। इसी का परिणाम है कि हमारे खिलाड़ियों ने ओलंपिक समेत अन्य खेल प्रतियोगिताओं में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा कि खेलों के मामले में हरियाणा ने देश में अपना नाम कमाया है। देश को अनेक अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी दिए हैं। इस अवसर पर इलाके के पार्षद अनूप सिंह, भाजपा नेता अनुराग बक्शी, बोधराज सीकरी, आरडब्ल्यूए अध्यक्ष संजीव अग्रवाल, महासचिव विकास वर्मा, महिला मोर्चा महामंत्री अलका सचदेवा, रविन्द्र जैन, केएल गर्ग, सुमित अरोड़ा व अन्य गणमान्य मौजूद रहे।

गुरुग्राम के सेक्टर-14 में खेल मैदान का उद्घाटन करते विधायक सुधीर सिंगला।

वजीराबाद में स्वतंत्रता सेनानियों को किया सम्मानित

विधायक सुधीर सिंगला ने रविवार को ही वजीराबाद में स्वतंत्रता सेनानियों व उनकी वीरांगनाओं को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने सभी ज्ञात-अज्ञात स्वतंत्रता सेनानियों को सेल्यूट करते हुए कहा कि उनके साहस और बलिदान के कारण ही हम सब आज आजादी में जी रहे हैं। आजादी के इन मतवालों ने अपना जीवन देश को समर्पित किया था। इनका कर्ज कभी नहीं उतारा जा सकता। इस अवसर पर पार्षद मनीष वजीराबाद, सुनील मेंबर, सुभाष यादव, पार्षद कुलदीप बोहरा, सीएम विंडो के सदस्य अमित गोयल समेत काफी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

विधायक ने नेताजी को भी दी श्रद्धांजलि

विधायक सुधीर सिंगला ने सेक्टर-14 में नेताजी सुभाष चंद्र बोस जी की जन्म जयंती के अवसर 75वें आजाद अमृत महोत्सव पर आजाद हिंद फौज के वीरों और नेताजी को श्रद्धांजलि अर्पित की। नेताजी के महान विचारों को सुना व सभी साथियों के साथ सांझा किया।

जैकबपुरा में बच्चों को किया सम्मानित

जैकमपुरा में भाजयुमो कोषाध्यक्ष आशीष गुप्ता की ओर से जिला कार्यालय पर नेताजी की जयंती पर कार्यक्रम आयोजित किया। यहां भी विधायक सुधीर सिंगला ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने नेताजी सुभाष चंद्र बोस की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इसके बाद शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए बच्चों को कापी-किताबें वितरित की। कार्यक्रम में देशभक्ति गीतों से माहौल देशभक्तिमय हो गया।

सिकंदरपुर में भी गूंजा जय हिंद शहीदों को दी श्रद्धांजलि

गुरुग्राम के गांव सिकंदरपुर में नेताजी की जयंती पर पुष्प अर्पित करने के बाद ध्वजारोहण करते अतिथि।

गुरुग्राम। रविवार को गांव सिकंदरपुर के सरकारी स्कूल में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में बेगराज यादव पहुंचे। उन्होंने यहां ध्वजारोहण भी किया।

बेगराज यादव ने नेताजी के जीवन पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि नेताजी ने देश के लिए जो आंदोलन चलाया, वह स्वर्णिम अक्षरों में अंकित है। उन्होंने देश में जोश और जुनून की भावना पैदा की। आजादी के आंदोलन में उन्होंने देश में जागृति फैलाई और देश के लोग उनके आह्वान पर अंग्रेजों से लोहा लेने को एकजुट हो गये। कार्यक्रम के संयोजक सरपंच सुंदर लाल यादव ने कहा कि नेताजी ने देश की आजादी के लिए अपना जीवन लगाया। उन्होंने देश के लिए अपने जीवन की परवाह किए बगैर देश के लोगों को सदा आजादी के आंदोलन से जोड़कर रखा। तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूंगा का नारा जब उन्होंने दिया तो देश के लोग उनके नेतृत्व में आगे बढ़े। इस अवसर पर सभी ने जयहिंद बोला और ध्वजारोहण करके नेताजी को सेल्यूट किया। कार्यक्रम में राष्ट्रगान के साथ शहीद सूबेदार पार्थ सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण भी किया गया। इस अवसर पर डाक्टर महाबीर यादव, सूबेदार देशराज, सत्तू प्रधान, रामोतार पूर्व सरपंच, रोहतास यादव, योगेश मोर, संजय यादव समेत काफी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

551 महिलाओं ने मूर्ति स्थापना पर निकाली कलश यात्रा

गुरुग्राम के गांव दौलताबाद में कलश यात्रा में शामिल महिलाएं।

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गांव दौलताबाद में राधा कृष्णा मंदिर में स्थापना की गई मूर्ति की

गांव दौलताबाद में रविवार को राधा कृष्णा मंदिर में मूर्ति स्थापना की गई। इस अवसर पर 551 कलश यात्रा भी निकाली गई। जिसमें महिलाओं ने अपने सिर पर कलश लेकर क्षेत्र को भक्तिमय बना दिया।

महिलाओं ने कलश लेकर पूरे गांव का चक्कर लगाया। इस कलश यात्रा को लेकर महिलाओं में भी एक अलग जोश दिखा। कलश यात्रा के साथ-साथ हवन यज्ञ का भी आयोजन किया गया। इसके साथ पूरे गांव के लिये भण्डारे का भी आयोजन किया गया।

कलश यात्रा के बाद पूरे विधि-विधान के साथ मंदिर में मूर्ति स्थापना की गई। दिनभर भक्ति गीत बजते रहे। गीतों, भजनों पर श्रद्धालुओं ने नृत्य भी किया।

गीतों के साथ रीतों में भी हो देशभक्ति की भावना

जयहिंद बोलकर किया गया नेताजी को नमन

कहा, नेताजी ने सदा देशहित में लगाया अपना जीवन

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

पर्यावरण संरक्षण विभाग भाजपा हरियाणा की ओर से रविवार को नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 125वीं जयंती शहर में चार स्थानों और प्रदेशभर में 50 स्थानों पर मनाई गई। इस दौरान विभाग प्रमुख नवीन गोयल ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करके नेताजी को नमन किया और उनके दिखाए मार्ग पर चलने का आह्वान किया। नेताजी की जयंती के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण विभाग भाजपा हरियाणा की ओर से सिविल लाइन स्थित स्वतंत्रता सेनानी हॉल, देवीलाल कालोनी, मनोहर नगर और राजीव नगर में कार्यक्रम आयोजित किए गए। तीन स्थानों पर नवीन गोयल पहुंचे।

राजीव नगर में भारत विकास परिषद के सचिव डा. डीपी गोयल ने शिरकत की। नेताजी को श्रद्धासुमन अर्पित करके जयहिंद का नारा जब गूंजा तो माहौल देशभक्तिमय हो गया। ये पल नेताजी के प्रति बहुत बड़े सम्मान का सूचक बन गए। कभी सिर्फ रीत समझकर किए जाने वाले महापुरुषों की जयंती के कार्यक्रम रविवार को बहुत बड़ा उत्सव बन गए। इस अवसर पर नवीन गोयल ने कहा कि गीतों के साथ हमारी रीतों में भी देशभक्ति होनी चाहिए। तभी हम इस आजाद राष्ट्र के प्रति कुछ कर सकेंगे। श्री गोयल ने कहा कि द्रोण नगरी गुरुग्राम में आजाद हिंद फौज (आईएनए) के नाम पर गुरुग्राम में किसी भी एक चौक का नामकरण होना चाहिए। लोगों ने उनकी इस मांग का हाथ उठाकर समर्थन किया।

गुरुग्राम के स्वतंत्रता सेनानी हॉल में नेताजी को श्रद्धासुमन अर्पित करते अतिथि।

नेताजी सुभाष प्रश्नोत्तरी पुस्तक का भी विमोचन

इस अवसर पर नेताजी पर प्रकाशित एक पुस्तक नेताजी सुभाष प्रश्नोत्तरी का विमोचन करके पुस्तक का वितरण किया गया। स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी समिति के अध्यक्ष कपूर सिंह दलाल ने लोगों का आह्वान किया कि हर साल इसी प्रकार से एकत्रित होकर नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती मनाते रहेंगे।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस पर आधारित एक कविता खूनी हस्ताक्षर सुना कर लोगों में जोश जगाया। इस समारोह में भाजयुमो प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य गगन गोयल के अलावा हरि सिंह सनसनवाल, राष्ट्र दहिया, बलराज सिंह अहलावत, कर्मवीर कटारिया, सिंह राघव, प्रमिला चाहर, मोना यादव, हवा सिंह, वेद रामपुरा, बनवारी लाल सिंगला समेत काफी संख्या में लोग उपस्थित हुए।

40 स्थानों पर मनाई सुभाष चंद्र जयंती

सोहना। खंड में आजाद हिन्द फौज के संस्थापक व देश को अंग्रेजी हुकूमत से सच्ची आजादी दिलवाने नेता सुभाषचन्द्र बोस की 125वीं जयंती को 40 स्थानों पर मनाया गया। इस अवसर पर आजाद हिन्द फौज के स्वतंत्रता सेनानियों की वीरगाथा का गुणमान व परिजनों सम्मान किया गया।

रविवार को आजाद हिन्द फौज के संस्थापक नेता सुभाष चन्द्र बोस की 125वीं जयंती को मनाते हुए जयहिन्द बोस का नया नारा दिया गया। सुभाष चन्द्र बोस को अंग्रेजों की गुलामी से मुक्ति दिलाने वाले सच्चा सपूत और देशभक्त की महिमा गाई गई। शहर की लोहिया धर्मशाला में भाजपा मंडल की तरफ से जयंती मनाई गई। इस अवसर पर क्षेत्र के चार स्वतंत्रता सेनानियों के परिजनों को बुलाकार उनका मान-सम्मान किया। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता सूरजपाल अम्मू सहित मंडल अध्यक्ष गौरव चुग व अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे। इस समारोह में बोलते हुए भाजपा प्रदेश प्रवक्ता सूरजपाल अम्मू ने कहा कि नेता सुभाष चन्द्र बोस अंग्रेजी हुकूमत के दौरान कांग्रेस के अध्यक्ष रहे थे। लेकिन आज कांग्रेस पार्टी ही नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की जयंती मनाना पंसद नहीं करती है। उनके नाम पर राजनीति बातें बना रही है। अम्मू ने कहा कि आजाद दिलाने के सच्चे नायक नेता जी सुभाष चन्द्र बोस ही थे। जिनके एक संदेश पर उस समय का युवा उनकी सेना में भर्ती होकर आजादी में अपनी कुर्बानी देने के लिए कूद पड़ा था। आजाद हिन्द फौज के सेनानियों का देश का एक-एक नागरिक ऋणी है।

नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की 125वीं जयंती पर स्वतंत्रता सेनानियों के परिजनों के साथ भाजपा प्रदेश प्रवक्ता सूरजपाल अम्मू।

पाश कॉलोनियों में स्ट्रीट लाइटें हैं खराब, अंधेरे से लोगों में दहशत

शहर के वार्ड नंबर-5 और 6 के आम रास्तों में रहता है अंधेरा

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

शहर की पाश कॉलोनियों में खराब स्ट्रीट लाइटों के कारण दिन ढहलने साथ ही अंधेरा छा जाता है। जिसके कारण यहा के आम रास्तों में उजाला करने की जिम्मेदारी चांद तारों पर आ जाती है। स्थानीय लोग रात के समय में जरुरी कार्य के लिए भी घरों से बाहर निकलने में कतरा रहे है।

शहर के वार्ड नंबर-5 और 6 की पाश कॉलोनियों के आम रास्ते व गालियों में रात के समय में उजाला देने की जिम्मेदारी आसमान में चमकने वाले चांद तारों पर रहती है। दस माह में एक करोड़ से भी अधिक संपत्ति कर की वसूली करने वाली नगर परिषद की पाश कॉलोनियों में दिन ढहलने के साथ अंधेरा छा जाता है। यहां के निवासियों को आत्म सुरक्षा के लिए अपने घरों के बाहर लाइटें जलाकर रखनी होती है। जिसे कॉलोनी के निवासी पूरी रात न जलाकर रात 12 बजे से पहले बंद करके सो जाते हैं। उसके बाद कॉलोनी के चौक-चौराहों से लेकर आम रास्ते व गलियों में छाया अंधेरा को उजाला करने की जिम्मेदारी चांद तारों पर आ जाती है।

सोहना की फ्रेंड्स कॉलोनी के रास्ते में खराब स्ट्रीट लाइट के कारण छाया अंधेरा।

पाश कॉलोनी निवासी देते हैं संपत्ति कर

शहर की फ्रेंड्स, न्यू फ्रेंड्स, शिव कॉलोनी सहित अन्य पाश कॉलोनियों रहने वाले नागरिक हर साल लाखों रुपये संपत्ति कर की अदायगी कर रहे हैं। यहां के निवासी राकेश कहना है कि संपत्ति कर देने के बावजूद कॉलोनियों की गलियों अंधेरा छाया रहता है। खराब स्ट्रीट लाइटों की जांच करने के लिए परिषद के कर्मचारी कभी आते नहीं। विजय कुमार का कहना है कि जब से पार्षदों का कार्यकाल समाप्त हुआ है। उन्होंने ने भी जनहित के कार्यों पर अपना ध्यान देना कम कर दिया है।

जनहित के नाम पर विकास

नगर परिषद की तरफ से जनहित की महिमा देते हुए अवैध कॉलोनियां और परिषद सीमा में आने वाले गांवों में हर माह लाखों रुपये विकास कार्यों के टेंडर लगाएं जा रहे हैं। सुरेन्द्र का कहना है कि अवैध कॉलोनियों के आम रास्तों से लेकर बरसाती व गंदे पानी के नालों का निर्माध धड़ल्ले से चल रहे हैं। जबकि इन क्षेत्रों से संपत्ति कर के नाम पर परिषद को एक रुपये की वसूली नहीं हो रही है।

ऐसा कहते हैं परिषद अधिकारी

नगर परिषद के कार्यकारी अधिकारी अतर सिंह खनगवाल ने बताया कि जल्द ही खराब स्ट्रीट लाइटों को जल्द ठीक कराया जाएगा। खराब लाइटों की पहली जांच कराई जाएगी।

स्वतंत्रता संग्राम के महानायक का राष्ट्र कृतज्ञ थे सुभाष चंद्र बोस

फरीदाबाद। एनआईटी तीन फरीदाबाद की राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय की जूनियर रेडक्रॉस, गाइड्स और सैंट जॉन एंबुलेंस ब्रिगेड ने प्राचार्य रविंद्र कुमार मनचंदा की अध्यक्षता में आजाद हिन्द फौज के संस्थापक सुभाष चंद्र बोस को श्रद्धा सुमन अर्पित किए। विद्यालय की जूनियर रेडक्रॉस और सैंट जॉन एंबुलेंस ब्रिगेड प्रभारी प्राचार्य रविंद्र कुमार मनचंदा ने कहा कि आज भारतवासी संपूर्ण विश्व में स्वतंत्रता के महानायक सुभाष चन्द्र बोस को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए उन के राष्ट्र के प्रति समर्पण के कृतज्ञ हैं।

सुभाष चंद्र बोस ने देश को स्वतंत्रता प्राप्त करवाने के लिए अपना सर्वस्व बलिदान कर दिया। सुभाष चन्द्र बोस जैसा अद्वितीय राष्ट्रभक्त देश के लिए पुन: मिलना सरल नहीं हैं। उन्होंने अपने देशप्रेम से करोड़ो भारतीयों को स्वतंत्रता प्राप्त करने के स्वतंत्रता के आंदोलन में जोड़ा प्राचार्य मनचंदा ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम के अग्रणी नेता सुभाष चंद्र बोस का जन्म 23 जनवरी 1897 को उड़ीसा में कटक में हुआ था। नेताजी ने देश की आजादी के लिए आजाद हिंद फौज का गठन करते हुए कहा कि तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आज़ादी दूंगा। सुभाष चंद्र बोस आज भी लोगों के दिलों में बसते हैं। वे 24 वर्ष की आयु में इंडियन नेशनल कांग्रेस से जुड़ गए थे।

नेताजी सुभाष चंद बोस की जयंती हर्षोल्लास से मनाई

नेताजी सुभाष चंद बोस की जयंती मनाते।

कैलाश मंगला। होडल

होडल उपमंडल में रविवार को नेताजी सुभाष चंद बोस की 125वीं जयंती हर्षोल्लास से मनाई गई। जयंती के मौके पर जगह-जगह कार्यक्रमों का आयोजन कर नेताजी की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। इस मौके पर वक्ताओं ने नेताजी के द्वारा बताए लक्ष्य कदमों पर चलने व उनके जीवन के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

नेताजी सुभाष चंद बोस की जयंती के अवसर पर गांव सोन्हद में बीजेपी की महिला मंडल अध्यक्षा मनीषा सौरोत व मंडल महामंत्री जीतन सौरोत की अध्यक्षता में कार्यक्रम का आयोजन किया गया वहीं बावरी मोड बीजेपी व्यवसायिक प्रकोष्ठ के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य उत्तम भारद्वाज व सुनील कुमार ठेकेदार की अध्यक्षता में जयंती मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ नेताजी सुभाष चंद बोस की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर किया गया। इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि सुभाष चंद बोस आजाद हिंद फौज के संस्थापक व देश को आजाद कराने वाले एक महान नायक थे। उन्होंने कहा कि सुभाष चंद बोस ने आजाद हिंद फौज का गठन कर लोगों को यही नारा दिया था कि तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूंगा।

उन्होंने कहा कि आज के युवाओं को उनके द्वारा बताए गए रास्तों पर चलकर देश हित में कार्य कराना चाहिए। हमें सुभाष चंद बोस के जीवन से देश भक्ति की प्रेरणा लेनी चाहिए। इस मौके पर राधा, पूनम, मुकेश, उमा, सविता, धर्म सौरोत, वंशी, मोहन, पूरन, गिर्राज, विनित, प्रिंस, सुमित, रूपम, आकाश, अजय, सुरेंद्र सोनू, पार्षद शिवराम सौरोत, पदम सिंह, हरीश चंद, विजय, संदीप, सुबह सिंह के अलावा अन्य लोगों ने नेताजी सुभाष चंद बोस की जयंती में हिस्सा लेकर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

संक्षिप्त समाचार

रक्तदान शिविर में 80 यूनिट रक्त एकत्रित किया

होडल। नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती के उपलक्ष में थैलेसीमिया ग्रस्त बच्चों के लिए उपकार मंडल हसनपुर द्वारा स्वैच्छिक रक्तदान कैंप का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि मुकेश सिंगला जय किसान सेवा सदन पलवल व विशिष्ट अतिथि बीएस रावत अधीक्षक हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड भिवानी, वाजिद अली सचिव जिला रेडक्रॉस सोसाइट पलवल, महेश मलिक जिला प्रशिक्षण अधिकारी रेडक्रॉस पलवल, दिनेश कुमार धनखड़ डायरेक्टर कृष्णा एस्टेट डेवलपर्स ओमेक्स सिटी पलवल के द्वारा शिविर का उद्घाटन किया गया। शिविर की अध्यक्षता मंडल के सचिव विक्रम सिंह यात्री ने की। जिसमें 85 व्यक्तियों द्वारा रक्तदान किया गया तथा इन सभी को नए वेरिएंट ओमिक्रोन के बारे में भी बताया गया। सभी को मास्क भी वितरित किए गए। इस अवसर पर खजान सिंह पूर्व मुख्याध्यापक, सत्यदेव सिंह मुख्याध्यापक, उपकार हाई स्कूल से चतुर्भुज नरेश कुमार, बलराम शास्त्री, राजेंद्र कुमार, सुनील कुमार व अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

शिविर में रक्त देते रक्तदाता।

सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर दी गई पुष्पांजलि

फरीदाबाद। युवा समाजसेवी गोल्डी बरेजा ने अपने सेक्टर 7 कार्यालय पर महान स्वतंत्रता सेनानी व आजाद हिंद फौज के निर्माता नेताजी सुभाष चंद्र बोस जी की 125वीं जयंती उन्हें पुष्पांजलि अर्पित करके मनाई। इस अवसर पर गोल्डी बरेजा ने कहा की नेताजी सुभाष चंद्र बोस का जीवन युगों युगों तक आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा स्रोत रहेगा किस तरह से नेता जी ने जय हिंद व तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा के नारे देकर स्वतंत्रता संग्राम की लड़ाई में एक नई क्रांति का संचार किया। नेताजी की 125 वी जयंती पर हम सभी को यह प्रण लेना चाहिए कि हम अपने राष्ट्रीय व अपने समाज के प्रति हमेशा ईमानदार और निष्ठावान रहेंगे तथा अपनी संस्कृति के बारे में अपनी आने वाली पीढ़ियों को भी जागरूक करेंगे ताकि उन्हें भी यह ज्ञात हो कि हमारे देश को आजादी कितनी कुर्बानियों और बलिदान के बाद हासिल हुई। इस अवसर पर उनके साथ गोल्डी बरेजा, बच्चु सिंह तेवतिया, नीलम तेवतिया, राजेश शर्मा, प्रमोद जोशी, केडी मलिक, रणबीर चौधरी, प्रवीण भटेजा, वेद प्रकाश कटारिया, जीपी नंदा, एमएस अरोड़ा, एचएन शर्मा, अनिल गेरा, स्पर्श गेरा विक्रम भुगरा, वैभव बजाज, गौरव जैन आदि मौजूद रहे।

नेताजी ने आजादी के लिए छोड़ी थी सिविल सर्विस की नौकरी: गर्ग

फरीदाबाद। आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत आज वार्ड नंबर 32 में आने वाली कृष्णा कॉलोनी में नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डिप्टी मेयर मनमोहन गर्ग ने कहा कि नेताजी ने देश की आजादी के लिए अपनी सिविल सर्विसेज की हाई फाई सैलरी और सुविधाओं वाली नौकरी छोड़ दी थी और देश के बाहर जाकर आजाद हिंद फौज का गठन किया। गर्ग ने यहां नेताजी सुभाष चन्द्र बोस के छायाचित्र के सम्मुख श्रद्धांजलि अर्पित कर सुमन अर्पित किए। उन्होंने कहा कि पिछले 15-20 वर्ष से नेताजी के बारे में लोग भूलने लगे थे, जिसको जानकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे पराक्रम दिवस के रूप में मनाने का संदेश हमें दिया। आज हरियाणा में ही अकेले 7500 स्थानों पर एक साथ एक समय में नेताजी की जयंती मना रहे हैं, झंडारोहण कर रहे हैं और नेताजी व उनकी आजाद हिंद फौज के बारे में चर्चाएं कर रहे हैं। इसके साथ ही इंडिया गेट पर नेताजी की एक होलोग्राफिक प्रतिमा का अनावरण प्रधानमंत्री ने किया है। जल्द ही इस स्थान पर ग्रेनाइट की नई प्रतिमा लगेगी जो हमें आजादी के आंदोलन के बारे में नए सिरे से बताएगी। उन्होंने कहा कि नेताजी के बारे में अभी ऐसी बहुत सारी बातें हैं जो जनता के सामने आना बाकी हैं। लेकिन वह आना शुरू हो चुकी हैं। इस अवसर पर डिप्टी मेयर मनमोहन गर्ग ने बताया कि पिछले दिनों कृष्णा कॉलोनी के बाहर तोडफ़ोड़ संबंधी पर्चे लगाए गए थे। लेकिन आप लोगों को इस बारे में डरने की बिल्कुल भी जरूरत नहीं है। आपकी एक ईंट भी कोई नहीं तोड़ सकेगा। इस बारे में हमारी केंद्रीय मंत्री कृष्णपाल गुर्जर से बात हो गई है। इसलिए कोई भी इस बारे में घबराए न। उन्होंने कहा कि आपकी कॉलोनी में विकास कार्य चल रहे हैं। यदि किसी को कोई भी परेशानी हो तो सीधे मुझे बता सकते हैं। इस अवसर पर सेक्टर 15 के प्रधान नीरज चावला, आरसी शेखर, आरडब्ल्यूए प्रेसीडेंट अखिलेश कुमार, महामंत्री संदीप बंसल, जिला भाजपा के सचिव कृष्णकांत आर्य, तुलसी प्रधान, श्रीकांत, बीआर गोला आदि मौजूद रहे।

जनता उठाए प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना का लाभः उपायुक्त

फरीदाबाद। उपायुक्त जितेंद्र यादव ने कहा है कि महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत सहायता राशि उपलब्ध करवाई जा रही है। उपायुक्त ने बताया कि महिला व उसका शिशु स्वस्थ रहे, इस उद्देश्य को लेकर उपरोक्त योजना को राज्य सरकार ने क्रियान्वित किया है। उन्होंने बताया कि किसी भी परिवार में पहली बार गर्भवती हुई महिला को अच्छा स्वास्थ्य और सही खान-पान देने के लिए सरकार द्वारा किश्तों में सहायता राशि उक्त योजना के तहत प्रदान की जाती है। उन्होंने आह्वान करते हुए कहा कि पात्र महिलाओं को प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना का लाभ अवश्य उठाना चाहिए। उपायुक्त जितेंद्र यादव ने बताया कि योजना के तहत कुल 5 हजार रुपये की सहायता राशि प्रदान की जाती है। इसमें पहली किश्त एक हजार रुपये की है। दूसरी किश्त दो हजार रुपये की व तीसरी किश्त भी दो हजार रुपये की निर्धारित की गई है। इसके साथ ही उपायुक्त ने यह भी बताया कि उपरोक्त योजना का लाभ उठाने के लिए कुछ शर्तें भी निर्धारित की गई है और लाभार्थी के पास आवश्यक दस्तावेज भी होने चाहिए। शर्तों का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि गर्भवती महिला का किसी भी सरकारी स्वास्थ्य इकाई में 150 दिनों के भीतर पंजीकरण पत्र आवश्यक दस्तावेजों के साथ जमा करवाने पर पहली किश्त का भुगतान किया जाएगा। इसके साथ ही उक्त महिला के पास आवेदन प्रपत्र 1 ए, एमसीपी कार्ड, पहचान प्रमाण पत्र, बैंक, पोस्ट ऑफिस अथवा अकाउंट पासबुक का होना भी जरूरी है। उपायुक्त ने बताया कि इसी प्रकार 2000 रुपये की दूसरी किस्त प्राप्त करने के लिए कम से कम एक प्रसव पूर्व जांच होने के दावों को गर्भावस्था से 180 दिन बाद दस्तावेजों के साथ जमा करवाना होगा और इसके साथ ही आवेदन प्रपत्र एक बी तथा एनसीपी कार्ड भी लगाना होगा। उन्होंने कहा कि दो हजार रुपये की तीसरी किश्त प्राप्त करने के लिए शिशु जन्म का पंजीकरण करवाना जरूरी है। इसके साथ शिशु को प्रथम चक्र बीसीजी, ओबीपी, डीपीटी एवं हेपेटाइटिस बी अथवा समकक्ष का टीकाकरण करवाने के बाद दस्तावेजों के साथ जमा करवाने पर भुगतान किया जाएगा। इसके साथ ही आवेदन प्रपत्र एक सी एमसीपी कार्ड, आधार कार्ड और शिशु जन्म प्रमाण पत्र का कार्ड होना भी जरूरी है। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के बारे में अधिक जानकारी के लिए आशा वर्कर अथवा एएनएम से संपर्क किया जा सकता है।

आजाद हिंद फौज के गुमनाम जवानों को मिले सम्मान

कविता। फरीदाबाद

देश में नेताजी सुभाष चंद्र बोस के 125 वें जन्मदिवस को पराक्रम दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। वहीं दूसरी तरफ सामाजिक कार्यकर्ता फौगाट सीएम और डिप्टी सीएम से गुमनाम स्वतंत्रता सेनानियों को स्वतंत्रता सेनानियों का दर्जा दिलवाने हेतु प्रयासरत है। उनका कहना है कि फरीदाबाद, पलवल और गुरुग्राम के गुमनाम स्वतंत्रता सेनानियों का रिकार्ड गुरुग्राम प्रशासन तक पहुंचाये हुए उन्हें काफी समय हो गया है। लेकिन फरीदाबाद, पलवल और गुरुग्राम के परिवारों

रिकार्ड तलाशकर दिया, लेकिन प्रशासन ने पलवल, फरीदाबाद और गुरुग्राम निवासियों को न पहुंचाया

तक यह रिकार्ड प्रशासन द्वारा नहीं पहुंचाया गया है।

लड़ रहे लड़ाई

सामाजिक कार्यकर्ता भगवान फौगाट ने बताया कि आजाद हिंद फौज के गुमनाम रहे हरियाणा के जवानों का रिकॉर्ड, गौरवपूर्ण इतिहास राष्ट्रीय अभिलेखागार में पाया गया है। इनका रिकॉर्ड उन्होंने सालों कि मेहनत से ढूंढकर राज्य व जिला प्रशासन और राज्य स्वतंत्रता सेनानी सम्मान समिति कार्यालयों तक पहुंचाया है। सभी उपायुक्तों को कार्यवाही के लिए मुख्य सचिव कई बार फिर से पत्र लिख चुके हैं।

उपमुख्यमंत्री भगवान फौगाट को आश्वासन देते हुए

म्यूजियम बनाए जाएं

भगवान फौगाट ने सीएम से प्रत्येक जिले में हरियाणा के आजाद हिंद फौज के सेनानियों का शिलालेख पट्ट एवं उनकी यादों को चिरस्थाई बनाने हेतु म्यूजियम सुभाष पार्क भव्य रूप से बनाने की मांग की। हरियाणा के अनेक जवानों ने आजाद हिंद फौज में हिस्सा लिया था, उनको स्वतंत्रता सेनानी का दर्जा नहीं दिया गया, वह आज तक गुमनाम हैं। अतः नेता जी सुभाष चंद्र बोस पार्क में शिलालेख पट्ट व म्युजियम मुख्यमंत्री मनोहर लाल और सैनिक कल्याण मंत्री से बनवाने की मांग की गई। मंत्री ओमप्रकाश यादव ने सकारात्मक सहयोग के आश्वासन के साथ मांग पूरी करने का आश्वासन दिया गया।

मिला है आश्वासन

फौगाट ने बताया कि अंग्रेजी सेनाओं द्वारा दिए गए रिकॉर्ड के आधार पर आजाद हिंद फौज के सभी जवानों कि पहचान करना आसान नहीं था। अतः वे गुमनाम स्वतंत्रता सेनानी रह गए हैं। अगर सरकार द्वितीय विश्व युद्ध के अंग्रेजी सेना के जवानों कि यूनिट आर्मी नंबर, नाम, पता दिलवाये तो वह अपने अनुभव के आधार पर सैकड़ों जवानों का आजाद हिंद फौज राष्ट्रीय अभिलेखागार कार्यालय से ढूंढकर दे सकते हैं। उप मुख्यमंत्री ने उनको स्वतंत्रता सेनानी दर्जा देने की आवश्यक कार्यवाही करने का आश्वासन दिया है।

नेताजी और शहीदों को याद कर रो पड़े शहीदों के परिवार जन

नेताजी की जयंती पर जयहिन्द बोस बोलकर भावुक हुए लोग

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिले के 40 वार्डों और 92 गांवों में आयोजित कार्यक्रमों में आए हजारों लोग जयहिंद बोस बोलकर नेताजी और शहीदों को याद कर भावुक हो उठे। देश की आजादी में अपना सर्वस्व न्यौछावर करने वाले 3 लाख 27 हजार शहीदों की शहादत की दास्तां सुनकर हर आंख से आंसू छलक आए। शहीदों के परिवार जन कांग्रेस सरकार द्वारा आजादी का इतिहास छुपाने पर आहत नजर आये।

जिला अध्यक्ष गोपाल शर्मा ने बताया कि पूरे फरीदाबाद के 132 कार्यक्रमों में शहीदों की दास्तान सुन लोगों का हृदय द्रवित हो उठा और लोग भावुक हो उठे। कार्यक्रमों के दौरान भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं द्वारा प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश धनखड़ और प्रदेश पदाधिकारियों की सेलुलर जेल कालापानी की यात्रा में उजागर हुए स्वतंत्रता सेनानियों के साथ हुई भयानक यातना और उनकी निर्मम हत्या की कहानी सुनकर फरीदाबाद

नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में शिरकत करते केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर व अन्य लोग।

के लोग रो पड़े। नेताजी की जयंती को पराक्रम दिवस के रूप में मनाते हुए भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने हर गाँव और वार्ड में कार्यक्रमों के माध्यम से स्वतंत्रता दिवस के वीरों का इतिहास और उनकी शौर्य गाथाएं लोगों तक पहुंचाई। नेताजी और लाखों शहीदों को याद कर लोगों ने जयहिंद बोस व हरियाणा बोले जयहिंद बोस के नारे का उद्घोष लगाया। केंद्रीय मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने वार्ड 26 व 27, हरियाणा के कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने वार्ड 38 व 40, जिला अध्यक्ष गोपाल शर्मा ने वार्ड 37, मुख्यमंत्री के राजनैतिक सलाहकार अजय गौड़ ने वार्ड 33, विधायक नरेन्द्र गुप्ता ने वार्ड 29, राजेश नागर ने तिगांव, व लहठोला, पूर्व मंत्री विपुल गोयल ने वार्ड 31, पूर्व विधायक टेकचंद शर्मा ने वार्ड 22, महापौर सुमन बाला ने वार्ड 12, वरिष्ठ उप महापौर देवेन्द्र चौधरी ने वार्ड 27, किसान मोर्चा के प्रदेश महामंत्री सोहनपाल सिंह ने गाँव फिरोजपुर, आल्हापुर, सौताई व सीकरी, जिला महामंत्री मूलचंद मित्तल वार्ड 31, आर एन सिंह वार्ड 33 और भाजपा के अन्य वरिष्ठ नेताओं व पदाधिकारियों ने कार्यक्रमों में सम्मिलित होकर नेताजी और शहीदों की मूर्तियों पर माल्यार्पण किया और उनको नमन कर जयहिन्द बोस का उद्घोष लगा श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रमों के दौरान तिरंगे को नमन कर राष्ट्र गीत और राष्ट्र गान भी गाया गया और आजाद हिंद फौज के तराने, सुभाष जी..सुभाष जी, कदम कदम बढ़ाए जा गीत और सुभाष चन्द्र बोस पर बनी रागनियों को सुनकर लोग नेताजी को याद कर भावुक हो उठे। शहीदों के परिवारों के उपस्थित सभी सदस्य भावुक हुए, बिना ना रह सके, हर आंख में आंसू नजर आये।

गोपाल शर्मा ने कहा कि आजाद हिन्द फौज की ओर से लड़ते हुए इस पवित्र युद्ध में हरियाणा के कुल 22 वीर अफसर तथा 324 बहादुर जवान वीरगति को प्राप्त हुए। आजादी की लड़ाई में फरीदाबाद जिले के 182 लोगों ने शहादत दी। आजाद हिंद फौज के जीवित आठ सैनिकों में फरीदाबाद के ग्राम मझ्राप निवासी 102 वर्षीय जगराम धनखड़ आज भी जीवित हैं। जबकि 321 सैनिकों की विरांगनाएं आजाद हिंद फौज में सैनिक रहे अपने वीर पतियों की शौर्य गाथा सुनाने के लिए आज भी जिंदा है।

रक्तदान से बड़ा कोई नहीं पुण्य का काम: मान

रक्तदान शिविर का रिबन काटकर उद्घाटन करते मुख्यातिथि।

फरीदाबाद। अतिरिक्त उपायुक्त सतबीर मान ने कहा कि देश के महान स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस जी के जन्म दिवस के उपलक्ष में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया है। जिसके लिए सभी आयोजकों व सहयोगियों का विशेष तहेदिल आभार प्रकट करता हूं। जिन्होंने नेताजी की जयंती पर रक्तदान कराकर सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित की है।

रक्तदान से बड़ा कोई पुण्य कर्म और धर्म का कार्य नहीं हो सकता क्योंकि यह लोगों को जीवन देने का कार्य करता है। रक्त की एक यूनिट के माध्यम से तीन से चार लोगों का जीवन बचाया जा सकता है। नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने कहा था कि तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूंगा। उनके इस वाक्य से मतलब देश के लिए कुछ कर गुजरने से था तो हम सभी युवा नेता जी के इस स्लोगन से यह प्रेरणा लें कि हमें जब भी मौका मिले तब समाज व देश की सेवा में जरूरतमंदों को रक्तदान अवश्य करें और लोगों का जीवन बचाने का कार्य करें।

आज के इस यह रक्तदान शिविर हरियाणा प्रेस क्लब, रोटरी क्लब ऑफ ग्रेस एवं जिला रेडक्रॉस सोसायटी के सहयोग से आशानंद सीनियर सेकेंडरी स्कूल एसजीएम नगर 22 फुट रोड पर आयोजन किया गया। जिसमें बतौर मुख्य अतिथि अतिरिक्त उपायुक्त सतबीर मान ने उपस्थित होकर रक्तवीरों का उत्साह वर्धन किया।

कोरोना: 24 घंटे में दो मौतें, 1232 नए संक्रमित

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिले में कोरोना के मरीजों की संख्या का आंकड़ा लगातार बढ़ता जा रहा है। लगातार मौते भी हो रही है। औद्योगिक नगरी में पुनः दो और संक्रमितों की मौत हो गई। जिससे जिले में मृतकों की संख्या का आंकड़ा 726 पर पहुंच गया।

जबकि कोरोना वायरस के 1232 मामले पॉजिटिव आए हैं। अच्छी बात यह है कि 1183 लोग ठीक होने पर घर में भेज दिए गए हैं। जिससे जिले का रिकवरी रेट 89.74 प्रतिशत पर पहुंच गया है। जिले में 1232 नए संक्रमित आने से एक्टिव केसों की संख्या का आंकड़ा 11584 पर पहुंच गया है। जिसमें होम आईसोलेशन में 11373 लोग हैं, लेकिन 211 पॉजिटिव मरीजों को अस्पताल में भर्ती किया गया है। जिसमें

ऑक्सीजन पर 34 और आईसीयू में विभिन्न बीमारियों से ग्रस्त 42 मरीजों को रखा गया है। वहीं वैंटीलेटर पर 11 मरीज भर्ती हैं। जिले में पिछले 24 घंटे में 3226 लोगों टेस्ट किए गए। जबकि अब तक जिले में 1414698 लोगों ने अब तक टेस्ट करवाया गया। इनमें से 119941 लोग कोरोना पॉजिटिव पाए गए। जबकि 1290568 लोग नेगेटिव मिले। वहीं जिले में फिलहाल 4189 सैम्पलों की रिपोर्ट आनी शेष है। जिसमें सरकारी प्रयोगशालाओं के 3217 सैम्पलों और निजी प्रयोगशालाओं के 972 सैम्पलों की रिपोर्ट आनी शेष है।

22 दिन में 10334 चालान काटे

22 दिन में 21532 मास्क वितरित किए गए, 337 नुक्कड़ मीटिंग के जरिए 4122 व्यक्तियों को जागरुक किया गया

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

पुलिस आयुक्त विकास अरोड़ा के दिशा निर्देश के तहत महामारी अलर्ट सुरक्षित हरियाणा के अनुसार फरीदाबाद पुलिस ने कोविड नियमों की अवहेलना करने वाले नागरिकों सहित दुकानदारों के चालान काटकर जुर्माना किया है।

पुलिस प्रवक्ता सुबे सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि वैक्सीन की सर्टिफिकेट के बिना सार्वजनिक स्थल जैसे: सब्जी मंडी, दूध-राशन की दुकान, मार्केट, शराब के ठेके, अनाज मंडी, होटल, मॉल, सरकारी

मास्क न लगाने वालों के चालान काटते पुलिसकर्मी।

कार्यालय, बस स्टैंड, मेट्रो स्टेशन, रेलवे स्टेशन, पार्क इत्यादि सार्वजनिक स्थान पर जाना वर्जित है। अगर माल्स, मार्केट, दुकानें और शराब के ठेके इत्यादि पर कोई वर्कर बिना मास्क और वैक्सीन के और ग्राहक बिना मास्क के मिला तो व्यक्तिगत आधार पर मास्क न पहनने के लिए 500 रुपये तथा दुकान मालिक का वर्करों व ग्राहकों से नियमों की पालना न करवाने पर 5 हजार रुपए का चालान किया जाएगा। पुलिस आयुक्त विकास अरोड़ा के दिशा निर्देश अनुसार कोविड नियमों के तहत सभी मॉल्स, बिग बाजार,एल्डगो, ई एफ-3 एस एल, सिल्वर मॉल और बाजारों में स्थित दुकानों की चेकिंग की गई जिनमें दुकानदारों द्वारा कोविड नियमों की उल्लंघना करते हुए पाया गया।

चैकिंग के दौरान पाया गया कि मॉल व दुकानों में काम करने वाले वर्करों ने वैक्सीन नही लगवा रखी है व ग्राहक मास्क का प्रयोग नही कर रहे थे। कोविड नियमों की उल्लंघना करने वाले दुकान मालिकों के 5-5 हजार रुपए के 62 चालन करके 3.10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया।

फरीदाबाद पुलिस द्वारा कल मास्क न पहनने वाले 416 लोगों के चालान करके 2.08 लाख का जुर्माना लगाया गया तथा 1 जनवरी से अब तक के आंकड़ों की बात करें तो मास्क के टोटल 10334 चालान करके 51.56 लाख का जुर्माना लगाया गया है। पुलिस प्रवक्ता ने नागरिकों से कोरोना सावधानियों का प्रयोग करने करने की हिदायत देते हुए कहा कि फरीदाबाद पुलिस नागरिकों को कोरोना महामारी से बचाने का हर संभव प्रयास कर रही है।

कोरियर से गांजा सप्लाई करने वाला गिरफ्तार

फरीदाबाद। पुलिस उपायुक्त अपराध नरेन्द्र कादयान के दिशा निर्देशो पर कार्रवाई करते हुए क्राईम ब्रांच सेक्टर 17 प्रभारी अशोक कुमार की टीम ने अवैध गांजे के मुकदमें में दूसरे आरोपी भूपेंद्र को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी भूपेंद्र फरीदाबाद की पर्वतीय कॉलोनी का रहने वाला है।

पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि आरोपी उत्तर प्रदेश से कोरियर के द्वारा गांजा पत्ती मंगवाता था और इसे अपने साथी पंकज को सप्लाई करता था जो इसे आगे बेचता था जिसे पुलिस पहले ही 5.276 किलोग्राम गांजा पत्ती सहित गिरफ्तार कर चुकी है। पुलिस ने इस मामले में गुप्त सूत्रों की सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए आरोपी भूपेंद्र को बल्लभगढ़ सोहना रोड से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को पूछताछ के बाद पेश अदालत कर नीमका जेल में बन्द करा दिया है।

विधायक ने उठाया सोहना रोड मुद्दा

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

एनआईटी विधायक नीरज शर्मा ने कोरोना संक्रमित होने के बावजूद पत्र के माध्यम से ग्रीवेंस कमेटी में पुनः उठाया बल्लभगढ़ सोहना टोल रोड की जर्जर हालत का मुद्दा। आपको बता दे की 11 अक्टूबर 2021 को उप मुख्यमंत्री जी की अध्यक्षता में ग्रीवेंस कमेटी फरीदाबाद की बैठक हुई थी। जिसमें बल्लभगढ सोहना टोल रोड की जर्जर हालत के बारे में एक परिवाद की सुनवाई थी।

बल्लभगढ सोहना टोल रोड है जोकि लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत आता है, उपरोक्त सडक की हालत काफी जर्जर अवस्था में है जिसको लेकर एनआईटी विधायक, श्री नीरज शर्मा का सघंर्ष काफी समय से जारी है। उपरोक्त मामले को लेकर विधानसभा सत्र के दौरान अतारांकित प्रश्न 186 भी पूछा गया था, जिसपर उप मुख्यमंत्री जी द्वारा खुद माना गया था की कि.मी. 4.00 से कि.मी. 6.00 तक यानी गौछि नाले से सरूरपुर तक एक खंड को छोडकर, जहा मरम्मत की आवश्यकता है। उपरोक्त सडक पर सीवर लाईन डालने के लिए नगर निगम फरीदाबाद द्वारा लोक निर्माण विभाग से अनुमति ली गई थी, जिसपर नगर निगम फरीदाबाद द्वारा

बल्लभगढ़ सोहना टोल रोड की जर्जर हालत।

कहा गया था की कार्य उपरांत उपरोक्त टूटे हुए हिस्से को बनवा दिया जाएगा। लेकिन कई वर्षो से टूटा हिस्सा नही बनवाया गया है। विधायक, श्री नीरज शर्मा का कहना था की टोल देने के बावजूद लोगो को आने जाने में काफी परेशानी का सामना तथा कई-2 घंटे जाम से जुझना पडता है। परिवारवाद पर सुनवाई करते हुए आयुक्त नगर निगम फरीदाबाद को आदेश दिए गए थे नगर निगम फरीदाबाद उक्त सडक के निर्माण के लिए राशि उपलब्ध कराएं। इस कार्य के लिए एससी, लोक निर्माण विभाग गुरुग्राम को आदेश दिए कि निर्धारित समय सीमा अनुसार निविदा पूरी करने के बाद सडक का निर्माण कार्य महीने के अन्त तक शुरू करवा दिया जाए। इसके साथ ही एससी लोक निर्माण विभाग गुरुग्राम, उपायुक्त फरीदाबाद और आयुक्त नगर निगम फरीदाबाद के साथ समन्वय बैठक कर मामले को सुलझाएंगे। उक्त सडक से पानी की निकासी के कार्य के लिए रिलाईन्स को आदेश दिए की इसके लिए सरकार से दस्ती अनुमति लेकर 15 दिन के अन्दर-2 इसको करवाए तद् उपरांत अध्यक्ष द्वारा इस परिवादवाद को लम्बित रखने के आदेश दिए गए। 21 जनवरी 2022 को ग्रीवेंस कमेटी की बैठक में विधायक, नीरज शर्मा कोरोना संक्रमित होने के कारण पहुंच तो नही पांए लेकिन पत्र के माध्यम से उप मुख्यमंत्री जी से कहा गया की लगभग 3 महीने बीत जाने के बाद भी अभीतक

कोरोना से बचाव का उपाय है वैक्सीन: सुषमा

फरीदाबाद। जिला रेडक्रॉस सोसायटी के द्वारा आज रविवार को आगमन सोसाइटी सेक्टर-70 में वैक्सीनेशन कैंप का आयोजन किया गया। हरियाणा रेडक्रॉस सोसाइटी वाइस चेयरपर्सन सुषमा गुप्ता ने जिसमें बतौर मुख्य अतिथि पहुंचकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

विशिष्ट अतिथि के रूप में रेड क्रॉस सचिव विकास कुमार व भाजपा व्यवसायिक प्रकोष्ठ जिला संयोजक विमल खंडेलवाल और उप अधीक्षक पुरुषोत्तम सैनी ने लोगों का उत्साह वर्धन किया। सुषमा गुप्ता ने बताया कि हरियाणा सरकार के द्वारा वैक्सीनेशन कैंप स्वास्थ्य विभाग के जरिये बहुत ही युद्ध स्तर पर लगाए जा रहे है। उन्होंने आम जन से आह्वान किया कि वे समय रहते सभी अपनी वैक्सिन अवश्य लगाएं। वैश्विक महामारी के कोरोना संक्रमण के बचाव में लोगों के लिए वैक्सिन जीवन प्राण बन रही है। रेडक्रॉस सचिव विकास कुमार ने बताया कि पूरे फरीदाबाद जिला में सामाजिक संगठनों के सहयोग से ज्यादा से ज्यादा लोगों को वैक्सिन लगाने का कार्य किया जा रहा है।

उपायुक्त ने किया अर्श मेडिकेयर सेंटर का उद्घाटन

नहर पार खेड़ी रोड पर अर्श मेडिकेयर का रिबन काट कर शुभारंभ करते डीसी जितेंद्र यादव, सीएमओ विनय गुप्ता और अन्य लोग।

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

नहरपार खेड़ी रोड पर, भारत कॉलोनी/हनुमान नहर में उपायुक्त जीतेन्द्र यादव ने अर्श मेडिकेयर सेण्टर का रविवार को उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आम जनता को बेहतर व सस्ती स्वास्थ्य सेवाएं देने के लिए प्राइवेट सेक्टर को भी आगे आना होगा। उन्होंने कहा कि मुझे विश्वास है कि अर्श मेडिकेयर में भी गरीबों एवं आम लोगों को सस्ती चिकित्सा सुविधाएं मिलेंगी।

इस अवसर पर डॉ विनय गुप्ता सीएमओ फरीदाबाद, डॉ हरजिंदर सिंह एसएमओ सीएचसी खेड़ी कलां, डॉ पुनीता हसीजा, अध्यक्ष आईएमए हरियाणा, डॉ दिनेश गुप्ता, अध्यक्ष आईएमए फरीदाबाद, पवन चौधरी अध्यक्ष पंजाबी सभा, डॉ रोहित गुप्ता, डॉ युवराज कुमार, डॉ सुरेश अरोड़ा, डॉ संदीप मल्होत्रा, स्टाफ के लोग और अन्य अतिथि मौजूद रहे।

इस अवसर पर उपायुक्त जीतेन्द्र यादव ने अर्श हॉस्पिटल ग्रुप के चेयरमैन डॉ लोकेश गर्ग की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि डॉ लोकेश गर्ग चिकित्सा सेवा में केंद्र सरकार की योजना आयुष्मान भारत के तहत भी कई अवार्ड प्राप्त कर चुके हैं, इसके अलावा उन्होंने गरीबों को सस्ती चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए अर्श मेडिकेयर सेण्टर के नाम से तीसरी शाखा खोली है।

संक्षिप्त समाचार

ब्राह्मण सभा ने किया नेताजी को याद

फरीदाबाद। अखिल भारतीय ब्राह्मण सभा ने सेक्टर-12 फरीदाबाद स्थित कार्यालय पर आजाद हिन्द फौज के संस्थापक भारत माता के वीर सपूत श्रद्धेय नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की जयंती पर श्रद्धा सुमन अर्पित व शत-शत नमन किया। सुरेन्द्र शर्मा बबली राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा नेता जी महान शख्सियत के धनी थे उन्होंने भारत को आजाद कराने में अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। विदेश जाकर आजाद हिन्द फौज की स्थापना की हिटलर भी नेता जी से बहुत प्रभावित हुआ और दस्ताने उतारकर हाथ मिलाया। आज हम उन्हीं की मेहरबानी से खुली हवा में सांस ले रहे हैं। हमें इन महानुभावों की जयंती पुण्यतिथि अवश्य मनानी चाहिए। इस अवसर पर हरीश पाराशर एडवोकेट, कृष्ण पाराशर एडवोकेट, कर्ण पाराशर इंजिनियर, चन्द्रशेखर शर्मा, जितेन्द्र, योगेश, दीपक, चिंटू, रामानुज, टिंकू, अशोक सहित अन्य उपस्थित रहे।

नेताजी की 125 वीं जयंती पर लगाया रक्तदान शिविर

फरीदाबाद। नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की 125वीं जयंती पर तिगांव रोड स्थित शिरडी साई बाबा टैंपल सोसायटी, अग्रवाल वैश्य समाज फरीदाबाद एवं रोटरी क्लब मिडटाउन के सौजन्य से साईधाम सेक्टर 86, फरीदाबाद में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 32 यूनिट रक्त एकत्र किया गया। शिविर के संयोजक केदारनाथ अग्रवाल व प्रिंसिपल बीनू शर्मा ने मुख्य अतिथि के रूप में पधारे मुख्यमंत्री के मिडिया एडवाइजर मुकेश वशिष्ठ, जिला बाल कल्याण अधिकारी कमलेश शास्त्री व रोटेरियन डा. ललित हासिजा का अंगवस्त्र पहनाकर स्वागत किया व सभी रक्तदाताें का आभार प्रकट किया। शिविर की सफलता के लिए संयोजक केदारनाथ अग्रवाल ने प्रिंसिपल बीनू शर्मा, के ए पिल्लै, हरिओम अग्रवाल, नरेन्द्र जैन, अश्विनी सिंघल, मनोहर पुनयानी, सतपाल छाबड़ा, अतुल सिंगला, मनोज अग्रवाल, प्रदीप सिंघला, डा. पुनीता हासिजा, रोहित रुंगटा इत्यादि लोगों का तथा मेडिकल स्टाफ का आभार प्रकट किया व शिरडी साई बाबा टैंपल सोसायटी के संस्थापक डा. मोतीलाल गुप्ता का उनके मार्ग दर्शन के लिए धन्यवाद किया।

गणतंत्र दिवस समारोह का आज होगा अंतिम पूर्वाभ्यास

फरीदाबाद। उपायुक्त जितेंद्र यादव गणतंत्र दिवस के जिला स्तरीय समारोह में सोमवार 24 जनवरी को अंतिम पूर्वाभ्यास में राष्ट्रीय ध्वजारोहण करेंगे तथा परेड की सलामी लेंगे। अंतिम पूर्वाभ्यास में 26 जनवरी को आयोजित होने वाले सभी कार्यक्रम क्रमवार होंगे। विभिन्न विभागों द्वारा 26 जनवरी को ही झांकियां निकाली जायेगी। कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर रविवार को भी रिहर्सल जारी रही। गौरतलब है कि 26 जनवरी को कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रदेश के खेल राज्य मंत्री संदीप सिंह होंगे। अतिरिक्त उपायुक्त सतबीर सिंह मान ने बताया कि 26 जनवरी गणतंत्र दिवस के जिला स्तरीय समारोह का अंतिम पूर्वाभ्यास 24 जनवरी को सुबह 9:58 मिनट से स्थानीय हैलीपैड ग्राउंड परिसर सेक्टर-12 में किया जायेगा। उपायुक्त जितेंद्र यादव अंतिम पूर्वाभ्यास में राष्ट्रीय ध्वजारोहण करेंगे। राष्ट्रीय ध्वजारोहण के बाद उपायुक्त जितेंद्र यादव खुली जीप में सवार होकर परेड का निरीक्षण करेंगे। उन्होंने बताया कि इसके उपरांत परेड में शामिल सभी टुकड़ियां भव्य मार्च पास्ट में शामिल होंगी तथा मुख्य मंच के सामने से गुजरते हुए सलामी देंगी। उपायुक्त इन टुकड़ियों की सलामी लेंगे। परेड में 8 टुकड़ियां शामिल होंगी।

सैकड़ों महिलाओं ने थामा आप का दामन

फरीदाबाद। नेताजी सुभाष चंद्र बोस जयंती के अवसर पर वार्ड नंबर 15 परमजीत कौर के नेतृत्व में सैकड़ों महिलाओं ने आम आदमी पार्टी का दामन थामा। इस मौके पर आम आदमी पार्टी के जिलाध्यक्ष धरमबीर भड़ाना के नेतृत्व में सभी महिलाओं को टोपी पहनाकर पार्टी की सदस्यता दिलाई गई। इससे पूर्व सभी ने नेताजी सुभाष चन्द्र बोस को नमन किया। इस मौके पर उपस्थित महिलाओं को संबोधित करते हुए धर्मवीर भड़ाना ने कहा कि हरियाणा में आम आदमी पार्टी का जनाधार लगातार बढ़ता जा रहा है। आम आदमी अपने आप को पार्टी में सुरक्षित महसूस कर रहा है। भड़ाना ने कहा कि आम आदमी पार्टी नगर निगम, पंचायत एवं सभी निकायों के चुनाव अपने दम पर लड़ेगी। लोग बदलाव की ओर देख रहे हैं। इस मौके पर मनीष भाटिया बड़खल विधानसभा अध्यक्ष, विनोद भाटी संगठन मंत्री, ओपी वर्मा वरिष्ठ आप नेता, मंजू गुप्ता महिला जोन अध्यक्ष बृजेश नागर, विनय यादव, अभिषेक गोस्वामी, चीकू सिंह, शुभांकित गुप्ता, हैप्पी सिंह आदि मौजूद रहे।

वैक्सीन लगाकर सुरक्षा कवच दे रही है सरकार : शर्मा

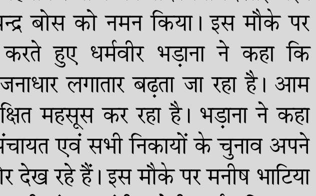

बल्लभगढ़। देश और दुनिया से कोरोना से महामारी को खत्म करने के लिए लगातार सरकारी अस्पतालों व संस्थाओं द्वारा कोविड वैक्सीन लगाए जाने का कार्य तेजी से चल रहा है। इस कड़ी में रविवार को बल्लभगढ़ मोहना रोड स्थित गुप्ता क्लीनिक में हरियाणा के परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा ने वैक्सीनेशन कैंप की शुरुआत की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सभी लोग समय से कोरोना से बचाव के लिए समय पर टीका लगवाएं। उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देश की जनता के लिए मुफ्त में यह वैक्सीन उपलब्ध कराई गई है। यह वैक्सीन अब 15 से 18 वर्ष की आयु के बच्चों को भी लगाई जा रही है। परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा ने बताया कि बल्लभगढ़ विधानसभा में भी अलग-अलग स्थानों पर कोरोना वेक्सिनेशन के लगातार कैंप लगाए जा रहे हैं। इस अवसर पर बल्लभगढ़ के एसएमओ डॉ टीसी डिडवाल, डॉ दिनेश गुप्ता, डॉ नवनीत गर्ग ,डॉ वीरेंद्र प्रसाद सिंह, डॉ अनिल नागे, डॉ नरेश जिंदल, डॉ प्रताप ,डॉ अश्विनी , पारस जैन, ब्रीजलाल शर्मा भी मौजूद रहे।

सीनियर सिटीजन क्लब ने मनाई सुभाष चंद्र बोस की जयंती

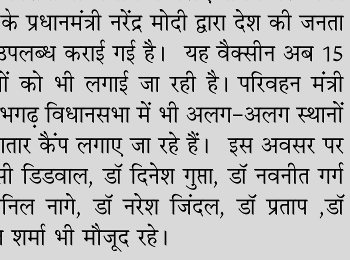

फरीदाबाद। नेताजी की जयंती को पराक्रम दिवस के रूप में मनाते हुए सेक्टर-21ए के सीनियर सिटीजन क्लब में सुभाष चंद्र बोसजी की जयंती पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वार्ड-19 में वार्ड प्रमुख शालिनी मंगला की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में आजाद हिन्द फौज के संस्थापक सुभाष चंद्र बोस को श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया। जिसमें सेक्टर-21ए आरडब्ल्यूए ईस्ट के प्रधान अशोक नेहरा और उनकी टीम सहित कई सेक्टर के लोग मौजूद रहे। इस अवसर पर मौजूद लोगों ने नेताजी की जयंती को पराक्रम दिवस के रूप में मनाते हुए स्वतंत्रता दिवस के वीरों का इतिहास और उनकी शौर्य गाथाओं की जानकारी साझा की। इस मौके पर कार्यक्रमों के दौरान तिरंगे को नमन कर राष्ट्र गीत और राष्ट्र गान भी गाया गया और आजाद हिंद फौज के तराने, सुभाष जी..सुभाष जी, कदम कदम बढ़ाए जा गीत और सुभाष चन्द्र बोस पर बनी रागनियों को सुनकर लोग नेताजी को याद कर भावुक हो उठे।

शिक्षा का माध्यम

बहुभाषायी दृष्टिकोण

अंग्रेजी या मातृभाषा में पढ़ने के सवाल पर बहुभाषाई दृष्टिकोण सही है। तेलंगाना सरकार ने अगले अकादमिक वर्ष से सरकारी स्कूलों में अंग्रेजी माध्यम से शिक्षा देने का फैसला किया है, जबकि राज्य की भाषा तेलगू अन्य शिक्षा माध्यम के रूप में बनी रहेगी। इस परिवर्तन के लिए पहले से तैयार तर्क यह है कि तेलंगाना के सरकारी स्कूलों में ज्यादा से ज्यादा बच्चों के मां बाप को लगता है कि कालेज के स्तर पर पहुंचने के समय वे अंग्रेजी माध्यम छात्रों के बराबर नहीं पहुंच पाते हैं। दूसरा, निजी स्कूल अब तक शहरी केन्द्रों में अंग्रेजी माध्यम वाली शिक्षा के साथ सीमित थे, पर अब वे ग्रामीण तेलंगाना में भी फल-फूल रहे हैं और अंग्रेजी माध्यम से शिक्षा दे रहे हैं। इसके कारण तेलगू माध्यम स्कूलों में लगभग भगदड़ वाला माहौल है जिनमें से अनेक बंद हो गए हैं या उनका बड़े स्कूलों के साथ विलय किया गया है या छात्रों की कमी के कारण दूसरे स्थानों पर ले जाया गया है। हालांकि, सरकार पहले से ही राज्य भर में कुछ आवासीय स्कूल अंग्रेजी माध्यम से चला रही थी, लेकिन उस समय यह मुद्दा सामने नहीं आया था। सरकार के सामने अंग्रेजी माध्यम से पढ़ाने वाले शिक्षकों की कमी है। वे बहुत कम हैं। अधिकांश शिक्षक तेलगू में सिद्धहस्त हैं। सरकार को इन शिक्षकों को पुनः प्रशिक्षित करना होगा जो एक कठिन काम है क्योंकि अंग्रेजी में बीएड पाठ्यक्रमों के लिए नया दृष्टिकोण अपनाना होगा। लेकिन मोटेतौर से तेलंगाना के सरकारी स्कूलों में अंग्रेजी माध्यम के प्रवेश पर ज्यादा लोग नाराज नहीं हैं क्योंकि 'अमेरिका जाना' लोकप्रिय धारणा है और तेलगू माध्यम के छात्र निजी अंग्रेजी माध्यम वाले पाठ्यक्रमों के प्रवेश हेतु बड़ी धनराशि खर्च कर रहे हैं।

लेकिन यह मुद्दा एक परेशान करने वाले तथ्य की ओर ध्यान आकर्षित करता है। स्वतंत्रता के 75 साल बाद भी हम इसी समस्या में फंसे हैं कि हमारे स्कूलों में शिक्षा का माध्यम क्या होना चाहिए। हम अभी बहस कर रहे हैं कि बच्चों को अंग्रेजी माध्यम से पढ़ाया जाय या मातृभाषा के माध्यम से। हमें अभी यह विश्वास भी नहीं है कि मातृभाषा में अनेक बोलियां भी हैं। उदाहरणार्थ बहुत से लोग भोजपुरी बोलते हैं, पर इसे हिंदी की एक बोली माना जाता है। पिछले साल ही बिहार के एक मंत्री ने 'क्षेत्र की मातृभाषा' को शिक्षा का माध्यम बनाने का विचार सामने रखा था। इससे स्पष्ट होता है कि भारत में इस विषय पर कभी व्यापक बहस नहीं हुई। संज्ञानात्मक शिक्षा पर जोर देने वाले भाषाविज्ञानियों के अनुसार छात्र मातृभाषा या जिस भाषा के परिवेश में वे बड़े होते हैं वहां से नए कौशल सीखते हैं। सामाजिक सशक्तीकरण तथा महत्वाकांक्षी अधिकार-आधारित तर्क अंग्रेजी के पक्ष में हैं क्योंकि यह भाषा दुनिया भर में कारगर है। इस प्रकार शिक्षा का माध्यम दुनिया के सबसे बड़े बहुभाषीय देश भारत में एक वैचारिक व विशिष्टतावाद के बोझ के साथ सामने आता है। माता-पिता द्वारा अपने बच्चों को अंग्रेजी माध्यम से शिक्षा दिलाने की इच्छा के उलट केन्द्र की राष्ट्रीय शिक्षा नीति-एनईपी में मोटेतौर से मातृभाषा को प्राथमिकता दी गई है। समस्या का समाधान द्विभाषी या बेहतर तरीके से बहुभाषी दृष्टिकोण में है। ऐसे देश में जहां अधिकांश बच्चे दो या तीन भाषाओं के परिवेश में रहते हैं, बहुभाषीय शिक्षण विधियां भाषाई व सांस्कृतिक विविधताओं को देखते हुए समान आधार प्रदान करती हैं। इससे माता-पिता तथा एनईपी, दोनों की इच्छा पूरी होगी।

ग्वांतानामो में मानवाधिकार हनन

अब समय आ गया है कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन ग्वांतानामो बे जेल को बंद कर दें, जो निरंतर मानवाधिकारों के उल्लंघन के लिए बदनाम है।

माखन सैकिया
(लेखक अंतरराष्ट्रीय मामलों के विशेषज्ञ हैं)

कुख्यात ग्वांतानामो बे सैन्य जेल ने 11 जनवरी, 2022 को अपने संचालन के दो दशक पूरे किए। कई लोग कहते हैं कि यह गुप्त जेल वास्तव में अमेरिकी न्याय प्रणाली की नैतिक विफलता है। इसके अलावा, ग्वांतानामो में पिछले बीस वर्षों में एक भयावह कानूनी चूक रही है जो विश्वसनीय समाधानों की तुलना में घर में अधिक समस्याएं और अपमान ला रही है। यह तेजी से यातना का प्रतीक बनता जा रहा है। क्यूबा की सैन्य जेल में अब केवल 39 कैदी रह गए हैं। अपने चरम समय के दौरान, इसमें लगभग 800 कैदी थे। दरअसल, कुछ मीडिया रिपोर्ट्स का कहना है कि यह सीआईए द्वारा स्वीकृत टॉर्चर सेल को चुपके से अंजाम दिए जाने का लक्षण है। आज एक और महत्वपूर्ण सवाल बिडेन प्रशासन पर मंडरा रहा है : क्या यह 1,500 कमांडो की सबसे परिष्कृत रिंग में से एक के साथ 39 कैदियों की रखवाली करने लायक है? यह महसूस किया गया है कि कोविड-19 जैसी वैश्विक महामारी के समय में करदाताओं के डॉलर को विवेकपूर्ण तरीके से खर्च किया जाना चाहिए।

ग्वांतानामो डिटेंशन कैंप, जिसे ग्वांतानामो बे, ग्वांतानामो या गिट्मो भी कहा जाता है, क्यूबा के दक्षिणपूर्वी हिस्से में है। भयानक जेल अमेरिका के ग्वांतानामो बे नेवल बेस में स्थित है। इसे देश पर 11 सितंबर को हुए आतंकी हमले के बाद साल 2002 में तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू बुश ने बनाया था। और जेल को विशेष रूप से उन कैदियों की मेजबानी के लिए डिज़ाइन किया गया था जो आतंक पर वैश्विक युद्ध के एक भाग के रूप में पकड़े गए थे। हालांकि जेल का इस्तेमाल पहली बार 2002 में किया गया था, अमेरिकी सरकार 1903 से वहां एक सैन्य नौसैनिक अड्डे का रखरखाव कर रही है। दिलचस्प बात यह है कि मूल जेल का नाम कैंप एक्स-रे था। दरअसल, 11 सितंबर को हुए आतंकी हमले के बाद महज 96 घंटे में जेल सुविधा को तत्काल इस्तेमाल के लिए तैयार कर लिया गया था. बुश प्रशासन द्वारा अफगानिस्तान में मुल्ला उमर के नेतृत्व वाली तालिबान सरकार को गद्दी से हटाने के कुछ ही समय बाद, यह सुविधा सबसे सुरक्षित जेल के रूप में अस्तित्व में आई। बंदियों के पहले जत्थे को अगले साल 11 जनवरी को जेल लाया गया और उन्हें शत्रु लड़ाकों के रूप में वर्गीकृत किया गया। ग्वांतानामो बे के अधिकांश कैदी उन देशों से थे जो या तो जीडब्ल्यूओटी का हिस्सा थे या जिन्होंने आतंकवादियों को शरण देने में मदद की थी। संक्षेप में, उनमें से अधिकांश पश्चिम एशिया के देशों के थे। ग्वांतानामो गाथा का सबसे बुरा हिस्सा यह था कि इन कैदियों को विदेशी धरती पर पकड़ लिया गया था, लेकिन उन पर किसी विशेष अपराध का आरोप नहीं लगाया गया था। इसके अलावा, उन्हें अनिश्चित काल के लिए इस एकांत जेल में बंद कर दिया गया और किसी भी कानूनी वकील तक पहुंच से वंचित कर दिया गया। यहां ध्यान देने योग्य एक और महत्वपूर्ण बात यह है कि तङ्ख्न्न्न एक आधिकारिक युद्ध नहीं है क्योंकि अमेरिकी कांग्रेस द्वारा युद्ध की कोई घोषणा नहीं की गई थी। 13 नवंबर, 2001 को, आतंकवादी हमले के बमुश्किल दो महीने बाद, राष्ट्रपति बुश ने एक सैन्य आदेश की घोषणा की, आधिकारिक तौर पर इन कार्रवाइयों की अनुमति दी : इसने सैन्य आयोग द्वारा अल-कायदा के किसी भी वर्तमान या पूर्व सदस्य और किसी भी व्यक्ति को हिरासत में लेने और परीक्षण को अधिकृत किया। अपने काम में सहायता या प्रोत्साहन देता है या अपने सदस्यों को आश्रय देता है। इस प्रकार, जीडब्लूओटी की कोई निर्धारित समाप्ति तिथि नहीं है, और इसने शक्तिशाली सशस्त्र बलों को ऑपरेशन को अंजाम देने के लिए अनिश्चितकालीन जनादेश दिया है, जब तक कि असली अपराधी पकड़े नहीं जाते। और जब 2011 में ओबामा प्रशासन के दौरान 9/11 के पीछे दिमाग वाले ओसामा बिन लादेन को अमेरिकी सेना ने मार गिराया, तो एक तरह से ऑपरेशन का सबसे बड़ा मील का पत्थर पहले ही हासिल कर लिया गया था। अब, अफगानिस्तान से अमेरिका की वापसी पिछले साल उसी तालिबान को शासन सौंपकर पूरी हुई, जिसके खिलाफ अमेरिका और अन्य उदार देशों ने लगभग दो दशकों तक लड़ाई लड़ी। अब, ग्वांतानामो बे को बनाए रखने का कोई मतलब नहीं है। दरअसल, पूरे रास्ते आतंक घर आ गया है। यह अब सर्वव्यापी है। अब, सबसे प्रासंगिक प्रश्न हैं- ग्वांतानामो को क्यों चुना गया और यह अभी भी खुला क्यों है? सबसे पहले, अमेरिकी रणनीतिक विशेषज्ञ और सुरक्षा एजेंट वैश्विक आतंकी संदिग्धों को जनता के दायरे से बाहर रखना चाहते थे और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि लगातार मीडिया की चकाचौंध। साथ ही, जब उन्हें अमेरिका की मुख्य भूमि से बहुत दूर रखा जाता है, तो ये बंदी देश की न्याय प्रणाली के तहत अधिकारों के संरक्षण की मांग और आनंद दोनों नहीं ले पाएंगे। यहां ध्यान देने वाली एक और महत्वपूर्ण बात यह है कि 117 वर्ग किलोमीटर के आधार में कैदियों को लंबे समय तक रखने के लिए पर्याप्त जगह और सुविधाएं थीं। कई मानवाधिकार अधिवक्ताओं का कहना है कि यह खाड़ी तकनीकी रूप से अमेरिकी क्षेत्र का हिस्सा नहीं है, बल्कि कानून के बाहर द्वीप है। दूसरा, यह अभी भी खुला है क्योंकि जेल को बंद करने के लिए कांग्रेस की कठिन बाधाएं हैं। वैश्विक विशेषज्ञ ग्वांतानामो बे में लगातार मानवाधिकारों के उल्लंघन की निंदा करते हैं। डिटेंशन सेंटर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वहां किए गए मानवाधिकारों के उल्लंघन के लिए जाना जाता है। सबसे दुखद बात यह है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय 2002 से लगातार अमेरिकी सरकार पर दबाव बनाकर या अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दायित्वों को लागू करके जेल को बंद करने के लिए अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने में विफल रहा है। अधिकारों के पैरोकारों का कहना है कि जेल में अमेरिकी कार्रवाइयाँ तीसरे जिनेवा कन्वेंशन, नागरिक और राजनीतिक अधिकारों के लिए अंतर्राष्ट्रीय वाचा , कन्वेंशन अगेंस्ट टॉर्चर और प्रथागत अंतर्राष्ट्रीय कानून के तहत अपने दायित्वों का उल्लंघन करती हैं। यह व्यापक रूप से माना जाता है कि ग्वांतानामो बे में उल्लंघन में अवैध और अनिश्चितकालीन हिरासत, अमानवीय स्थिति, यातना, अनुचित परीक्षण (सैन्य आयोग) आदि शामिल हैं। आज यह जेल अमेरिकी अन्याय और यातना का प्रतीक बन गई है। संक्षेप में, ग्वांतानामो को बंदियों को यातना देने के लिए ही तैयार किया गया था, जिनमें ज्यादातर अल-कायदा और तालिबान से संबंधित थे। आज, यह द्वीप जेल इस बात की गवाही देता है कि कई लोग 21वीं सदी का पहला युद्ध कहते हैं। यह युद्ध एक अलग तरह के दुश्मन के खिलाफ एक अलग तरह का युद्ध था। जीडब्लूओटी इस तथ्य पर प्रकाश डालता है कि दुश्मन एक राष्ट्र नहीं है, बल्कि दुश्मन एक विशाल वैश्विक आतंकी नेटवर्क है जो सभी शांतिपूर्ण लोगों के जीवन के लिए खतरा है। सच कहूं तो अब यह स्पष्ट हो गया है कि जेल परिसर के अंदर बंदियों के अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकारों का घोर उल्लंघन हुआ है और होता भी है। चूंकि जेल को पूरी तरह से वैश्विक मीडिया की चकाचौंध से बाहर रखा गया है, इसलिए अंदर हुई कुछ दुखद घटनाओं को बाहरी दुनिया के ध्यान में लाया गया। ग्वांतानामो बे जेल का रखरखाव अमेरिकी लोकतंत्र और उदारवादी लोकाचार का अपमान है जिसका प्रचार वाशिंगटन दशकों से करता आ रहा है। राष्ट्रपति बाइडेन आखिरकार पिछले बीस वर्षों से ग्वांतानामो में मौजूद अतिरिक्त न्यायिक और घृणित व्यवस्था को समाप्त कर सकते हैं। क्या इस बात की कोई उम्मीद है कि बाइडेन जेल को बंद कर पाएंगे? वर्तमान में, डेमोक्रेट्स के पास कांग्रेस में बहुत कम बहुमत है। और गिट्मो को समाप्त करने का यह एकमात्र सुनहरा मौका है, जो ओबामा अपने लंबे वादों के बावजूद बुरी तरह विफल रहे। यदि बिडेन इस मुद्दे पर कुछ करना चाहते हैं, तो पहले उन्हें जेल को बंद करने पर लंबे समय से लगे प्रतिबंधों को निरस्त करना होगा क्योंकि अमेरिकी कांग्रेस हर साल दो कानून लाती है, अर्थात् एक वार्षिक रक्षा प्राधिकरण बिल और एक सरकारी खर्च बिल। ये कानूनी अड़चनें हैं जिन्हें इस समय बाइडेन को दूर करने की जरूरत है। रिकॉर्ड पर, बिडेन ने ग्वांतानामो को बंद करने का भी वादा किया है। लेकिन विडंबना यह है कि ओबामा को रोकने वाली कांग्रेस की बाधाएं अब भी विद्यमान हैं।

अधिकारों से वंचित अफ़गान महिलाएं

हिरण्यमय कार्लेकर
(लेखक दि पायनियर के सलाहकार संपादक हैं)

दिनांक 20 जनवरी, 2022 को अखबारों में प्रकाशित दो खबरें ध्यान आकर्षित करती हैं। पहला, एक प्रमुख दैनिक के दिल्ली संस्करण में एएफ्पी के हवाले से बताया गया है कि कार्यकारी अफ्गान प्रधानमंत्री मुहम्मद हसन अखुंद ने 19 जनवरी को मुस्लिम देशों से अपील की थी कि 'वे हमें आधिकारिक रूप से मान्यता देने में नेतृत्व करें।' वे अफ्गानिस्तान की व्यापक आर्थिक समस्याओं से निपटने के लिए आयोजित एक सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। दूसरी खबर का संबंध द पायनियर के दिल्ली संस्करण में पीटीआई की खबर से है। इसके अनुसार चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता शियाओ लिजान ने 18 जनवरी को मीडिया को संबोधित करते हुए आशा प्रकट की थी कि अफ्गान पक्ष अंतरराष्ट्रीय समुदाय की उम्मीदें पूरी करने हुए आगे बढ़ेगा। उन्होंने उम्मीद जताई थी कि वह 'एक खुला व समावेशी राजनीतिक ढांचा स्थापित करेगा, मध्यमार्गी व व्यावहारिक घरेलू एवं विदेश नीतियां लागू करेगा, सभी प्रकार के आंतकी बलों के खिलाफकठोर कार्रवाई करेगा तथा अन्य देशों, खासकर अपने पड़ोसियों के साथ मित्रतापूर्ण संबंध स्थापित करेगा और जल्द ही अंतरराष्ट्रीय परिवार के साथ जुड़ जाएगा।' यह बयान तालिबान द्वारा वैश्विक राजनयिक पहचान प्राप्त करने में चीन की सहायता मांगने के बाद आया था। स्पष्ट रूप से इसमें संकेत किया गया है कि सरकार को 'समावेशी' बनाने के बारे में दुनिया क्या सोचती है। इनमें महिलाओं के प्रति नीतियां भी शामिल हैं जो लगातार उत्पीड़न और दमन का शिकार बन रही हैं जिससे तालिबान के 1996 से 2001 में सत्ता की याद आ जाती है। ऐसा तालिबान के इस आश्वासन के बावजूद हो रहा है कि महिलाओं को शरीया कानून के अंतर्गत उपलब्ध शिक्षा और काम के अधिकार प्राप्त होंगे।

वास्तव में संयुक्त राष्ट्रसंघ तथा उसकी संस्थाओं ने अनेक अवसरों पर तालिबान से अपने द्वारा किए वादे पूरे करने को कहा है तथा उसकी कार्रवाइयों की आलोचना की है। संरा. महासचिव अंटोनियो गुटरेस ने पिछले साल 7 अक्टूबर को रिपोर्टरों को बताया था, 'मुझे खासकर इसलिए चिन्ता है कि तालिबान द्वारा अफ्गान महिलाओं और लड़कियों से किए वादे तोड़े जा रहे हैं।' उन्होंने यह भी कहा था कि 'मैं तालिबान से अपील करता हूं कि वे महिलाओं और लड़कियों से किए अपने वादे पूरे करते हुए अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकारों और मानवतावादी कानूनों के अंतर्गत दायित्व निभाएं।' संरा. व्यवस्था में मानवाधिकारों को प्रोत्साहित करने व

उनकी सुरक्षा के लिए जिम्मेदार अंतर-सरकारी संस्था मानवाधिकार परिषद में बोलते हुए मानवाधिकारों के संयुक्त राष्ट्र उच्चायुक्त माइकेल बेचलेट ने 13 सितंबर, 2021 को कहा था, 'मेरे कार्यालय को अनेक विश्वसीनय आरोप प्राप्त हुए हैं कि पूर्व अफ्गान नेशनल सिक्यूरिटी फोर्सेज़-एएनएसएफकर्मियों ने दंड स्वरूप हत्यायें की हैं। इसके साथ ही पूर्व प्रशासनों में काम कर चुके अधिकारियों से खबरें मिली हैं कि उनके परिवारी सदस्यों को मनमाने ढंग से हिरासत में लिया गया है। कुछ मामलों में अधिकारियों को रिहा किया गया, जबकि दूसरों में उनको मरा पाया गया।' बैचलेट ने यह भी कहा कि कुछ एडवोकेसी समूहों के कार्यालयों पर तालिबानी हमले की 'अत्यधिक चिन्ताजनक सूचनायें' प्राप्त हुई हैं। इन मामलों में संरा. संस्थाओं ने कार्रवाई भी की। 17 सितंबर को सुरक्षा परिषद ने सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव स्वीकार कर कहा कि तालिबान को एक समावेशी सरकार बनानी चाहिए तथा उसे 'महिलाओं की पूर्ण, समतापूर्ण व सार्थक सहभागिता' सुनिश्चित करते हुए मानवाधिकारों का पालन करना चाहिए। मानवाधिकार परिषद ने 7 अक्टूबर को एक प्रस्ताव स्वीकार कर मार्च, 2022 से संरा. विशेषज्ञों द्वारा समर्थित एक विशेष रेपोंट्योर नियुक्त करने की घोषणा की जो अफ्गानिस्तान में जमीनी स्तर पर मानवाधिकार की स्थिति की निगरानी करेगा।

इस बात के कुछ संकेत हैं कि तालिबान समुचित प्रतिक्रिया कर रहे हैं। उच्च शिक्षा मंत्री अब्दुल बाकी हक्कानी ने 12 जनवरी को काबुल में आयोजित एक प्रेस कान्फ्रेंस में कहा कि सरकार जल्द ही पुरुष व महिला छात्रों के लिए सार्वजनिक विश्वविद्यालय जल्द खोलेगी। उन्होंने यह घोषणा भी की कि इन छात्रों को अलग-अलग रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि अफ्गानिस्तान के आर्थिक संकट तथा पुरुष व महिला छात्रों के लिए अलग-अलग कक्षायें न होने के कारण इसमें विलंब हुआ है। इसके पहले 3 दिसंबर को कार्यकारी प्रधानमंत्री के नाम से जारी आदेश में तालिबान ने कहा था कि 'महिलायें संपत्ति नहीं हैं, बल्कि वे आदर्श व स्वतंत्र मनुष्य हैं तथा कोई उनको शांति के बदले या दुश्मनी समाप्त करने के लिए किसी और को नहीं सौंप सकता है।'

इस आदेश में कहा गया था कि महिलायें और पुरुष 'समान होने चाहिए' तथा 'किसी को दबाव में महिलाओं को विवाह के लिए मजबूर नहीं करना चाहिए।' इस आदेश में अपने पति की मृत्यु के 17 सप्ताह बाद विधवा को पुनर्विवाह की अनुमति दी गई है, जबकि लंबे समय से अफ्गान कबीलाई परंपराओं के अनुसार उसे पति की मृत्यु के बाद उसके भाइयों या रिश्तेदारों में से एक से विवाह करना पड़ता है। तालिबान नेतृत्व ने बार-बार अफ्गान अदालतों से कहा है कि वे महिलाओं के प्रति न्यायोचित व्यवहार करें तथा खासकर विधवाओं द्वारा विरासत पाने के मामलों में सक्रियता दिखायें। इस घोषणा के अनुसार तालिबानों ने अपने मंत्रियों को जनसंख्या में महिला अधिकारों के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए भी कहा है। लेकिन यह तथ्य भी महत्वपूर्ण है कि पहली घोषणा में कोई निश्चित तिथि नहीं बताई गई है कि सार्वजनिक विश्वविद्यालय कब खुल जांएगे। इसमें महिलाओं के काम के अधिकार का भी उल्लेख नहीं है। कुरान पाक के तीसरे सूरा-आयत 193 व 194 में किसी पुरुष या महिला के श्रम को बरबाद न करने को कहा गया है। चौथे सूरा-आयत 36 व 37 में कहा गया है 'पुरुष व महिला को उसकी मेहनत का एक हिस्सा दो।' लेकिन दूसरी घोषणा में महिलाओं की शिक्षा और काम के अधिकारों के बारे में कुछ नहीं कहा गया है, जबकि अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए ये मुद्दे महत्वपूर्ण हैं।

विवाह संबंधी अधिकारों के बारे में सारे आदेश पैगंबर मुहम्मद के समय से स्पष्ट हैं। लेकिन घोषणाओं में इनका कोई उल्लेख नहीं है और इनका अंतरराष्ट्रीय समुदाय पर कोई असर पड़ने वाला नहीं है। इसे देखते हुए ऐसा नहीं लगता कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय जल्द ही तालिबान सरकार को मान्यता देगा या उसकी उदारतापूर्ण सहायता के लिए खजाना खोलेगा।

आप की बात

स्वार्थी हैं अमीर देश

विश्व के अमीर देश बड़ा मतलबी एवं पक्षपाती हैं। निष्पक्षता इनमे लेस मात्र भी नहीं है। अब देखिये न, पिछले सोमबार को, यूऐई के राजधानी अबू धाबी पर हवाई हमलों की, बढ़चढ़कर निंदा की जा रही है, जिसमें तीन लोग मारे गए थे। हमला यमन स्थित हुथी विरोधियों ने की थी। उसके बाद सऊदी अरब ने यमन में बदला लेते हुए हवाई हमला किये, जिनसे 70 लोग मारे गए। 150 घायल हैं। मगर पूरी दुनिया को यह ज्यादिति नहीं दिख रहा है। इसमें किसी प्रकार का, मानवाधिकार का हनन भी नहीं दिख रहा है। मानेगा भी कैसे सन 2015 से अबतक सऊदी एवं उसके मित्र देशो ने मिलकर, यमन पर 20,100 से अधिक हवाई हमले किए हैं, एक दिन में औसतन 12 हमले। अगर एक हमले में औसतन पांच लोगों की मृत्यु भी हुई होगी तो कुल 1 लाख 500 सौ के करीब लोग मारे गए होंगे। क्या यह यूऐई एवं सऊदी अरब का यमनी लोगों का कत्लेआम नहीं है? क्या यह नरसंहार नहीं है? अगर इन नरसंहारों के बदला लेने की कोशिश होती है तो दुनिया आग बबूला क्यों हो जाती है? आखिर इस ऐसे अन्यायपूर्ण विश्वव्यवस्था कब तक चलता रहेगा?

– **जंग बहादुर सिंह**, जमशेदपुर

सुधार की जरूरत

वोट व सत्ता की चाह में सियासत करने वाले दलबल चाहे मुफ्त की घोषणाएं करने वाले हो, सियासत के मैदानों में दागी बागी (अवसर वादियों) का मसला हो, यह शाश्वत जड़ की तरह रहने वाले हैं। भले ही प्रबुद्ध जन इन पर अपनी चिंता करें, मगर इन मुद्दों पर अंकुश लगना मुश्किल है। भले ही धर्मराज युधिष्ठिर ने यक्ष के नामुमकिन सवालों का जवाब दिया हो। लेकिन इन मुद्दों पर जनता को कोई बेहतर समाधान देने वाला नहीं है। आज की सियासत में धर्मराज युधिष्ठिर जैसा कोई (दलबल) नहीं है, जो प्रदूषित होती राजनीति को साफ स्वच्छ करें। जिस तरह से जम्मू कश्मीर में धारा 370 को हटाकर दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति दिखाई गई थी, उसी प्रकार केंद्र की मोदी सरकार से अपेक्षा है कि वे अपने बाकी बचे समय में इन पर सख्त से सख्त कानून बनाकर रोक लगाए। जब तक संसद में कानून नहीं बनता, तब तक न्यायपालिका व चुनाव आयोग केवल आशा, अपेक्षा व चिंता कर सकता है । लेकिन उनके लिए भी कानून के बगैर एक कदम भी बढ़ना असंभव है । मोदी है तो मुमकिन है, इस बह्म वाक्य को सार्थक करने का समय मोदी सरकार के पास है। इन मुद्दों पर भी कानून बना कर कसौटी पर खरा हर हाल में उतरना ही चाहिए।

– **हेमा हरि उपाध्याय**, अक्षय खाचरोद, उज्जैन

आग पर नियंत्रण

महोदय, साउथ मुंबई की कमला बिल्डिंग में लगी भीषण आग में मरने वालों की संख?या 7 हो गई है। अधिकारियों के अनुसार, ताड़देव में स्थित 20 मंजिला इमारत के 18वें माले पर लेवल 3 की आग लगी थी। इमारत में रहने वालों ने कहा कि आग लगते ही पूरी बिल्डिंग धुएं से भर गई। बिल्डिंग में अग्निशमन की व्यवस्था है लेकिन वो किसी कारण से चालू नहीं हुई जिससे ये हादसा हुआ। बड़े शहरों में कई मंजिला ऊंची इमारतों के निर्माण की इजाजत टी-शर्ट के साथ दी जाती है कि अग्निशमन की पर्याप्त व्यवस्था होगी मगर यहां तो आग लगने पर मालूम होते व्यवस्था सिर्फ दिखावे की थी इन लोगों की जान का जिम्मेदार कौन मुंबई महानगरपालिका ने अग्निशमन व्यवस्था की जांच के लिए पूरा एक हमला बना रखा है इसके बावजूद दीदी किसी बड़ी दुर्घटना होती है तो जाहीर हे इसके लिए नियुक्त अधिकारी कर्मचारी इमानदारी से अपना काम नहीं कर रहे हैं! अतः इन्हें दंडित किया जाए और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति ना हो इसके लिए सतत जांच की व्यवस्था की जाए!

– **सुभाष बुड़ावनवाला**, रतलाम

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से responsemail.hindipioneer@gmail.com पर भी भेज सकते हैं।

फरमाया

मुंबई की एक ऊंची इमारत में आग लगने की दुखद खबर विचलित करने वाली है। जिन लोगों ने अपनी जान गंवाई है, उनके परिवार के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं।

– **राहुल गांधी**
कांग्रेस नेता

आप सभी के प्रयास से आज आकांक्षी जिले देश की प्रगति में आने वाली बाधाओं को दूर कर रहे हैं। वे बाधाओं के बजाय विकास के त्वरक बन रहे हैं

– **नरेंद्र मोदी**
प्रधानमंत्री

इस महामारी के लगभग दो वर्षों के शारीरिक, भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक प्रभाव के बाद, हम में से कई लोगों के लिए, यह सहन करने के लिए बहुत अधिक है।

– **जो बाइडेन**
अमेरिकी राष्ट्रपति

पहले चरण में खाता खोलना भी कांग्रेस के लिए चुनौती

विवेक श्रीवास्तव । लखनऊ

प्रदेश में तीन दशक से अधिक समय से सत्ता से दूर चल रही देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस के लिए विधानसभा चुनाव में चुनौती तो पहले चरण से ही प्रारंभ हो जाएगी। विधानसभा चुनाव की शुरूआत पश्चिम उत्तर प्रदेश के 11 जिलों की जिन 58 विधानसभा सीटों से हो रही है उनमें पिछले चुनाव में तो कांग्रेस का खाता तक नहीं खुल पाया था। इस बार भी जो राजनैतिक परिदृश्य है उसमें कांग्रेस के लिए पश्चिम उत्तर प्रदेश की राह आसान नहीं दिख रही है है।

पहले चरण में प्रदेश के 11 जिलों शामली, मेरठ, मुजफ्फरनगर, बागपत, हापुड़, गौतमबुद्धनगर, गाजियाबाद, बुलंदशहर, मथुरा, आगरा और अलीगढ़ की कुल 58 सीटें शामिल हैं। पिछले चुनाव में इनमें से छह जिलों में बीजेपी ने क्लीन स्वीप किया था और कांग्रेस खाता भी नहीं खोल सकी थी। पहले चरण की 58 सीटों में से बीजेपी ने 53 सीटें जीती जबकि सपा और बसपा के खाते में दो-दो सीटें आईं थी। एक सीट आरएलडी प्रत्याशी जीता था जो बाद में बीजेपी में शामिल हो गया था। इस तरह से पहले चरण की 58 सीटों में से बीजेपी के पास 54 सीटें है।

पहले चरण के शामली जिले की तीन सीटें हैं जिनमें दो बीजेपी और एक सपा के पास है। मेरठ की 7 में से छह बीजेपी और एक सपा के पास है। बागपत जिले की तीन में से दो सीटें बीजेपी ने जीती और एक आरएलडी को मिली थी जो बाद में बीजेपी में शामिल हो गए थे। बुलंदशहर की सभी सातों सीटों पर बीजेपी का कब्जा है। नोएडा की तीनों सीटें बीजेपी के पास हैं। गाजियाबाद की सभी 5 सीटें बीजेपी ने जीती थी। अलीगढ़ की सभी सातों बीजेपी ने जीती थी। हापुड़ की 3 सीटों में से 2 बीजेपी और एक बसपा ने जीती थीए लेकिन बसपा विधायक सपा में शामिल हो गए हैं। मुजफ्फगर की सभी छह सीटें बीजेपी के पास हैं। मथुरा की पांच में चार बीजेपी और एक बसपा ने जीती थीं। आगरा की सभी नौ सीटों पर बीजेपी का कब्जा है।

2017 के विधानसभा चुनाव में पहले चरण की पांच सीटों पर कांग्रेस के प्रत्याशियों ने अच्छी फाइट की और दूसरे स्थान पर रहे थे। इन सीटों पर भी भाजपा ने उन्हें शिकस्त दी थी। इनमें शामली सीट पर कांग्रेस के पंकज कुमार मलिक को भाजपा के तेजेंद्र निरवाल ने 29720 मतों के अंतर से परास्त किया था। पुरकाजी सुरक्षित सीट पर कांग्रेस के दीपक कुमार को भाजपा के प्रमोद उत्वल ने 11253 वोटों से पटखनी दी थी। साहिबाबाद सीट पर कांग्रेस के अमरपाल को भाजपा के सुनील कुमार शर्मा ने 150685 वोटों से चुनाव हराया था। हापुड़ सुरक्षित सीट पर कांग्रेस के गजराज सिंह को भाजपा के विजय पाल ने 15006 मतों से शिकस्त दी थी। मथुरा सीट पर कांग्रेस के प्रदीप माथुर को भाजपा के श्रीकांत शर्मा ने 1 लाख 1161 मतों के भारी अंतर से शिकस्त दी थी।

बात इस चुनाव की करें तो कांग्रेस के दिग्गज नेता हरेंद्र मलिक और उनके बेटे पंकज मलिक समाजवादी पार्टी में शामिल हो चुके हैं। हरेंद्र मलिक की किसान नेता के तौर पर पकड़ रही है और वह पूर्व सांसद भी हैं। साथ ही उनके बेटे पंकज मलिक पूर्व कांग्रेसी विधायक हैं। पंकज शामिल से विधायक रहे हैं। हरेंद्र मलिक प्रियंका गांधी के सलाहकार थेए जबकि पूर्व विधायक पंकज मलिक प्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्ष थे। इन दोनों के पार्टी छोड़ देने से कांग्रेस काफी कमजोर हुई है। इस बार कांग्रेस ने शामली से मोहम्मद अयूब जंग को प्रत्याशी बनाया है। पुरकाजी से एक बार फिर दीपक कुमार को मौका दिया गया है। महिला कार्ड खेल रहीं प्रियंका गांधी ने इस बार साहिबाबाद सीट से संगीता त्यागी और हापुड़ सुरक्षित सीट से भावना बाल्मीकि को मैदान में उतारा है। मथुरा सीट पर पूर्व विधायक प्रदीप माथुर को टिकट दिया गया है।

इस बार कांग्रेस के लिए चुनौती बड़ी है क्योंकि 2007 का विधानसभा चुनाव उसने समाजवादी पार्टी के साथ मिलकर लड़ा था। इस बार अकेले दम पर ही ताल ठोंक रही है। पहले समाजवादी पार्टी ने कांग्रेस के साथ किसी चुनावी समझौते से मना कर दियाए फिर बहुजन समाज पार्टी ने भी घोषणा कर दिया कि वह अकेले ही प्रदेश में चुनाव लड़ेगीए और राष्ट्रीय लोक दल ने भी कांग्रेस पार्टी से मुंह मोड़ लिया है। यानि अब इच्छा से नहीं बल्कि मजबूरीवश कांग्रेस पार्टी को प्रदेश के सभी 403 सीटों पर चुनाव लड़ना पड़ेगा।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कांग्रेस के लिए बीते कुछ चुनावों से लगातार चुनौतियां सामने आ ही रही हैं। विधानसभा चुनावों से पहले पार्टी के कुछ बड़े नेताओं ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कांग्रेस का दामन छोड़कर दूसरे दलों में अपनी जगह तलाश कर ली। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश में किसानों के मुद्दों पर जोर तो दिया है लेकिन उसका उन्हें राजनीतिक नफा नुकसान कितना होगा इसका आकलन कर पाना फिलहाल मुश्किल है। हालांकि प्रियंका गांधी ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश में लड़की हूं लड़ सकती हूं जैसे अभियान से महिलाओं को न सिर्फ साधने की कोशिश की है बल्कि पहले चरण में महिलाओं को दिए गए टिकट से भी इस बात का अंदाजा लग रहा है कि कांग्रेस महिलाओं के मुद्दों के साथ ही आगे बढ़ेगी। पहले चरण के मतदान वाली सीटों पर कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को डोर टू डोर प्रचार के लिए मैदान में उतारकर अपने इरादे साफ कर दिए हैं कि वह आसानी से मैदान छोड़ने के मूड में नही है।

कोविड वायरस से फैला विधान सभा चुनाव में सोशल मीडिया कैंपेन

● पहले चरण में डिजिटल जनसपंर्क ने पकड़ी स्पीड, बीजेपी इस प्रचार माध्यम में सबसे आगे

अभिषेक रंजन । लखनऊ

सोशल मीडिया के बाजार में आई बढ़ोत्तरी

सोशल मीडिया पर न केवल बेतहाशा खर्च किया जा रहा है बल्कि डेटा विश्लेषण पर विमर्श हो रहा है। वहींए पार्टियां अपने ग्रामीण कार्यकर्ताओं तक को टेक सैवी बनाने की कोशिश कर रही हैं। स्मार्ट फोन, सोशल मीडिया और प्रचलित माध्यमों से वर्चुअल रैलियों और चुनावी अभियानों की शुरूआत होने के बाद यह बाज़ार तेजी से बढ़ रहा है। रणनीतिकारों का मानना है कि वर्चुअल रैली का विस्तार अधिक है और इसमें संसाधन भी कम लगता है। यही नहीं बड़े नेता अपने घरों से या फिर दफ्तरों से ही आम लोगों को सीधे संबोधित कर सकते हैं। सबसे बड़ा प्रभाव तो यह होता है कि लोगों को इंतजार नहीं करना पड़ता है। आम चुनावी रैली की अपेक्षा इसमें स्थानीय लोगों की सहभागिता भी अधिक होती है। ऐसे में विधानसभा चुनाव में यह प्रभावी भूमिका निभा सकता है।

वैश्विक कोरोना वायरस ने अब चुनाव में सौशल मीडिया कैंपेन को तेजी से फैलाया है। भीड़ से बचने के लिए चुनाव आयोग की गाइड लाइन को देखते हुए राजनीतिक दल सोशल मीडिया को ही अपना मजबूत हथियार बना रहे हैं। इस महामारी से बचने के लिए यूपी के विधान सभा चुनाव में सोशल मीडिया के प्रचार का तरीका एक बड़ा और सशक्त माध्यम बनकर उभरा हैं। देश और विदेश की कई सोशल नेटवर्किंग कंपनियों ने अपने लोक लुभावने पैकेज के जरिए प्रत्याशियों के बीच पहुंच गई है जो अब प्रत्याशियों के लिए वोटर सर्वे तक दे रही हैं ताकि उन्हें पता चल सके कि किस क्षेत्र में उनकी पकड़ कमजोर हो रही है। यूपी में पहले चरण को लेकर डिजिटल चुनाव-प्रचार तेज हो गया है। सभी दलों में अगर इस डिजिटल कैंपेन को लेकर तुलना की जाए तो बीजेपी इस माध्यम के जरिए चुनाव प्रचार में सबसे आगे निकल चुकी है। अभी हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बूथ अध्यक्षों के साथ डिजिटल रूप से संवाद किया था। बीजेपी ने अपने 30 स्टार प्रचारकों की सूची भी जारी कर दी है जो कि अभी फिलहाल डिजिटल रूप से प्रचार करेंगे और जैसे-जैसे चुनाव आयोग प्रचार के लिए सहूलियतें देगा तो यह स्टार प्रचार डोर-टू-डोर भी निकलेंगे। यूपी में सात चरणों में होने वाले चुनाव में इस माध्यम को लेकर बीजेपी के आईटी सेल ने एक कंट्रोल रूम लखनऊ में बीजेपी मुख्यालय में खोला है जबकि पार्टी के छह क्षेत्रों में भी यह आईटी सेल द्वारा वार रूम खोले गए हैं। बीजेपी आईटी सेल के प्रभारी कामेश्वर मिश्रा ने बताया कि आईटी सेल में सिर्फ सोशल मीडिया का ही काम नहीं हो रहा है बल्कि हर विधानसभा की सीट को लेकर इस सेल द्वारा होम वर्क किया जा रहा है ताकि पार्टी के प्रत्याशियों को हर कवर दे सके।

वैश्विक महामारी के चलते डिजिटल प्रचार माध्यम बना हथियार

वैश्विक महामारी के कठिन समय में शारीरिक रूप से मिलना जुलना मुश्किल हो सकता है। मौजूदा दौर में टीवी से कई गुना अधिक सोशल मीडिया को चाहने वाले हैं और यही कारण है कि चुनाव प्रचार का कम खर्चीला और बेहतरीन साधन बन कर फेसबुक और यू ट्यूब लाइव बन कर उभर रहे है। कुछ राजनीतिक दलों ने तो बाकायदा अपने डिजिटल वार रूम बना रखे है जहां उनकी आईटी सेल की टीम इन संसाधनो का बेहतरीन इस्तेमाल कर रही है, वहीं कई छोटे दलों ने अपनी इस मुहिम को परवान चढ़ाने के लिये डिजिटल विज्ञापन एजेंसियों की मदद ली है। ये एजेंसियां न सिर्फ यू ट्यूब लाइव के लिये जरूरी न्यूनतम एक हजार सब्सक्राइबर बनाने में सहयोग करती है बल्कि एडवरटाइजिंग के जरिये पार्टी विशेष की क्लिप्स को फ्री यू ट्यूब सब्सक्राइबर को देखने के लिये बाध्य करती हैं। सूचना प्रौद्योगिकी विशेषज्ञों के अनुसार मौजूदा विधानसभा चुनाव में फेसबुक लाइव,यू ट्यूब, इंस्टाग्राम, कू, ट्विटर और व्हाट्सएप की भूमिका किसी भी राजनीतिक दल के पक्ष में हवा बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। अब चुनाव में परंपरागत प्रचार की रणनीति पर बदलाव हुआ है। राजनीतिक दलों ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर अपनी उपस्थिति दर्ज करा ली है। हर पार्टी का लक्ष्य सोशल मीडिया के इन प्लेटफार्म के जरिये मतदाताओं के दिलो दिमाग पर छाना है। हालांकि इनमें यू ट्यूब स्ट्रीम और व्हाट्सएप की भूमिका इसलिये भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है क्योंकि इन दो प्लेटफार्म का इस्तेमाल आम लोगों के बीच धड़ल्ले से होता है। इसके लिये अधिक तकनीकी जानकारी की जरूरत नहीं होती। व्हाट्सएप के अलावा गूगल के यू ट्यूब एप्लीकेशन की मांग है। मुफ्त में आसानी से डाउनलोड किये जाने वाले इन एप्लीकेशन की मांग उत्तर प्रदेश में जबरदस्त है। स्वदेशी कू भी तेजी से अपनी पहुंच बना रहा है हालांकि अभी उसे व्हाट्सएप का मुकाबला करने में समय लगेगा। वहीं यू ट्यूब पर उपलब्ध हर जानकारी के कारण यह एप्लीकेशन भी यूजर्स को खूब पसंद आता है। इसका डाटा रेट भी कम होता है यानी इंटरनेट की गति सुस्त होने पर भी इसे सर्फ किया जा सकता है। अपने चैनल को लाइव करने के लिये कम से कम एक हजार सब्सक्राइबर की बाध्यता होती है जिसे डिजिटल प्रमोशन एजेंसियों की मदद से आसानी से पूरा किया जा सकता है। फेसबुक लाइव भी ज्यादा समूह को एकत्र करने का एक सशक्त माध्यम है हालांकि यह एप्लीकेशन यू ट्यूब के मुकाबले में कुछ भार लेता है। इस पर लाइव प्रसारण से जुड़ने के लिये मोबाइल फोन अथवा लैपटाप का हार्डवेयर महती भूमिका निभाता है।

युवाओं में बड़े उलटफेर का दम

कमल दुबे । लखनऊ

यूपी की सियासत भले भी जातिवाद के इर्दगिर्द घूमती रही हो लेकिन इस बार मैदान में उतरने वाले राजनीतिक दिग्गजों की तकदीर लिखने में युवा वोटरों की अहम भूमिका रहेगी। वजह राज्य के जिन 15 करोड़ से ज्यादा वोटरों की मुठ्ठी में सत्ता की चाबी है उनमें बड़ी संख्या युवा वोटरों की है। पिछले विधानसभा चुनाव की तुलना में इस पर राज्य की प्रत्येक विधानसभा सीट पर औसतन 22 हजार नये वोटर बढ़े है जिसमें बढ़ी संख्या युवा वोटर राजनीतिक दलों के चुनावी गणित को बनाने-बिगड़ाने में काफी निर्णायक होंगे।

यूपी की कुल 403 विधानसभा सीटों पर पिछले चुनाव से लेकर अब तक तकरीबन 90.30 लाख मतदाता बढ़े हैं। मतदाता सूची के ताजा पुनरीक्षण में कुल बढ़े मतदाताओं में 27 प्रतिशत से अधिक 18-19 वर्ष की आयुवर्ग वाले युवा हैं। पिछले चुनाव से प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में औसतन 22 हजार से अधिक मतदाताओं का बढ़ोत्तरी हुई है। शहरी क्षेत्र वाली विधानसभा सीटों पर मतदाताओं की संख्या औसत से कहीं अधिक बढ़ी है। बढ़े मतदाताओं में 18 वर्ष से 29 वर्ष के युवा मतदाताओं की हिस्सेदारी ही 22.93 फीसदी यानी करीब 3.45 करोड़ से कहीं अधिक है। हाल ही में 18 वर्ष की दहलीज पार करने वाले ही 19.89 लाख युवा मतदाता है।

राज्य के कुल 150284005 मतदाताओं में 40 वर्ष से कम उम्र वाले 7.50 करोड़ वोटर है। यानी कि इनकी हिस्सेदारी 49.93 प्रतिशत है। दूसरी तरफ 60 वर्ष से अधिक आयु वाले मतदाताओं की हिस्सेदारी मात्र 14.94 प्रतिशत ही है। खासतौर से स्वास्थ्य कारणों से इनमें से बड़ी संख्या में मतदाता वोट डालने के लिए मतदान केंद्र तक नहीं पहुंचते हैं। हालांकि कोरोना जैसे संक्रमण से मतदान पर असर न पड़े इसके लिए आयोग इस बार कहीं बेहतर इंतजाम के दावे कर रहा है। आयोग की कोशिश है कि पिछले चुनाव में हुए 61.11 प्रतिशत मतदान का रिकार्ड इस बार टूटे। इसमें सबसे बड़ी भूमिका युवा मतदाताओं की रहेगी।

कभी जातिपात तो कभी धर्म की राजनीतिक के ठगर पर चलने वाले यूपी के राजनीतिक दलों को युवा वोटरों की ताकत का अच्छे से अन्दाज है। यही वजह है कि चाहे भाजपा हो या फिर सपा बसपा और कांग्रेस या फिर अन्य कोई भी युवा मतदाताओं की अनदेखी करके चुनावी ठगर पर आगे नहीं बढना चाहता। भारी-भरकम हिस्सेदारी को देखते हुए ही सभी राजनीतिक पार्टियां उन्हें किसी तरह से लुभाने में जुटी हैं। इनकी कोशिश है कि ज्यादा से ज्यादा युवा उनसे जुड़ें। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ युवाओं को भाजपा से जोड़ने में कोई कसर छोड़ते नहीं दिखते।

युवाओं को लुभाने के लिए चुनाव से ठीक पहले ही राज्य की भाजपा सरकार ने एक करोड़ युवाओं को स्मार्टफोन-टैबलेट देने का काम शुरू किया। सपा ने भी सरकार बनने पर छात्रों व नौजवानों को फिर मुफ्त लैपटाप देने और गरीब परिवारों के बच्चों को विदेश में पढ़ाई के लिए मदद करने की घोषणा की है। बसपा पूर्व की अपनी सरकार में युवाओं के हित में किए गए निर्णयों को गिनाकर उन्हें अपनी ओर मोड़ने में लगी है। कांग्रेस पार्टी ने खासतौर से बालिकाओं के लिए लुभावनी घोषणाएं की हैं।

आम आदमी पार्टी ने तो बेरोजगार युवाओं को प्रतिमाह पांच हजार रुपये बेरोजगारी भत्ता देने के साथ ही प्रतिवर्ष 10 लाख युवाओं को नौकरियां देने की घोषणा की है। युवा मतदाताओं की बढ़ी हुई संख्या को देखते हुए दबाव में ही सही पार्टियों द्वारा पिछले चुनावों की तुलना में इस बार कहीं अधिक युवाओं को चुनाव मैदान में उतारने की कोशिश भी दिख रही है। दरअसल जिस तरह से 403 विधानसभा सीटों के नतीजे आते रहे हैं उससे साफहै कि 20 हजार मतों के अंतर से ही ज्यादातर सीटों पर हार-जीत हो जाती है। ऐसे में युवा ही किसी भी पार्टी के प्रत्याशी को जिता.हरा कर उसकी किस्मत का फैसला करेंगे। पहली, दूसरी बार वोट डालने वाले युवा मतदाताओं के हाथ में ही पार्टियों की ताकत बढ़ान-घटाने की शक्ति होगी।

वोटरों का लेखा-जोखा

कुल मतदाता: 15,02,84,005
18 से19 वर्ष के वोटर: 19,89,902
40 वर्ष तक के वोटर: 7,50,42,948
60 वर्ष से अधिक उम्र के मतदाता: 2,24,59,300
80 वर्ष से ज्यादा उम्र के मतदाता: 24,03,296

सबसे बड़ी पंचायत देगी यंग यूपी का संदेश

कमल दुबे । लखनऊ

विधानसभा चुनावों में भाजपा सहित अन्य विपक्षी दलों में उम्मीदवारी को लेकर युवा चेहरों में मिल रही अहमियत से इस बात के साफ संकेत है कि सरकार चाहे जिस किसी भी दल की बने लेकिन सूबे की सबसे बड़ी पंचायत में युवा चेहरे अधिक संख्या में अपनी मौजूदगी दर्ज कराएंगे।

हालांकि 18वीं विधानसभा के गठन के लिए चुनावी प्रक्रिया अभी चल रही है और सात चरणों में होने वाले चुनाव के पहले चरण के नामांकन का काम बीती 21 जनवरी को थम भी गया है लेकिन सत्ताधारी भाजपा ने अब तक जिस तरह से 17वीं विधानसभा के उम्रदराज सदस्यों को टिकट देने में परहेज किया है और दूसरे दल भी टिकट बंटवारे में नौजवानों को तरजीह दे रहे हैं उससे अगली विधानसभा की तस्वीर कुछ ज्यादा जवान होती दिख रही है।

आबादी के हिसाब से देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश की सर्वाधिक 403 सीटों वाली विधानसभा में पहुंचने के लिए यूं तो सिर्फ न्यूनतम उम्र 25 वर्ष तय है। अधिकतम कितनी भी उम्र के व्यक्ति को प्रदेशवासियों द्वारा पांच वर्ष के लिए अपना जनप्रतिनिधि चुना जा सकता है। वर्ष 2000 के बाद राज्य में 2002 में 14वीं, 2007 में 15वीं, 2012 में 16वीं और मौजूदा 17वीं विधानसभा के लिए वर्ष 2017 में हुए चुनाव के नतीजों से साफ है कि न तो राजनीतिक दलों ने प्रत्याशी चयन में और न ही मतदाताओं ने अपना विधायक चुनने में प्रत्याशियों की उम्र पर बहुत गौर किया है। यही कारण है कि पिछले दो दशक के दौरान विधानसभा के 30 वर्ष से कम आयु से लेकर 80 वर्ष वाले भी सदस्य चुने गए हैं।

सत्ताधारी भाजपा की बदलती कार्य संस्कृति का असर अबकी उसके टिकट बंटवारे में भी दिख रहा है। भाजपा इस बार 75 पार वालों को टिकट देती नहीं दिख रही है। ज्यादा उम्र के चलते स्वास्थ्य कारणों से जहां कुछ विधायक खुद ही चुनावी राजनीति से किनारे हो लिए हैं वहीं कुछ अपने क्षेत्र से अब बेटे-बेटियों के लिए ही टिकट चाहते हैं। भाजपा द्वारा पहले और दूसरे चरण के लिए प्रत्याशियों की घोषित सूची को देखने से साफ है कि उसने उन विधायकों को फिर चुनाव मैदान में नहीं उतारा है जिनकी उम्र 75 वर्ष से ज्यादा हो रही है। मसलन मेरठ कैंट से 82 वर्षीय मौजूदा विधायक सत्य प्रकाश अग्रवाल, बरौली से 78 वर्ष के दलवीर सिंह और बरेली कैंट से 78 वर्ष के ही वित्तमंत्री रहे राजेश अग्रवाल, फतेहपुर सीकरी से 75 वर्ष के योगी सरकार में मंत्री चौधरी उदयभान सिंह 18वीं विधानसभा के चुनाव मैदान में नहीं दिखाई देंगे।

अगले चरणों के प्रत्याशियों की सूची में भी उन विधायकों के नाम नहीं दिखेंगे जिनकी उम्र 75 वर्ष से ज्यादा हो चुकी है। ऐसे में फाजिलनगर के 85 वर्ष के विधायक गंगा सिंह कुशवाहा, बरहज से 76 वर्ष के सुरेश तिवारी, कायमगंज से 77 वर्ष के अमर सिंह, भगवन्तनगर से 75 पार विधायक और विधानसभा अध्यक्ष हृदय नारायण दीक्षित, कैसरगंज से विधायक और मंत्री मुकुट बिहारी आदि को भी भाजपा द्वारा फिर चुनाव मैदान में उतारे जाने की उम्मीद बहुत कम है। जहां तक सपा, बसपा, कांग्रेस और आप की बात है तो सभी दलों द्वारा टिकट देने में जिताऊ के साथ ही युवाओं को ही प्राथमिता देने की बात कही जा रही है। ऐसे में 18वीं विधानसभा के लिए चुने जाने वाले विधायकों की औसत आयु घटने से विधानसभा के कहीं ज्यादा जवान दिखाई देने की उम्मीद जताई जा रही है। हालांकि सदन की वास्तविक तस्वीर तो 10 मार्च को चुनावी नतीजे सामने आने के बाद ही दिखाई देगी।

विधायकों की उम्र का लेखा-जोखा

आयु समूह	14वीं	15वी	16वीं	17वीं
25-30	17	09	08	07
31-35	22	20	19	24
36-40	47	42	45	40
41-45	78	60	64	58
46-50	86	57	62	70
51-55	62	75	67	62
56.-60	23	27	57	56
61-65	20	21	44	47
66-70	12	16	18	27
71-75	02	05	12	08
75 वर्ष पार	03	02	05	05

छोटे दलों के सहारे बड़ी पार्टियां

शिव विजय सिंह । लखनऊ

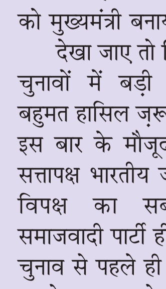

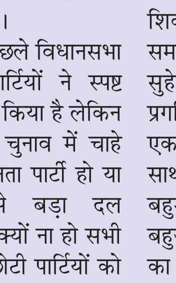

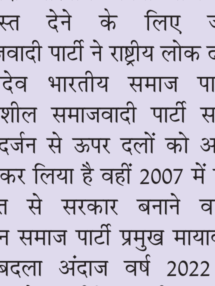

उत्तर प्रदेश में चुनावी बिसात बिछ चुकी है। राजनीतिक दलों ने विधानसभा चुनाव चरण वार प्रत्याशियों के रूप में अपने अपने पासे भी डालने शुरू कर दिए हैं लेकिन अब देखना यह है कि क्या उत्तर प्रदेश की जनता पिछले तीन विधानसभा चुनावों की भांति पूर्ण बहुमत की सरकार देती है या फिर वर्ष 2002 की तरह त्रिशंकु सरकार को न्योता देने वाली है।

उत्तर प्रदेश के पिछले तीन विधानसभा चुनावों क्रमशः 2007, 2012 व 2017 के नतीजों पर नज़र डालें तो एक बात के संकेत मिलते हैं कि यूपी का मतदाता किसी एक पार्टी को बहुमत देते चला आ रहे हैं। वर्ष 2007 के विधानसभा चुनाव ने बसपा प्रमुख मायावती को 206 सीटों के साथ सत्ता के शीर्ष पर पहुंचाया, 2012 के चुनाव ने समाजवादी पार्टी मुखिया अखिलेश यादव को 224 सीटों के साथ प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाया और 2017 में 312 सीटों के साथ भारतीय जनता पार्टी ने उत्तर प्रदेश में जीत का परचम लहराकर योगी आदित्यनाथ को मुख्यमंत्री बनाया।

देखा जाए तो पिछले विधानसभा चुनावों में बड़ी पार्टियों ने स्पष्ट बहुमत हासिल ज़रूर किया है लेकिन इस बार के मौजूदा चुनाव में चाहे सत्तापक्ष भारतीय जनता पार्टी हो या विपक्ष का सबसे बड़ा दल समाजवादी पार्टी ही क्यों ना हो सभी चुनाव से पहले ही छोटी पार्टियों को अपने साथ लाने में जुट गए थे। विधानसभा चुनाव को देखते हुए मौजूदा समय में स्थिति यह है कि सत्तापक्ष भारतीय जनता पार्टी को शिकस्त देने के लिए जहां समाजवादी पार्टी ने राष्ट्रीय लोक दल, सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी, प्रगतिशील समाजवादी पार्टी समेत एक दर्जन से ऊपर दलों को अपने साथ कर लिया है वहीं 2007 में पूर्ण बहुमत से सरकार बनाने वाली बहुजन समाज पार्टी प्रमुख मायावती का बदला अंदाज वर्ष 2022 में किसी बड़े राजनीतिक समीकरण को दावत देने की ओर इशारा कर रहा है। कांग्रेस का अभी फिलहाल कोई जनाधार नही दिखाई पड़ रहा है लेकिन इसके बावजूद भी कांग्रेस ने यूपी के विधासभा चुनाव में प्रियंका गांधी को महिला के रूप में आगे करके भविष्य में कुछ नया गुल खिलाने की योजना बना ली है। ऐसी स्थिति में सत्तारूढ़ भाजपा भी छोटे दलों को साथ लेने में गुरेज नहीं किया है। कुल मिलाकर यह साफ हो गया है कि किसी भी दल में जीत को लेकर अपने ऊपर पूर्ण विश्वास नहीं है। इसी का परिणाम है कि उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव से पहले ही जोड़-तोड़ की राजनीति व छोटे दलों को साथ लेने की रफ्तार ने तेजी पकड़ रखी है। इससे यह साफ हो गया है कि उत्तर प्रदेश में 2022 का विधानसभा चुनाव इस बार कुछ नया रंग दिखाएगा।

सांसद अर्जुन पर पथराव, भाजपा व तृकां समर्थकों में झड़प

भाषा। बैरकपुर (पश्चिम बंगाल)

पश्चिम बंगाल के बैरकपुर से सांसद अर्जुन सिंह पर कथित तौर पर पत्थर फेंके जाने के बाद रविवार को कोलकाता के पास भाटपारा में भाजपा और तृणमूल कांग्रेस के समर्थकों के बीच झड़प हो गई। सांसद नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती के उपलक्ष्य में रखे गए एक कार्यक्रम में शामिल हो रहे थे, जब यह घटना हुई। पुलिस ने बताया कि बताया कि उत्तर 24 परगना जिले में सियासी घमासान के बीच हुई झड़पों में पुलिस के एक वाहन समेत दो कार क्षतिग्रस्त हुईं।

पुलिस के संयुक्त आयुक्त ध्रुब ज्योति डे ने कहा कि भाजपा सांसद को निकालकर उनके आवास पर सुरक्षित पहुंचाया गया। वरिष्ठ अधिकारियों के साथ पुलिस का एक बड़ा दस्ता मौके पर तैनात था। अर्जुन सिंह के साथ भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने आनन-फानन में बुलाई गई प्रेस वार्ता में बताया कि भाटपारा विधायक पवन सिंह पर तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने हमला किया था, जब वह नेताजी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर मौके से निकल रहे थे।

मजूमदार ने कहा, जैसा कि पवन सिंह को तृकां के गुंडों ने घेर लिया था, उन्होंने अर्जुन सिंह को फोन किया, जो मौके पर पहुंचे। दोनों पर तृकां के कार्यकर्ताओं ने हमला किया, जिन्होंने कई राउंड फायरिंग भी की। अर्जुन सिंह के सुरक्षा गार्ड को तब आत्मरक्षा में गोली चलानी पड़ी। उनकी जान को खतरा था। हमारे सांसद की कार में टीएमसी के बदमाशों ने तोड़फोड़ की, जिन्होंने शीर्ष नेतृत्व के इशारे पर ऐसा किया था। हम घटना के बारे में केंद्र को सूचित कर रहे हैं। मामले की उच्च स्तरीय जांच होनी चाहिए। बैरकपुर के सांसद ने कहा कि इस घटना के बारे में लोकसभा अध्यक्ष और राज्यपाल को सूचित कर दिया है।

दूसरी ओर, तृणमूल कांग्रेस नेताओं ने दावा किया कि सिंह अब अप्रासंगिक हो गए हैं और निगम चुनाव से पहले गड़बड़ी पैदा करना चाहते हैं। घटना की निंदा करते हुए भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष ने कहा कि नेताजी की 125 वीं जयंती के मौके पर उनकी प्रतिमा पर एक सांसद को पुष्प चक्र अर्पित करने से रोके जाने से राज्य की बदतर होती कानून व्यवस्था उजागर हो गई है। मजूमदार ने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल में लोकतंत्र ध्वस्त हो चुका है और पुलिस मूकदर्शक बनी हुई है क्योंकि सत्तारूढ़ दल के कार्यकर्ता भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं को आतंकित कर रहे हैं। जेड श्रेणी की सुरक्षा होने के बावजूद अर्जुन सिंह ने कहा कि उन पर तृकां कार्यकर्ताओं ने हमला किया और नेताजी की प्रतिमा पर पुष्पचक्र अर्पित करने से रोका।

यह एक सुनियोजित हमला था। हमें नहीं पता था कि तृकां ने नेताजी को इस तरह से हड़प लिया है कि भाजपा के नेता राष्ट्रीय आदर्श के प्रति सम्मान नहीं दिखा सकते। तृकां के नैहाटी से विधायक पार्थ भौमिक ने दावा किया कि अर्जुन सिंह ने भाटपाड़ा इलाके में गड़बड़ी की यह साजिश रची और यह घटना पूर्व नियोजित थी। विधायक ने आरोप लगाया कि भाटपाड़ा में सिंह दंगा भड़काने की कोशिश कर रहे थे और अपने पार्टी कार्यकर्ताओं को सतर्क किया कि वह इस तरह के किसी भी प्रयास को विफल करें। पश्चिम बंगाल प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अधीर चौधरी ने कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 125वीं जयंती पर बमबारी और फायरिंग की कोई भी घटना बंगाल की छवि को धूमिल करने वाली है। चौधरी ने बहरामपुर में संवाददाताओं से कहा, मुझे नहीं पता कि हिंसा के लिए कौन जिम्मेदार है। लेकिन मैं सभी दलों से नेताजी के जन्मदिन पर हिंसा का सहारा नहीं लेने का अनुरोध करूंगा। यह बंगाल की संस्कृति और लोकाचार के साथ अच्छा नहीं है।

नेताजी के पौत्र एवं नेताजी रिसर्च ब्यूरो के अध्यक्ष सुगत बोस ने कहा, महान देशभक्त के जन्मदिन पर ऐसी घटनाएं नहीं होनी चाहिए थीं। पुलिस ने कहा कि शनिवार की रात, पास के पानीहाटी इलाके में बीटी रोड पर टीएमसी के पार्टी कार्यालय पर देसी बम फेंके गए, जिससे दोनों पक्षों के बीच झड़प हो गई।

वर्धा में अवैध गर्भपात करने वाली महिला डॉक्टर के घर से मिले 97 लाख रुपए

नागपुर। महाराष्ट्र के वर्धा में 13 वर्षीय किशोरी का अवैध गर्भपात कराने की आरोपी एक डॉक्टर के घर से 97 लाख रुपए बरामद हुए हैं। पुलिस ने पहले बताया था कि एक नाबालिग लड़की का गर्भपात किए जाने की सूचना मिलने के बाद 10-13 जनवरी के दौरान की गई जांच के तहत डॉ. रेखा कदम को गिरफ्तार किया गया तथा बाद में वर्धा के आरवी क्षेत्र मे एक निजी अस्पताल की तलाशी में भ्रूण शिशुओं की 11 खोपड़ियों एवं 54 हड्डियों का पता चला था। आरवी थाने के निरीक्षक भानुदास पिदुरकार ने पीटीआई-भाषा को बताया कि शनिवार को कदम के घर की नौ घंटे तक तलाशी ली गई और इस दौरान 97,42,000 रुपए मिले तथा उसके ससुराल के अन्य सदस्यों के कमरे की तलाशी नहीं हो पाई क्योंकि अलमारी की चाबियां नहीं थीं। कदम के घर से मिली रकम के बारे में आयकर विभाग को बताया दिया गया है।

गुरुग्राम में दिल्ली-गुरुग्राम एक्सप्रेस-वे पर बारिश के बाद पानी भरने से सड़क को पार करता हुआ एक आदमी।

सड़क से संसद तक बिहार को विशेष दर्जे की मांग उठाएगी जदयू

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन ने बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने की रविवार को फिर से वकालत करते हुए कहा कि वह इस मांग को सड़क से सदन तक उठाते रहेंगे। ललन ने रविवार को ट्वीट कर कहा, केंद्र सरकार से बिहार के लिए विशेष राज्य के दर्जे की मांग बिहारवासी कोई भीख या कर्जा में नहीं मांग रहे हैं, बल्कि अपना हक मांग रहे हैं। बिहारवासियों के हक की आवाज़ हमलोग सड़क से सदन तक उठाते रहेंगे।

उन्होंने कहा, बिहार को विशेष राज्य का दर्जा मिलने से विकासोन्मुख योजनाओं में वित्तीय सहायता मिलेगी और तभी राष्ट्रीय औसत के विकास दर को छू पाएगा बिहार। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी के कुशल नेतृत्व में तीव्रता से आगे बढ़ा है बिहार। ललन ने कहा, बिहार में संसाधन का अभाव है फिर भी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी की कार्यकुशलता के बदौलत बिहार की विकास दर कई वर्षों से दो अंकों में बनी हुई है। उन्होंने कहा, विशेष राज्य का दर्जा बिहार के हित में है। ललन ने अपने ट्वीट के साथ एक पोस्टर और एक वीडियो भी साझा किया है जिसमें उन लाभों का वर्णन किया गया है जो विशेष दर्जा मिलने पर मिल सकते हैं। उन्होंने लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा नहीं किए जाने पर दुख व्यक्त किया।

जदयू द्वारा बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दिए जाने को लेकर यह आक्रामक रुख का कारण उसकी सहयोगी भाजपा द्वारा इस मुद्दे को ठंडे बस्ते में डाल दिया जाना है। बिहार भाजपा अध्यक्ष संजय जायसवाल ने पिछले हफ्ते विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग को यह दावा करते हुए खारिज कर दिया था कि बिहार को मिलने वाली केंद्रीय सहायता महाराष्ट्र जैसे अधिक आबादी वाले प्रांत से अधिक है। उन्होंने यह भी रेखांकित किया था कि 14वें वित्त आयोग द्वारा विशेष दर्जा देने के प्रावधान को समाप्त कर दिया गया है और 15वें से इसकी बहाली के लिए कोई सिफारिश नहीं आ रही है। राज्य को आवश्यक अनुमोदन आने का इंतजार करना चाहिए।

हम केंद्र की सहमति से अफसपा हटाया जाना चाहते हैं : मुख्यमंत्री

भाषा। नई दिल्ली

मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बिरेन सिंह ने रविवार को कहा कि वह और उनके राज्य के लोग सशस्त्र बल विशेष अधिकार अधिनियम (अफ्सपा) हटाया जाना चाहते हैं, लेकिन केंद्र की परस्पर सहमति के बाद ही क्योंकि राष्ट्रीय सुरक्षा उनकी शीर्ष प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री ने यहां पीटीआई-भाषा से साक्षात्कार में कहा, मेरा मानना है कि अफ्सपा को केंद्र की सहमति से क्रमिक रूप से हटाया जा सकता है। लेकिन, हमें अवश्य याद रखना चाहिए कि म्यांमा में राजनीतिक स्थिरता नहीं है और उसके साथ हमारे देश की सीमा लगी हुई है।

चुनावी राज्य के भारतीय जनता पार्टी के प्रथम मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि चुनाव बड़े बदलाव को प्रदर्शित करेंगे और उनकी पार्टी सीटों की अपनी संख्या दोगुनी करेगी। उन्होंने कहा, हम दो-तिहाई बहुमत हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। हमारा कोई चुनाव पूर्व गठबंधन नहीं है लेकिन जरूरत पड़ने पर चुनाव बाद गठबंधन किया जा सकता है। इस बार शांति, विकास और सौहार्द्रपूर्ण सह-अस्तित्व को भाजपा को मुख्य चुनावी मुद्दा बताते हुए यह बात कही।

कांग्रेस के 28 विधायक होने के बावजूद अपने महज 21 विधायकों के साथ भाजपा ने दो स्थानीय दलों, एनपीपी और एनपीएफ के सहयोग से 2017 में सरकार बनाई थी। राज्य की 60 सदस्ईय विधानसभा के लिए दो चरणों में, 27 फरवरी और तीन मार्च को चुनाव होने हैं। अफ्सफा हटाने की मांग को लेकर राज्य में कई आंदोलन हुए हैं। मणिपुर की इरोम शर्मिला का अनशन भी इसका एक मुख्य उदाहरण है, जो देश में सबसे लंबे समय तक चला था।

अफ्सफा हटाना, एक महत्वपूर्ण मुद्दा बना हुआ है और पड़ोसी राज्य नगालैंड में सैन्य कर्मियों की गोलीबारी में 14 आम लोगों के मारे जाने को लेकर एक बार फिर यह एक प्रमुख राजनीतिक मुद्दा बन सकता है। सिंह ने कहा, हम एक सीमावर्ती राज्य हैं और म्यांमा के साथ अंतरराष्ट्रीय सीमा साझा करते हैं। मुझे राष्ट्रहित को भी देखना होगा। लेकिन एक मणिपुरी होने और मणिपुर का मुख्यमंत्री होने के नाते, मैं चाहता हूं कि अफ्सफा हटा दिया जाए।

उन्होंने कहा, लेकिन साथ ही, जमीनी हकीकत का आकलन किए बगैर ऐसा करना संभव नहीं है। केंद्र सरकार से परामर्श किए बगैर, यह संभव नहीं है। उन्होंने कहा, मेरे सहित मणिपुर के लोग चाहते हैं कि अफ्सपा को हटा दिया जाए लेकिन केंद्र सरकार की परस्पर सहमति के बाद क्योंकि राष्ट्र की सुरक्षा हमारे लिए पहली प्राथमिकता है। सिंह ने कहा कि पिछले पांच वर्षों में कोई बड़ी अप्रिय घटना नहीं हुई है और उग्रवाद 90 प्रतिशत तक घट गया है। उन्होंने कहा, मणिपुर सरकार म्यांमा में मणिपुरी उग्रवादियों के साथ सार्थक वार्ता करने की भी कोशिश कर रही है।

क्विक न्यूज

गणतंत्र दिवस पर उल्फा (आई) का बंद नहीं, हिमंत ने वार्ता के लिए इसे मददगार कदम बताया

गुवाहाटी। कोविड-19 की मौजूदा स्थिति के मद्देनजर परेश बरूआ के नेतृत्व वाला उल्फा (आई) दो दशक में पहली बार गणतंत्र दिवस पर बंद के आह्वान से दूर रहा है। उग्रवादी संगठन के इस कदम का स्वागत करते हुए असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने उम्मीद जताई कि विश्वास बहाली के ऐसे उपायों से उल्फा (आई) और केंद्र के बीच भविष्य में औपचारिक वार्ता हो सकती है। मीडिया को ईमेल किए गए एक बयान में बरूआ ने कहा कि कोविड-19 की स्थिति के मद्देनजर उल्फा (आई) बंद या गणतंत्र दिवस समारोह के बहिष्कार का आह्वान नही करेगा। बरूआ ने हालांकि, ऐसे समय में पांच-दिवसीय कार्यक्रम के साथ गणतंत्र दिवस समारोह मनाने के लिए केंद्र की आलोचना की। बरूआ ने लोगों से महामारी के कारण कार्यक्रमों में भाग लेने से परहेज करने और 26 जनवरी को उत्सव के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराने के लिए काला बिल्ला पहनने का आग्रह किया। इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया जताते हुए सरमा ने संवाददाताओं से कहा, 'उल्फा (आई) के प्रमुख परेश बरूआ ने कोविड-19 महामारी के कारण गणतंत्र दिवस पर बंद का आह्वान नही किया है। यह एक स्वागत योग्य कदम है। मुझे लगता है कि इस तरह के विश्वास-बहाली के उपायों से भविष्य में केंद्र और इस संगठन के बीच औपचारिक वार्ता हो सकती है। मुख्यमंत्री ने इस महीने की शुरूआत में उल्फा (आई) से गणतंत्र दिवस पर बंद का आह्वान नही करने का आग्रह किया था और पिछले साल स्वतंत्रता दिवस पर ऐसा करने से परहेज करने के लिए प्रतिबंधित संगठन की सराहना की थी। सरमा ने पिछले साल 10 मई को शपथ लेने के बाद उल्फा (आई) से शांति वार्ता के लिए आगे आने और राज्य में 42 साल पुराने उग्रवाद को खत्म करने की अपील की थी। उल्फा के कट्टरपंथी धड़े ने उसी महीने तीन महीने के लिए एकतरफा संघर्षविराम की घोषणा के साथ उसका जवाब दिया था, जिसे वह तब से बढ़ा रहा है। सरमा ने एकतरफा संघर्षविराम को सकारात्मक कदम बताते हुए कहा था कि सरकार ने भी इसके जवाब में पिछले आठ महीनों में संगठन के साथ किसी प्रकार का सीधा संघर्ष नही किया है।

अरुणाचल से लद्दाख तक के अभियान पर जाएगा महिलाओं का समूह, बछेंद्री पाल करेंगी नेतृत्व

जमशेदपुर। माउंट एवरेस्ट फतह करने वाली पहली भारतीय महिला बछेंद्री पाल हिमालय क्षेत्र मे अरुणाचल से लद्दाख तक पांच महीने के लंबे अभियान पर जाने वाली 50 साल से अधिक उम्र की महिलाओं की एक टीम का नेतृत्व करेंगी। पाल (66) ने कहा कि महिलाओं का 10 सदस्ईय समूह 8 मार्च 2022 को अरुणाचल प्रदेश से अपना अभियान शुरू करेगा और लगभग 4,625 किलोमीटर का सफर तय करेगा। इस दौरान यह समूह 17,320 फुट ऊंचे लामखागा दर्रे से भी गुजरेगा, जिसे सबसे मुश्किल दर्रों में शुमार किया जाता है। टाटा स्टील एडवेंचर फाउंडेशन द्वारा आयोजित अभियान पिछले साल मई मे शुरू होना था, लेकिन वैश्विक महामारी के कारण इसे स्थगित कर दिया था। अब मार्च मे शुरू होने जा रहा यह अभियान अगस्त के पहले या दूसरे सप्ताह में लद्दाख के द्रास क्षेत्र में समाप्त होगा। महान भारतीय पर्वतारोही पाल ने पीटीआई-भाषा से कहा, अभियान सभी आयु वर्ग की महिलाओ को स्वस्थ रहने के मकसद से अपने दैनिक जीवन मे फिटनेस गतिविधियो को शामिल करने के लिए प्रेरित और प्रोत्साहित करेगा।

अर्थव्यवस्था में अभी कई काले धब्बे , सरकार को सावधानी से खर्च करने की जरूरत : रघुराम राजन

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने कहा है कि भारतीय अर्थव्यवस्था मे चमकीले स्थानो के साथ कुछ काले धब्बे भी है, ऐसे मे सरकार को अपने खर्च को सावधानी से लक्षित करने की जरूरत है, ताकि राजकोषीय घाटे को बहुत ऊंचाई पर पहुंचने से रोका जा सके। राजन अपने विचारो को स्पष्ट तरीके से रखने के लिए जाने जाते है। प्रसिद्ध अर्थशास्त्री ने कहा कि सरकार को अर्थव्यवस्था के के (अंग्रेजी वर्णमाला के अक्षर) आकार के पुनरुद्धार को रोकने के लिए और उपाय करने की जरूरत है। सामान्य तौर पर के-आकार के पुनरुद्धार में प्रौद्योगिकी और बड़ी पूंजीगत कंपनियो की स्थिति महामारी से अधिक प्रभावित छोटे व्यवसायो और उद्योगो की तुलना मे तेजी से सुधरती है। राजन ने पीटीआई-भाषा को ई-मेल के जरिए दिए साक्षात्कार मे कहा, अर्थव्यवस्था के बारे मे मेरी सबसे बड़ी चिंता मध्यम वर्ग, लघु एवं मझोले क्षेत्र और हमारे बच्चो को लेकर है। ए सारी चीजे दबी मांग से शुरुआती पुनरुद्धार के बाद खेल मे आएंगी। उन्होंने कहा कि इन सभी का लक्षण कमजोर उपभोक्ता मांग है। विशेषरूप से व्यापक स्तर पर इस्तेमाल वाले उपभोक्ता सामान की मांग काफी कमजोर है। राजन फिलहाल शिकॉगो विश्वविद्यालय के बूथ स्कूल ऑफ बिजनेस मे प्रोफेसर है। उन्होने कहा कि अर्थव्यवस्था मे हमेशा चमकदार स्थानो के साथ गहरे काले धब्बे होते है। उन्होने कहा कि चमकदार क्षेत्रो की बात की जाए, तो इसमे स्वास्थ्य सेवा कंपनियां आती है। इनके अलावा सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) और आईटी-संबद्ध क्षेत्र जबर्दस्त कारोबार कर रहे है। कई क्षेत्रो मे यूनिकॉर्न (एक अरब डॉलर से अधिक मूल्यांकन) बने है और वित्तीय क्षेत्र के कुछ हिस्से भी मजबूत है।

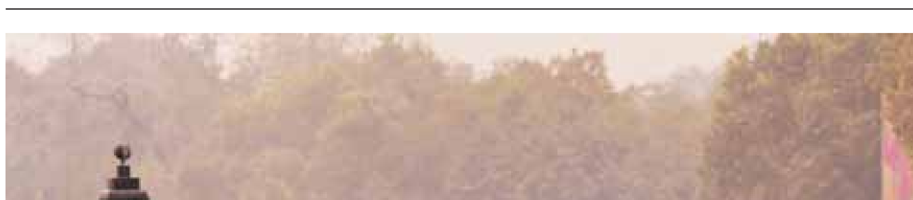

नई दिल्ली में गणतंत्र दिवस परेड के लिए हरियाणा की प्रदर्शनी पूर्वाभ्यास के दौरान

कांग्रेस उम्मीदवार के खिलाफ चुनाव लड़ रहे बेटे के लिए पंजाब के मंत्री राणा गुरजीत ने किया प्रचार

कपूरथला (पंजाब)। पंजाब में मंत्री राणा गुरजीत सिंह ने अपने बेटे राणा इंदर प्रताप सिंह के लिए आक्रामक चुनाव प्रचार शुरू किया है, जो कांग्रेस उम्मीदवार नवतेज सिंह चीमा के खिलाफ सुल्तानपुर लोधी विधानसभा सीट से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं। पंजाब के कैबिनेट मंत्री ने इंदर प्रताप के लिए 21 जनवरी को चीमा के पैतृक गांव बूसोवाल से चुनाव प्रचार की शुरूआत की। राणा ने दावा किया कि सुल्तानपुर लोधी सीट से उनके बेटे की जीत होगी। राणा गुरजीत ने रविवार को इंदर प्रताप के लिए विधानसभा क्षेत्र के तहत आने वाले गांवों में चुनाव प्रचार किया।

चीमा समेत पंजाब कांग्रेस के चार नेताओं ने मंगलवार को पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी को पत्र लिख कर, राणा गुरजीत को पार्टी से निलंबित किए जाने की मांग की और आरोप लगाया कि विधानसभा चुनावों से पहले वह पार्टी को कमजोर कर रहे हैं। कांग्रेस ने राणा को कपूरथला विधानसभा सीट से चुनाव मैदान में उतारा है।

मंत्री ने बातचीत में कहा कि सोनिया को कांग्रेस के चार नेताओं की ओर से पत्र लिखे जाने के बाद उन्होंने अपने बेटे के पक्ष में चुनाव प्रचार करने का निर्णय किया। साथ ही उन्होंने कहा कि यह उनकी नैतिक जिम्मेदारी है कि वह इंदर प्रताप का समर्थन करें।

राणा गुरजीत ने कांग्रेस के चारों नेताओं को कपूरथला आकर उनके खिलाफ चुनाव प्रचार करने की चुनौती दी है, जहां से वह कांग्रेस के टिकट पर दोबारा विधानसभा में पहुंचने की जुगत में हैं। यह पूछे जाने पर कि चीमा के खिलाफ प्रचार करने को लेकर पार्टी आलाकमान की ओर से क्या कोई कार्रवाई हुई है।

बंगाल के संगठन ने भारतीय सेना में बंगाली रेजिमेंट के गठन की मांग उठाई

कोलकाता। बंगाली संगठन बांग्ला पोक्खो ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को पत्र लिखकर मांग उठाई कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस और पश्चिम बंगाल के अन्य स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के योगदान को उचित श्रद्धांजलि देने के लिए भारतीय सेना में एक बंगाली रेजिमेंट का गठन किया जाए। संगठन ने यह भी कहा कि सशस्त्र सेनाओं में शामिल होने के इच्छुक युवाओं को बंगाली भाषा में भर्ती परीक्षा देने का विकल्प दिया जाए। मोदी और सिंह को लिखे पत्र में संगठन ने कहा, बंगाल के महान नेता सुभाष चंद्र बोस की 125वीं जयंती के अवसर पर बंगालियों की मांग है कि भारतीय सेना में बंगाली रेजिमेंट का गठन किया जाए। बांग्ला पोक्खो ने कहा कि सेना में बंगाली रेजिमेंट का गठन कर नेताजी और राज्य के उन योद्धाओं को उचित सम्मान दिया जा सकेगा जिन्होंने ब्रिटिश राज से देश को मुक्त कराने में भूमिका निभाई थी।

असम में पुलिस गोलीबारी में पूर्व छात्र नेता घायल

गुवाहाटी। असम के नगांव जिले में एक पूर्व छात्र नेता पुलिस गोलीबारी में घायल हो गया। पुलिस ने उसे मादक पदार्थ तस्कर बताया है। विपक्षी दलों ने इस घटना को राज्य में मौजूद जंगलराज का परिणाम बताते हुए दावा किया है कि वर्तमान स्थिति 90 के दशक के गुपचुप हत्याओं के दौर से भी बदतर है। इस बीच असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने घटना की जांच के आदेश दिए हैं।

पुलिस ने दावा किया है कि नगांव कॉलेज का पूर्व महासचिव कीर्ति कमल बोरा शनिवार को मादक पदार्थ बेच रहा था और कानून प्रवर्तकों पर हमला करने के बाद उसके पैर में गोली मार दी गई। दूसरी ओर, ऑल असम स्टूडेंट यूनियन (आसू) ने आरोप लगाया है कि बोरा ने नशे में धूत पुलिसकर्मियों द्वारा एक युवक की पिटाई करने का विरोध किया, जिससे वे नाराज हो गए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अतिरिक्त मुख्य सचिव पवन बोरठाकुर को जांच का जिम्मा सौंपा गया है। बोरठाकुर घटना के तह में जाएंगे और सात दिनों के भीतर रिपोर्ट सौंपेंगे। सरमा ने कहा, पुलिस अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्वाई करेगी, लेकिन उसे आम आदमी के लिए मित्रवत होना चाहिए। अगर कोई कर्मी या अधिकारी दोषी पाया जाता है, तो उसके खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे।

बोरा की मां और कुछ छात्रों ने गोलीबारी की घटना की न्यायिक जांच कराने और इसमें शामिल पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्वाई की मांग को लेकर नगांव थाने के सामने प्रदर्शन किया। वरिष्ठ अधिकारियों ने उन्हें मुख्य द्वार को जाम करने की बजाय ज्ञापन देने को कहा। विरोध और आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए, असम पुलिस ने ट्वीट किया, कचलुखुआ, नगांव में हुई गोलीबारी की घटना में शामिल पुलिसकर्मियों को तत्काल प्रभाव से पुलिस रिजर्व भेज दिया गया है।

नेताजी ने भारत को आजादी दिलाने में मदद के लिए 1939 में सोवियत नेतृत्व को गुप्त पत्र भेजे थे

कोलकाता। स्वतंत्रता सेनानी सुभाषचंद्र बोस ने अपने भतीजे अमिया बोस को भारत की आज़ादी के लिए सोवियत संघ से मदद के वास्ते गुप्त पत्र ले जाने का काम सौंपा था, जो ब्रिटेन में अक्टूबर 1939 में एजेंट को देने थे। यह द्वितीय विश्व युद्ध से बमुश्किल एक महीने पहले की बात है। नेताजी के भतीजे की ब्रिटेन पहुंचते ही न्यू स्कॉटलैंड यार्ड के अधिकारियों ने तलाशी ली थी लेकिन वे उनके पास से पत्र हासिल नहीं कर पाए थे। इनमें से एक पत्र भारतीय मूल के ब्रिटिश कम्यूनिस्ट नेता रजनी पालमे दत्त को और दूसरा एक सोवियत एजेंट को सौंपा गया था।

अमिया बोस की बेटी और बोस ब्रॉद्रर्स की लेखिका माधुरी बोस ने पीटीआई-भाषा से एक साक्षात्कार में कहा, मेरे पिता ने बताया था कि उनके चाचा ने उन्हें मई 1939 में कैम्ब्रिज से भारत बुलाया था और रूस मिशन पर जाने को कहा था। उनके पिता शरत बोस को इस बारे में पता था जबकि मां को कोई जानकारी नहीं थी। उनसे अपने ओवरकोट की जेब में संदेश ले जाने के लिए कहा गया था।

अमिया बोस ने अपनी बेटी को बताया था कि उन्होंने सुभाष बोस से कहा था, अगर मैं आपके संदेशों के साथ पकड़ा जाता हूं तो आपको फांसी दे दी जाएगी। बोस ने तब कहा था कि वह खुशी-खुशी जोखिम लेंगे। सुभाष चंद्र बोस की आज 125वीं जयंती है। नेताजी ने सोवियत रूस की सरकार से संपर्क करने के लिए समर्थन प्राप्त करने के वास्ते भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के साथ बैठकें की थीं। माधुरी बोस कहती हैं कि बैठक में भाकपा का प्रतिनिधित्व करने वाले सोली बटलीवाला ने इस कदम पर सहमति जताई थी।

बाटलीवाला ने तीन दशक बाद अमिया बोस को दिए गए बैठक के एक हस्तलिखित रिकॉर्ड में बताया कि नेताजी ने उनसे कहा था, मैं जो रणनीति सुझाता हूं वह है: हम भारत में स्वतंत्रता के लिए पूरे पैमाने पर राष्ट्रीय आंदोलन शुरू करेंगे, उसी समय सोवियत रूस उत्तर की ओर से मार्च करे। नेताजी ने स्पष्ट रूप से बटलीवाला से कहा कि सोवियत रूस पर भरोसा किया जा सकता है कि वह इसका फायदा न उठाए और देश पर कब्जा न करे।

कोलकाता में रहने वाले कम्युनिस्ट के अनुसार, भाकपा इस योजना के पक्ष में नहीं थी, लेकिन इसके लिए सहमत हो गई कि संदेश मास्को तक पहुंच जाए। यह निर्णय लिया गया कि सुभाष चंद्र बोस अमिया के माध्यम से सीधा संवाद करेंगे। समुद्री जहाज से ब्रिटेन के पूले बंदरगाह पर पहुंचने पर, अमिया बोस को न्यू स्कॉटलैंड यार्ड के एक अधिकारी ने रोक लिया, जो अच्छी बंगाली बोलता था। उनसे तीन घंटे तक पूछताछ की गई और उनके सामान की तलाशी ली गई।

मुरादाबाद में यूपी टेट की परीक्षा देने के बाद वापस लौटते हुए अभ्यर्थी।

वैश्विक रुझानों से तय होगी बाजार की चाल

भाषा। नई दिल्ली

इस सप्ताह शेयर बाजारों की चाल वैश्विक रुझानों, कंपनियों के तिमाही नतीजों और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) के रुख से तय होगी। विश्लेषकों ने यह बात कही है। इसके साथ ही विश्लेषकों ने कहा कि मासिक डेरिवेटिव सौदों के निपटान के कारण समीक्षाधीन सप्ताह में उतार-चढ़ाव बना रहेगा।

गणतंत्र दिवस के अवसर पर बुधवार को शेयर बाजार बंद रहेंगे। रेलिगेयर ब्रोकिंग के उपाध्यक्ष (शोध) अजित मिश्रा ने कहा, अवकाश के कारण यह सप्ताह छोटा है, और घटनाओं तथा आंकड़ों के लिहाज से महत्वपूर्ण होने जा रहा है। बाजार सबसे पहले दो बड़ी कंपनियों - रिलायंस इंडस्ट्रीज और आईसीआईसीआई बैंक के परिणामों पर प्रतिक्रिया देगा। मिश्रा ने कहा कि इस समय अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा दरों में वृद्धि के स्तर को लेकर अनिश्चितता से दुनियाभर के बाजारों में डर है और कारोबारियों को 26 जनवरी को तय एफओएमसी (संघीय ओपन मार्केट समिति) की बैठक के नतीजों का इंतजार है।

उन्होंने कहा कि कुल मिलाकर जनवरी महीने के डेरिवेटिव सौदों के निपटान से कारोबारियों के बीच सतर्कता देखने को मिलेगी। उन्होंने कहा कि बजट से पहले कुछ विशेष क्षेत्रों में उम्मीद का असर भी बाजार में देखने को मिल सकता है। इसके अलावा बाजार की नजर एक्सिस बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, मारुति, सिप्ला, वेदांता और लार्सन एंड टुब्रो जैसी कुछ बड़ी कंपनियों के तिमाही परिणाम पर भी होगी। कमजोर वैश्विक धारणा के चलते पिछले सप्ताह बाजार में गिरावट रही।

पिछले सप्ताह सेंसेक्स में 2,185.85 अंक या 3.57 प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि निफ्टी 638.60 अंक या 3.49 प्रतिशत लुढ़क गया। एलकेपी सिक्योरिटीज के प्रमुख (अनुसंधान) एस रंगनाथन ने कहा कि एफपीआई की मुनाफावसूली के चलते सूचकांक में पिछले सप्ताह चार प्रतिशत की गिरावट देखी गई। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के प्रमुख (खुदरा अनुसंधान) सिद्धार्थ खेमका ने कहा कि सप्ताह के अंत में आए रिलायंस इंडस्ट्रीज और आईसीआईसीआई बैंक के नतीजे सोमवार को बाजार को दिशा देंगे। इस सप्ताह फेडरल बैंक, भेल, केनरा बैंक और पीएनबी भी अपने तिमाही परिणामों की घोषणा करने वाले हैं।

सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 2.53 लाख करोड़ रुपए घटा

भाषा। नई दिल्ली

सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में बीते सप्ताह सामूहिक रूप से 2.53 लाख करोड़ रुपए की गिरावट आई। इस दौरान वैश्विक बाजारों में भारी गिरावट के बीच स्थानीय बाजार भी जबर्दस्त बिकवाली दबाव में रहे। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) द्वारा बड़ी कंपनियों और चुनिंदा मध्यम आकार की कंपनियों के शेयरों में मुनाफा काटने से बीएसई के 30 शेयरों वाले सेंसेक्स में साप्ताहिक आधार पर करीब चार प्रतिशत की गिरावट आई। बीते सप्ताह सेंसेक्स 2,185.85 अंक या 3.57 प्रतिशत नीचे आया। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 638.60 अंक या 3.49 प्रतिशत के नुकसान में रहा। शेयर बाजारों में जोरदार गिरावट के बीच देश की शीर्ष 10 कंपनियों का बाजार पूंजीकरण सामूहिक रूप से 2,53,394.63 करोड़ रुपए घट गया। समीक्षाधीन सप्ताह में रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 40,974.25 करोड़ रुपए के नुकसान से 16,76,291.69 करोड़ रुपए पर आ गया। सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की कंपनियों टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और इन्फोसिस को सामूहिक रूप 1,09,498.10 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। टीसीएस की बाजार हैसियत घटकर 14,18,530.72 करोड़ रुपए रह गई। इन्फोसिस का मूल्यांकन 7,51,144.40 करोड़ रुपए पर आ गया। वहीं देश के शीर्ष बैंकों... एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और भारतीय स्टेट बैंक का बाजार मूल्यांकन सामूहिक रूप से 29,239.04 करोड़ रुपए नीचे आ गया। एचडीएफसी बैंक का बाजार मूल्यांकन 13,563.15 करोड़ रुपए के नुकसान से 8,42,876.13 करोड़ रुपए रह गया। एसबीआई की बाजार हैसियत 4,863.91 करोड़ रुपए घटकर 4,48,729.47 करोड़ रुपए पर और आईसीआईसीआई बैंक की 10,811.98 करोड़ रुपए के नुकसान से 5,58,699.39 करोड़ रुपए रह गई। हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार पूंजीकरण 9,938.77 करोड़ रुपए टूटकर 5,45,622.08 करोड़ रुपए पर और बजाज फाइनेंस का 27,653.67 करोड़ रुपए के नुकसान के साथ 4,45,033.13 करोड़ रुपए रह गया। एचडीएफसी का मूल्यांकन 22,003.75 करोड़ रुपए घटकर 4,69,422.38 करोड़ रुपए रह गया। दूरसंचार क्षेत्र की प्रमुख कंपनी भारती एयरटेल के बाजार पूंजीकरण में 14,087.05 करोड़ रुपए की गिरावट आई और यह 3,81,723.36 करोड़ रुपए रह गया। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। उसके बाद क्रमशः टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस आदि का स्थान रहा।

बुनियादी ढांचा क्षेत्र की 445 परियोजनाओं की लागत 4.4 लाख करोड़ रुपए बढ़ी

भाषा। नई दिल्ली

बुनियादी ढांचा क्षेत्र की 150 करोड़ रुपए या इससे अधिक के खर्च वाली 445 परियोजनाओं की लागत में तय अनुमान से 4.4 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। देरी और अन्य कारणों की वजह से इन परियोजनाओं की लागत बढ़ी है। सांख्यिकी और कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय 150 करोड़ रुपए या इससे अधिक लागत वाली बुनियादी ढांचा क्षेत्र की परियोजनाओं की निगरानी करता है। मंत्रालय की दिसंबर, 2021 की रिपोर्ट में कहा गया है कि इस तरह की 1,673 परियोजनाओं में से 445 की लागत बढ़ी है, जबकि 557 परियोजनाएं देरी से चल रही हैं।रिपोर्ट में कहा गया है, इन 1,673 परियोजनाओं के क्रियान्वयन की मूल गत 22,23,791.78 करोड़ रुपए थी, जिसके बढ़कर 26,64,649.18 करोड़ रुपए पर पहुंच जाने का अनुमान है। इससे पता चलता है कि इन परियोजनाओं की लागत 19.82 प्रतिशत या 4,40,857.40 करोड़ रुपए बढ़ी है।

रिपोर्ट के अनुसार, दिसंबर, 2021 तक इन परियोजनाओं पर 13,08,766.65 करोड़ रुपए खर्च हो चुके हैं, जो कुल अनुमानित लागत का 49.12 प्रतिशत है। हालांकि, मंत्रालय का कहना है कि यदि परियोजनाओं के पूरा होने की हालिया समयसीमा के हिसाब से देखें, तो देरी से चल रही परियोजनाओं की संख्या कम होकर 420 पर आ जाएगी। रिपोर्ट में 838 परियोजनाओं के चालू होने के साल के बारे में जानकारी नहीं दी गई है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि देरी से चल रही 557 परियोजनाओं में 97 परियोजनाएं एक महीने से 12 महीने की, 127 परियोजनाएं 13 से 24 महीने की, 217 परियोजनाएं 25 से 60 महीने की और 116 परियोजनाएं 61 महीने या अधिक की देरी में चल रही हैं। इन 557 परियोजनाओं की देरी का औसत 45.69 महीने है।

इन परियोजनाओं की देरी के कारणों में भूमि अधिग्रहण में विलंब, पर्यावरण और वन विभाग की मंजूरियां मिलने में देरी और बुनियादी संरचना की कमी प्रमुख हैं। इनके अलावा परियोजना का वित्तपोषण, विस्तृत अभियांत्रिकी को मूर्त रूप दिए जाने में विलंब, परियोजनाओं की संभावनाओं में बदलाव, निविदा प्रक्रिया में देरी, ठेके देने व उपकरण मंगाने में देरी, कानूनी व अन्य दिक्कतें, अप्रत्याशित भू-परिवर्तन आदि जैसे कारक भी देरी के लिए जिम्मेदार हैं।

देवास के शेयरधारक विदेश में भारतीय संपत्तियों को जब्त करने पर अडिग

भाषा। नई दिल्ली

● कोर्ट के फैसले के बाद भी कंपनी के शेयर धारक अपने रुख पर बरकरार

उच्चतम न्यायालय द्वारा देवास मल्टीमीडिया के परिसमापन को सही ठहराने के फैसले से प्रभावित हुए बिना कंपनी के शेयरधारक 1.2 अरब अमेरिकी डॉलर हासिल करने के लिए विदेश में भारत सरकार की संपत्तियों को जब्त करने की मांग जारी रखेंगे। देवास मल्टीमीडिया के वकील ने यह बात कही। हालांकि, उन्होंने कहा कि कंपनी मुद्दे को बातचीत के जरिए सुलझाने के लिए तैयार है। गौरतलब है कि मध्यस्थता न्यायाधिकरण ने उपग्रह स्पेक्ट्रम उपयोग का अनुबंध रद्द किए जाने के मामले में देवास मल्टीमीटिया को हर्जाना देने का आदेश दिया है। गिब्सन, डन एंड क्रचर के पार्टनर और देवास के शेयरधारकों के वकील मैथ्यू डी मैकगिल ने कहा, उच्चतम न्यायालय के फैसले से कुछ भी नहीं बदला है। नरेंद्र मोदी सरकार और भारतीय अदालतें तथ्यों को फिर से नहीं लिख सकती हैं। धोखाधड़ी के उनके तुच्छ आरोप भारत के बाहर की अदालतों में कभी नहीं टिकेंगे। उन्होंने कहा, मोदी सरकार के लिए बातचीत की मेज पर लौटना और समझौता वार्ता को जारी रखना ही बेहतर होगा। देवास मल्टीमीडिया के एक प्रवक्ता ने कहा, हम पहले ही भारत सरकार की करोड़ों डॉलर की संपत्ति को जब्त करने का आदेश हासिल कर चुके हैं। जब तक भारत भरोसे के साथ बातचीत की मेज पर नहीं लौटता, हम संपत्तियों की पहचान करना और उन्हें जब्त करना जारी रखेंगे। प्रवक्ता ने कहा, मोदी सरकार की रणनीति को समझना आसान है। वे दुनिया भर में देवास पर हमला करने के लिए शीर्ष अदालत के फैसले का उपयोग करेंगे, हालांकि, हम तैयार हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बीते दिनों कहा था कि सरकार देवास मल्टीमीडिया के परिसमापन को सही ठहराने के उच्चतम न्यायालय के फैसले के आधार पर विदेशों में अपनी परिसंपत्तियों की जब्ती को चुनौती देगी। उन्होंने उच्चतम न्यायालय के 17 जनवरी को आए फैसले के कुछ अंश उद्धृत करते हुए कहा, यह कांग्रेस का कांग्रेस के लिए और कांग्रेस द्वारा किया गया फरेब है। इस फैसले में देवास मल्टीमीडिया के परिसमापन के आदेश को इस आधार पर बरकरार रखा गया है कि इसे धोखाधड़ी से अंजाम दिया गया था। संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के दौरान वर्ष 2005 में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की वाणिज्यिक इकाई एंट्रिक्स और देवास के बीच स्पेक्ट्रम उपयोग को लेकर करार हुआ था। इसके जरिए मोबाइल फोनधारकों को मल्टीमीडिया सेवाएं मुहैया कराई जानी थी।सीतारमण ने दावा किया कि केंद्रीय मंत्रिमंडल की जानकारी के बगैर ही एंट्रिक्स को इस सौदे के तहत एस-बैंड के स्पेक्ट्रम देने पर हामी भरी गई थी। उन्होंने कहा कि विवाद बढ़ने पर संप्रग सरकार ने छह साल बाद इस सौदे को निरस्त किया लेकिन देवास की तरफ से शुरू की गई मध्यस्थता कार्यवाही से निपटने की कोशिश नहीं की। उन्होंने कहा, सरकार अब करदाताओं के पैसे बचाने के लिए हर अदालत में लड़ रही है अन्यथा यह राशि मध्यस्थता फैसले के भुगतान में चली जाती, जो देवास ने सौदे को रद्द करने पर जीता है। उनकी यह टिप्पणी ऐसे वक्त में आई है जब देवास के शेयरधारकों ने 1.29 अरब डॉलर की वसूली के लिए विदेशों में भारतीय संपत्तियों को जब्त करने के प्रयास तेज कर दिए हैं। देवास को इस धनराशि की भरपाई का आदेश अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता न्यायाधिकरणों ने दिया था।

देवास को पेरिस में भारतीय संपत्तियों को जब्त करने के लिए फ्रांसीसी अदालत ने आदेश दिया है और वह कनाडा में भी एयर इंडिया की संपत्ति जब्त करने की मांग कर रही है। यह सौदा 2011 में इस आधार पर रद्द कर दिया गया कि ब्रॉडबैंड स्पेक्ट्रम की नीलामी धोखाधड़ी में हुई थी और सरकार को राष्ट्रीय सुरक्षा और अन्य सामाजिक उद्देश्यों के लिए एस-बैंड उपग्रह स्पेक्ट्रम की जरूरत थी।इसके बाद देवास मल्टीमीडिया ने इंटरनेशनल चैंबर्स ऑफ कॉमर्स (आईसीसी) में फैसले के खिलाफ मध्यस्थता कार्वाई शुरू की। इसके अलावा देवास के निवेशकों द्वारा दो अन्य मध्यस्थता कार्वाई भी शुरू की गईं। भारत को तीनों मामलों में हार का सामना करना पड़ा और नुकसान की भरपाई के लिए कुल 1.29 अरब डॉलर का भुगतान करने को कहा गया।

सूती धागे, कपड़े के ऊंचे दाम पर लगाम लगाने की मांग

नई दिल्ली। नोएडा परिधान निर्यात क्लस्टर (एनएईसी) ने रविवार को सरकार से सूती धागे और कपड़े के ऊंचे दाम पर लगाम लगाने की मांग की, क्योंकि इनकी बढ़ती कीमतों का असर निर्यातकों पर पड़ रहा है। एनएईसी के अध्यक्ष ललित ठुकराल ने कपास के निर्यात पर नियंत्रण, कपास के आयात पर 10 प्रतिशत शुल्क को हटाने और कपास तथा अन्य कच्चे माल की कीमतों को विनियमित करने के लिए एक व्यवस्था बनाने का सुझाव दिया।उन्होंने कहा, परिधान उद्योग सूती धागे और कपड़ों की भारी लागत से जूझ रहा है। पिछले कुछ महीनों के दौरान कपास की कीमतों में 80 प्रतिशत तक बढ़ोतरी हुई है। कपास की 335 किलोग्राम की गांठ की कीमत 37,000 रुपए से बढ़कर 74,000 रुपए हो गई है।

समारा कैपिटल एफआरएल में 7,000 करोड़ का निवेश करने को तैयार, अमेजन ने की पुष्टि

भाषा। नई दिल्ली

अमेजन ने फ्यूचर रिटेल लिमिटेड (एफआरएल) के स्वतंत्र निदेशकों को पत्र लिखकर पुष्टि की है कि समारा कैपिटल कर्ज में डूबी कंपनी की सभी खुदरा संपत्तियां खरीदने के लिए 7,000 करोड़ रुपए का निवेश करने को इच्छुक और प्रतिबद्ध है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अमेजन ने खुदरा कंपनी को रविवार तक जांच-परख की रिपोर्ट (खरीदारी से संबंधित वित्तीय ब्यौरा) समारा को सौंपने के लिए कहा है। इससे पहले अमेजन ने 19 जनवरी को एफआरएल के स्वतंत्र निदेशकों से संपर्क कर कंपनी की वित्तीय चिंताओं को दूर करने के लिए मदद की इच्छा जताई थी।

इसके जवाब में स्वतंत्र निदेशकों ने अमेजन को 22 जनवरी तक इस बात की पुष्टि करने को कहा कि क्या वह 29 जनवरी, 2022 तक एफआरएल के कर्जदाताओं को देने के लिए खुदरा कंपनी में 3,500 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। अमेजन ने 22 जनवरी को अपने जवाब में कहा, हम पुष्टि करते हैं कि 21 जनवरी, 2022 को आपके पत्र के आधार पर समारा कैपिटल ने एक बार फिर हमें बताया है कि उनकी दिलचस्प है और वह समारा, एफआरएल और एफआरएल के प्रवर्तकों के बीच हस्ताक्षरित 30 जून 2020 की पेशकश को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस समझौते के अनुसार, 7,000 करोड़ रुपए में खरीद की बात कही गई है, जिसकी एक प्रति पीटीआई-भाषा ने देखी है।अमेजन ने अपने पत्र में कहा कि समारा समझौते के तहत एफआरएल की सभी खुदरा संपत्तियों का अधिग्रहण किया जाना है, जिसमें ईजी डे, आधार और हेरिटेज ब्रांड शामिल हैं। यह अधिग्रहण समारा की अगुवाई में भारतीय स्वामित्व और नियंत्रण वाली इकाई द्वारा किया जाएगा, जिसे अमेजन का समर्थन हासिल होगा। इस संबंध में अमेजन और फ्यूचर समूह को भेजे गए ईमेल का कोई जवाब नहीं मिला था। इससे पहले अमेजन ने एफआरएल के स्वतंत्र निदेशकों को पत्र लिखकर कहा था कि कंपनी द्वारा उसकी सहमति के बिना छोटे आकार के स्टोर को बेचना रोक के आदेश का उल्लंघन होगा। हालांकि, इसके साथ ही अमेजन ने नकदी संकट से जूझ रही कंपनी के वित्तीय संकट को दूर करने की इच्छा फिर दोहराई थी।

रिलायंस रिटेल के साथ फ्यूचर समूह के 24,731 करोड़ रुपए के बिक्री सौदे को अमेजन ने चुनौती दी है।

एचडीएफसी ने सस्ते घरों के वित्तपोषण के लिए 1.88 अरब डॉलर का तीसरा कोष पूरा किया

नई दिल्ली। एचडीएफसी लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी एचडीएफसी कैपिटल ने सस्ते घरों के वित्तपोषण के लिए 1.88 अरब डॉलर या 13,500 करोड़ रुपए के तीसरे कोष को शुरुआती रूप से पूरा कर लिया है। एचडीएफसी कैपिटल ने एक बयान में कहा कि उसका लक्ष्य नवोन्मेषी वित्तपोषण, साझेदारियों और प्रौद्योगिकी के समागम से भारत में दस लाख किफायती मकानों के निर्माण के लिए वित्तपोषण उपलब्ध कराने का है। कंपनी इस उद्देश्य की प्राप्ति के लिए अग्रणी वैश्विक निवेशकों के साथ सक्रियता से विचार-विमर्श कर रही है ताकि भारत में सस्ते घरों के निर्माण में निवेश के लिए अतिरिक्त धन जुटाया जा सके। एचडीएफसी कैपिटल अफॉर्डेबल रीयल एस्टेट फंड-3 (एच-केयर-3) भारत में घरों के निर्माण में निवेश के लिहाज से सबसे बड़े कोषों में से है।

फार्मा उद्योग को पूरा भरोसा, बजट में स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए आवंटन बढ़ेगा

भाषा। नई दिल्ली

घरेलू फार्मास्युटिकल्स (दवा) उद्योग को आगामी आम बजट से काफी उम्मीदें हैं। उद्योग का मानना है कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 2022-23 के बजट में स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र के लिए आवंटन बढ़ाने, शोध एवं विकास गतिविधियों को प्रोत्साहन और विभिन्न दवाओं पर कर छूट को जारी रखने जैसे कदम उठाएंगी।

इसके अलावा उद्योग विभिन्न प्रक्रियाओं का सरलीकरण भी चाहता है, जिससे निजी क्षेत्र की कंपनियों के लिए कारोबार सुगमता की स्थिति बेहतर हो सकेगी।

भारतीय फार्मास्युटिकल्स उत्पादकों के संगठन (ओपीपीआई) के अध्यक्ष एस श्रीधर ने पीटीआई-भाषा से कहा, बजट में स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए आवंटन सकल घरेलू उत्पाद के मौजूदा 1.8 प्रतिशत से बढ़ाकर 2.5 से तीन प्रतिशत किया जाना चाहिए। इसके अलावा जैव-फार्मास्युटिकल क्षेत्र में शोध एवं विकास के लिए अलग से आवंटन किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि बीते साल उद्योग ने उल्लेखनीय रफ्तार दर्ज की। विशेषरूप से कोविड-19 का टीका और दवाएं उपलब्ध कराने में उद्योग आगे रहा। श्रीधर ने कहा कि इस साल का बजट उद्योग की वृद्धि को जारी रखने और सिर्फ कोविड ही नहीं अन्य बीमारियों के लिए नवोन्मेषी स्वास्थ्य समाधानों तक पहुंच की दृष्टि से महत्वपूर्ण रहेगा।

उन्होंने कहा कि सरकार को दवाओं पर सीमा शुल्क छूट को जारी रखना चाहिए। यदि सरकार ऐसा नहीं करती है, तो मौजूदा परिदृश्य में इस तरह की दवाओं को उचित मूल्य पर उपलब्ध कराना संभव नहीं होगा। उन्होंने कहा कि विरले प्रकार के रोगों के लिए नवोन्मेषी दवाओं पर आयात शुल्क छट पर विचार किया जाना चाहिए। इंडियन फार्मास्युटिकल अलायंस (आईपीए) के महासचिव सुदर्शन जैन ने कहा, फार्मा क्षेत्र में कारोबार सुगमता की स्थिति को सुगम करने के लिए अतिरिक्त उपाय किए जाने चाहिए। प्रक्रियाओं को सरल और उद्योग के अनुकूल किया जाना चाहिए। साथ ही अड़चनों को दूर करने और निवेश को प्रोत्साहन के कदम उठाए जाने चाहिए।

पेज एक का शेष

ओमीक्रोन का...

है। प्रतिरक्षा को इसके भेदने की आशंका है, लेकिन फिलहाल यह 'चिंताजनक' स्वरूप नहीं है। अब तक, भारत में ऐसे किसी भी मामले का पता नहीं चला है। बुलेटिन में स्पष्ट कहा गया है कि भारत में ओमीक्रोन का प्रसार अब विदेशी यात्रियों के माध्यम से नहीं बल्कि देश के भीतर ही होने की आशंका है। संक्रमण के प्रसार के बदलते परिदृश्य के मद्देनजर आईएनएसएसीओजी में नमूना एकत्र करने और अनुक्रमण रणनीति में संशोधन पर काम किया जा रहा है।

बजट सत्र...

एक साथ चलेगी या अलग-अलग पालियों में, इस पर फैसला अभी किया जाना है। देश में पिछले 24 घंटे के दौरान कोविड-19 के 3,33,533 नए मामले सामने आए हैं। इसी केसाथ अब तक संक्रमित हुए लोगों की कुल संख्या बढ़कर 3,92,37,264 हो गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के रविवार को जारी ताजा आंकड़ों के अनुसार देश में उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर 21,87,205 हो गई है, जबकि पिछले 24 घंटे के दौरान 525 संक्रमितों की मौत के साथ महामारी से जान गंवाने वालों की कुल संख्या 4,89,409 तक पहुंच गई है।

इतिहास की...

2020, 2021 और 2022 के लिए 'सुभाष चंद्र बोस आपदा प्रबंधन पुरस्कार' भी प्रदान किए। समारोह के दौरान कुल सात पुरस्कार प्रदान किए गए। केंद्र सरकार ने आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में भारत में लोगों और संगठनों के अमूल्य योगदान और निस्वार्थ सेवा को पहचान देने और सम्मानित करने के लिए वार्षिक पुरस्कार की शुरुआत की है। मोदी ने कहा कि उनकी सरकार ने आपदा प्रबंधन को प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा कि जिन्होंने भारत की धरती पर पहली आजाद सरकार को स्थापित किया था, हमारे उन नेताजी की भव्य प्रतिमा आज डिजिटल स्वरूप में इंडिया गेट के समीप स्थापित हो रही है। जल्द ही इस होलोग्राम प्रतिमा के स्थान पर ग्रेनाइट की विशाल प्रतिमा भी लगेगी। उन्होंने कहा कि यह प्रतिमा लोकतांत्रिक संस्थाओं, वर्तमान और आने वाली पीढ़ियों को उनके कर्तव्यों की याद दिलाएगी और उन्हें प्रेरित करेगी। होलोग्राम प्रतिमा को 30,000 लुमेन 4के प्रोजेक्टर द्वारा संचालित किया जाएगा। एक अदृश्य 90 प्रतिशत पारदर्शी होलोग्राफिक स्क्रीन इस तरह से लगाई गई है कि यह आगंतुकों को दिखाई नहीं देती। सरकार ने कहा है कि होलोग्राम का प्रभाव पैदा करने के लिए उस पर नेताजी की थ्रीडी तस्वीर लगाई जाएगी। इस प्रतिमा का आकार 28 फुट ऊंचा और 6 फुट चौड़ा है।

उप्र से...

हैं जो भाजपा छोड़कर चले जाएंगे। अपने अगले फैसले के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि पता चल जाएगा। उल्लेखनीय है कि भाजपा से हाल के दिनों में सरकार के श्रम एवं सेवायोजन मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य, वन व पर्यावरण मंत्री दारा सिंह चौहान और आयुष मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्म सिंह सैनी ने त्यागपत्र देकर सपा की सदस्यता ग्रहण कर ली। बांदा के तिंदवारी के विधायक बृजेश प्रजापति, शाहजहांपुर के तिलहर के विधायक रोशन लाल वर्मा, कानपुर के बिल्हौर के विधायक भगवती प्रसाद सागर, औरैया के बिधूना के विधायक विनय शाक्य, खलीलाबाद के विधायक दिग्विजय नारायण उर्फ जय चौबे, बहराइच की नानपारा की विधायक माधुरी वर्मा और सीतापुर के विधायक राकेश राठौर भी भाजपा से इस्तीफा देने वालों में शामिल हैं।

पंजाब में...

उम्मीदवार उतारे जा सकने की संभावना है। चुनाव में भाजपा की संभावनाओं के बारे में चुघ ने कहा कि पार्टी अपने शानदार प्रदर्शन से सबको चौंका देगी। सहयोगी दलों के साथ सीट साझेदारी पर चुघ ने कोई ब्योरा नहीं दिया, लेकिन कहा, भाजपा गठबंधन में वरिष्ठ साझेदार की भूमिका निभाएगी। उन्होंने पीटीआई-भाषा से कहा, भाजपा जितनी सीट पर चुनाव लड़ेगी, उनमें से करीब आधे पर सिख उम्मीदवारों को उतारेगी और समग्र रूप से गठबंधन के करीब 60 प्रतिशत सिख उम्मीदवार होंगे, जिनमें ज्यादातर किसान और ओबीसी तथा अनुसूचित जाति (एससी) समुदायों से होंगे। भाजपा 34 उम्मीदवारों की अपनी पहली सूची जारी कर चुकी है, जिनमें 13 किसान समुदाय से और एससी समुदाय से नौ उम्मीदवार हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या भाजपा या गठबंधन किसी को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार बनाएगा, चुघ ने कहा, सभी विकल्प खुले हैं। केंद्र के तीन कृषि कानूनों पर प्रदर्शन के बाद पंजाब में भाजपा की स्वीकार्यता के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय दलों ने भाजपा के साथ गठबंधन किया है और सिख धार्मिक संगठनों से जुड़े ज्यादातर लोग पार्टी में शामिल हुए हैं, इस तरह यह राज्य में भाजपा की स्वीकार्यता को प्रदर्शित करता है। कांग्रेस के पंजाब प्रमुख नवजोत सिंह सिद्धू पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए चुघ ने कहा, पंजाब, विभाजन से सर्वाधिक प्रभावित हुआ और आज की तारीख तक पाकिस्तान के चलते। इसलिए, यह पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान के उन दोस्तों को खारिज कर देगा जो उन्हें शांति का दूत बताते हैं।

चीन की...

की हिरासत में है और जल्द ही सौंप दिया जाएगा। गाओ ने 19 जनवरी को दावा किया था कि पीएलए ने अपर सियांग जिले के सियुंगला इलाके (बिशिंग गांव) के लुंगटा जोर से तरोन को अगवा कर लिया है। तरोन के दोस्त जॉनी यायिंग ने पीएलए द्वारा अगवा किए जाने के बारे में प्राधिकारियों को सूचित किया। दोनों जिदो गांव के स्थानीय शिकारी हैं। घटना उस स्थान के पास हुई जहां से त्सांगपो नदी भारत में अरुणाचल प्रदेश में प्रवेश करती है। त्सांगपो को अरुणाचल प्रदेश में सियांग और असम में ब्रह्मपुत्र कहा जाता है। 20 जनवरी को, चीन के विदेश मंत्रालय ने कहा था कि उसे इस घटना की जानकारी नहीं है, लेकिन कहा था कि पीएलए सीमाओं को नियंत्रित करती है और अवैध प्रवेश और निकास गतिविधियों पर कार्वाई करती है। सितंबर 2020 में, पीएलए ने अरुणाचल प्रदेश के अपर सुबनसिरी जिले से पांच युवकों को अगवा कर लिया था। करीब एक सप्ताह बाद पीएलए ने युवकों को रिहा किया था। नवीनतम घटना ऐसे समय हुई है जब भारतीय सेना और चीन की सेना के बीच लद्दाख में अप्रैल 2020 से गतिरोध है। भारत लद्दाख से अरुणाचल प्रदेश तक चीन के साथ 3,400 किलोमीटर लंबी वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) साझा करता है।

दिल्ली और...

वाणिज्यिक संचालन दिल्ली से काशी के लिए 22 मार्च से होगा। उन्होंने बताया कि ट्रेन में प्रथम और द्वितीय वातानुकूलित श्रेणी में कुल 156 सीट होंगी। उन्होंने बताया कि आईआरसीटीसी यात्रियों के लिए चार रात और पांच दिन का यात्रा पैकेज उपलब्ध कराएगा, जिसमें खाना, रहना और वाराणसी के विभिन्न प्रमुख स्थलों पर घूमना शामिल है।

राजपथ पर...

टेवोर राइफलें होंगी। उन्होंने कहा कि कुल 14 मार्चिंग दल होंगे। इनमें सेना के छह, नौसेना का एक, वायु सेना का एक, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) के चार, राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के दो, दिल्ली पुलिस का एक और राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) से एक दस्ता शामिल होगा।

दिल्ली डिस्कॉम की दादरी संयंत्र से महंगी बिजली न खरीदने की याचिका पर एपीटीईएल करेगा सुनवाई

नई दिल्ली। बिजली अपीलीय न्यायाधिकरण (एपीटीईएल) दिल्ली की तीन बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) की संयुक्त याचिका पर सोमवार को सुनवाई करेगा, जिसमें उन्होंने एनटीपीसी के दादरी स्थित संयंत्र से महंगी बिजली खरीदने के बजाए उपभोक्ताओं के लिए सस्ती बिजली खरीदने की अनुमति देने का अनुरोध किया है। डिस्कॉम के सूत्रों ने बताया कि दिल्ली के तीन डिस्कॉम बीआरपीएल, बीवाईपीएल और टीपीडीडीएल ने केंद्रीय बिजली नियामक आयोग (सीईआरसी) के आदेश को एपीटीईएल में चुनौती दी थी जिसमें आयोग ने उन्हें एनटीपीसी के दादरी स्थित बिजली संयंत्र के साथ बिजली खरीद समझौते से अलग होने की मंजूरी देने से इनकार कर दिया था। सूत्रों ने बताया कि तीनों डिस्कॉम ने सीईआरसी के फैसले के खिलाफ उच्चतम न्यायालय का रूख किया था लेकिन न्यायालय ने उन्हें कहा कि राहत पाने के लिए वे एपीटीईएल जाएं। डिस्कॉम के अधिकारियों ने बताया कि बिजली खरीद लागत को अनुकूलित करने के अपने प्रयासों के तहत तीनों डिस्कॉम ने दादरी संयंत्र से विद्युत की खरीद को रोकने का फैसला किया था। नंवबर 2020 डिस्कॉम ने इस समझौते से अलग होने की मांग की लेकिन एनटीपीसी ने इससे इनकार कर दिया।

यूक्रेन की सरकार को बदलना चाहता है रूस : ब्रिटेन

भाषा। लंदन

ब्रिटेन ने रूस पर आरोप लगाया है कि वह यूक्रेन की सरकार को मॉस्को समर्थित प्रशासन से बदलना चाहता है। इसने कहा कि यूक्रेन के पूर्व सांसद एवेनी मुराएव को इसके लिए संभावित उम्मीदवार माना जा रहा है।

मुराएव रूस समर्थक छोटी पार्टी नाशी के प्रमुख हैं, जिसके पास वर्तमान में यूक्रेन की संसद में कोई सीट नहीं है। ब्रिटेन के विदेश कार्यालय ने यूक्रेन के कई अन्य नेताओं का नाम लिया, जिनके बारे में कहा गया कि उनके रूसी खुफिया सेवाओं के साथ संबंध रहे हैं।

इस बीच, रूस के विदेश मंत्रालय ने रविवार को ब्रिटेन के इस दावे को खारिज किया। रूसी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने टेलीग्राम ऐप पर कहा, ब्रिटेन के विदेश मंत्रालय द्वारा फैलाई जा रही झूठी जानकारी इस बात को पुख्ता तौर पर प्रमाणित करती है कि नाटो देश यूक्रेन के आसपास तनाव को बढ़ा रहे हैं। हम ब्रिटेन के विदेश मंत्रालय से उकसावे वाली गतिविधियां बंद करने का अनुरोध करते हैं। ब्रिटेन की सरकार ने यह दावा एक खुफिया आकलन के आधार पर किया है लेकिन इसके समर्थन में कोई सबूत पेश नहीं किया है। ब्रिटेन ने यह आरोप ऐसे वक्त लगाया है जब रूस और पश्चिमी देशों के बीच यूक्रेन को लेकर तनाव चल रहा है। विदेश मंत्री लिज ट्रस ने कहा कि यह जानकारी यूक्रेन का विनाश करने के इरादे से की जा रही रूसी गतिविधि पर प्रकाश डालती है और क्रेमलिन की सोच को दर्शाती है। उन्होंने ब्रिटेन का विचार दोहराते हुए कहा, रूसी सेना की किसी भी बड़ी रणनीतिक भूल के लिए रूस को भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। ब्रिटेन ने संभावित रूसी हमले से यूक्रेन की रक्षा को मजबूत करने के प्रयासों के तहत वहां टैंक भेदी अस्त्र भेजे हैं। यूक्रेन संकट को कम करने के राजनयिक प्रयासों के बीच, मॉस्को में वार्ता के लिए ब्रिटेन के रक्षा मंत्री बेन वालेस के रूसी रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगु से मिलने की उम्मीद है। बैठक के लिए कोई समय नहीं दिया गया है। यह 2013 के बाद पहली ब्रिटेन-रूस द्विपक्षीय रक्षा वार्ता होगी। यूक्रेन में रूस के हमले की आशंका के मद्देनजर अमेरिका ने हाल के दिनों में अपने यूरोपीय सहयोगियों को एकजुट करते हुए आक्रामक अभियान चलाया है। व्हाइट हाउस ने ब्रिटेन सरकार के इस आकलन को बेहद चिंताजनक बताया है और कहा कि वह यूक्रेन की चुनी हुई सरकार के साथ खड़ा है। अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की प्रवक्ता एमिली होम ने कहा, इस तरह की साजिश वाकई में चिंताजनक है। यूक्रेन के लोगों को अपना भविष्य खुद तय करने का संप्रभु अधिकार है और हम यूक्रेन में लोकतांत्रिक तरीके से चुने गए अपने भागीदारों के साथ खड़े हैं। यह आकलन ऐसे वक्त आया है जब अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने शनिवार को वाशिंगटन के बाहर कैंप डेविड में यूक्रेन की स्थिति को लेकर अपनी वरिष्ठ राष्ट्रीय सुरक्षा टीम के साथ बातचीत की। इस बीच, तीन बाल्टिक देशों- एस्टोनिया, लात्विया और लिथुआनिया के रक्षा मंत्रियों ने एक संयुक्त बयान में कहा कि वे यूक्रेन के प्रति एकजुटता और उसकी संप्रभुता की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं। यूक्रेन पर रूस के संभावित हमले का अमेरिका विरोध कर रहा है। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने ट्वीट किया कि अमेरिका पूर्व सोवियत गणराज्यों और नाटो देशों के यूक्रेन के प्रति समर्थन को सलाम करता है। इस बीच, ब्लिंकन और रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के बीच शुक्रवार को हुई बैठक का कोई नतीजा नहीं निकला।क्रेमलिन (रूस के राष्ट्रपति कार्यालय) के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने इस सप्ताह की शुरुआत में पश्चिमी देशों द्वारा यूक्रेन को हथियारों की आपूर्ति किए जाने को बेहद खतरनाक बताया था और कहा था कि इससे तनाव कम नहीं होगा बल्कि और बढ़ेगा। एस्टोनिया सोवियत निर्मित हॉवित्जर तोप यूक्रेन भेजने के लिए जर्मनी की मंजूरी चाहता है, जो कभी पूर्वी जर्मनी का हिस्सा था। जर्मनी ने शुक्रवार को कहा कि वह एस्टोनिया के अनुरोध पर विचार कर रहा है। यूक्रेन के विदेश मंत्री दिमित्रो कुलेबा ने आरोप लगाया कि जर्मनी यूक्रेन के लिए पर्याप्त समर्थन नहीं दिखा रहा है।

यूक्रेन संबंधी टिप्पणियों के बाद जर्मनी के नौसेना प्रमुख ने दिया इस्तीफा

भाषा। बर्लिन

जर्मनी के नौसेना प्रमुख ने यूक्रेन और रूस संबंधी टिप्पणियों के कारण देश और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हो रहीं उनकी आलोचनाओं के बीच शनिवार देर रात इस्तीफा दे दिया।वाइस एडमरिल के अचिम शोएनबैक ने भारत में आयोजित एक समारोह में शुक्रवार को कहा था कि रूस ने 2014 में जिस क्रीमिया प्रायद्वीप पर कब्जा किया था, वह यूक्रेन को वापस नहीं मिलेगा।उन्होंने कहा था कि रूस को चीन के खिलाफ एक ही पक्ष रखना महत्वपूर्ण है। उन्होंने साथ ही कहा था कि रूस के राष्ट्रपति व्लादीमिर पुतिन सम्मान के हकदार हैं। शोएनबैक के इन बयानों ने यूक्रेन को नाराज कर दिया और उसने अपनी शिकायत दर्ज कराने के लिए जर्मनी के राजदूत को तलब किया था। शोनएबैक को बर्लिन में भी आलोचनाएं झेलनी पड़ीं।शोएनबैक ने शनिवार देर रात इस्तीफा देते हुए कहा कि वह बिना सोचे-समझे दिए गए अपने बयानों के कारण जर्मनी और उसकी सेना को और नुकसान होने से बचाना चाहते हैं।जर्मन नौसेना ने एक बयान में बताया कि रक्षा मंत्री क्रिस्टीन लैम्ब्रेक्ट ने शोएनबैक का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है और नौसेना के उप प्रमुख को अंतरिम प्रमुख बना दिया है।जर्मन सरकार ने जोर देकर कहा कि वह यूक्रेन पर रूसी सैन्य खतरे के मामले पर अपने उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) सहयोगियों के साथ एकजुट होकर खड़ा है। उसने चेतावनी दी कि यदि रूस यूक्रेन में कोई सैन्य कार्वाई करता है तो उसे इसकी भारी कीमत चुकानी होगी, लेकिन अन्य नाटो देशों के विपरीत बर्लिन ने कहा कि वह यूक्रेन को घातक हथियारों की आपूर्ति नहीं करेगा, क्योंकि वह तनाव बढ़ाना नहीं चाहता है।

क्विक न्यूज

पाकिस्तानी मूल की ब्रिटिश सांसद का मुस्लिम होने के नाते ब्रिटिश मंत्रिमंडल से निकाले जाने का आरोप

लंदन। पाकिस्तान मूल की एक ब्रिटिश सांसद ने रविवार को आरोप लगाया कि मुसलमान होने के कारण फरवरी, 2020 में कंजरवेटिव पार्टी सरकार ने उन्हें मंत्रिपद से बर्खास्त कर दिया। नुसरत गनी (49) को पूर्व प्रधानमंत्री थेरेसा मे की सरकार में 2018 में परिवहन विभाग में ब्रिटेन का कनिष्ठ मंत्री नियुक्त किया गया था। फरवरी, 2020 में प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन की सरकार द्वारा मंत्रिमंडल में फेरबदल के दौरान उन्हें अपना मंत्रिपद गंवाना पड़ा। गनी ने द संडे से कहा, मंत्रिमंडल में फेरबदल के बाद सचेतकों के साथ बैठक में मैंने पूछा कि मुझे मंत्रिमंडल से हटाने के पीछे क्या सोच है। डाउनिंग स्ट्रीट में इस बैठक के दौरान मुझसे कहा गया कि उनका मुसलमान होने का मुद्दा उठाया गया, यह कि मुस्लिम महिला मंत्री से मंत्रिमंडलीय सहयोगी असहज हो रहे थे, इस बात की चिंता रखी गई कि मैं पार्टी के प्रति निष्ठावान नही हूं क्योंकि मैंने इस्लाम से नफरत संबंधी आरोपों के विरूद्ध पार्टी का बचाव करने के लिए पर्याप्त कदम नही उठाए। कंजरवेटिव पार्टी के मुख्य सचेतक मार्क स्पेंसर ने ट्विटर पर एक बयान में कहा कि गनी के आरोप बिल्कुल झूठे है।

दक्षिण कोरिया ने संरा में ईरान के मतदान अधिकार को बहाल करने के लिए उसका बकाया भुगतान किया

दुबई। अमेरिकी प्रतिबंधों से मुक्त कराए गए ईरानी बैंक के धन का उपयोग करते हुए दक्षिण कोरिया ने संयुक्त राष्ट्र को ईरान पर बकाया 1.8 डॉलर की राशि का भुगतान किया है। सियोल ने रविवार को यह जानकारी दी।वैश्विक संस्था में ईरान के निलंबित मतदान अधिकार को बहाल करने के लिए इस कदम को संभवतः अमेरिका द्वारा मंजूरी दी गई थी। संयुक्त राष्ट्र में ईरान के मिशन ने इस विषय पर तत्काल कोई टिप्पणी नही की है। हालांकि, दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्रालय ने कहा कि सियोल ने अमेरिकी वित्त विभाग से परामर्श करने के बाद यह कदम उठाया है। मंत्रालय ने कहा कि उसे बकाया राशि को लेकर इस महीने की शुरुआत में ईरान के निलंबित कर दिए गए मतदान अधिकार को तत्काल बहाल किए जाने की उम्मीद है। ईरान के विश्व के शक्तिशाली देशों के साथ ऐतिहासिक परमाणु समझौते से अमेरिका के बाहर होने के बाद तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों के तहत दक्षिण कोरिया में स्थित एक ईरानी बैंक के इस धन को जब्त कर लिया गया था।

नॉर्वे में तालिबान के साथ वार्ता शुरू

ओस्लो। कार्यवाहक विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी की अगुवाई में तालिबान के एक प्रतिनिधिमंडल ने पश्चिमी सरकार के अधिकारियों और अफगान नागरिक संस्थाओं के प्रतिनिधियो के साथ ओस्लो में रविवार से तीन दिवसीय वार्ता शुरू की। अफगानिस्तान में बिगड़ती मानवीय स्थिति के बीच यह वार्ता हो रही है। बैठक नॉर्वे की राजधानी ओस्लो के ऊपरी इलाके में बर्फ से ढके पहाड़ों पर बने एक होटल में हो रही है और पहले दिन तालिबान के प्रतिनिधि अफगानिस्तान और अफगान प्रवासियो से महिला अधिकार कार्यकर्ताओ और मानवाधिकार के हिमायतियों से मुलाकात करेंगे। वार्ता से पहले, तालिबान के संस्कृति और सूचना उप मंत्री ने मुत्ताकी की तरफ से एक वॉयस संदेश ट्वीट किया,"उपलब्धियों से भरी एक अच्छी यात्रा की आशा व्यक्त करते हुए और नॉर्वे को धन्यवाद देते हुए उन्होने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि यह" यूरोप के साथ सकारात्मक संबंधो के लिए एक प्रवेश द्वार बन जाएगा। अगस्त में तालिबान के देश पर कब्जा करने के बाद यह पहला मौका है जब उनके प्रतिनिधियों ने यूरोप में आधिकारिक बैठकें की हैं। इससे पहले, उन्होंने रूस, ईरान, कतर, पाकिस्तान, चीन और तुर्कमेनिस्तान की यात्रा की है। वार्ता के दौरान, मुत्ताकी तालिबान की इस मांग पर जोर दे सकते हैं कि अमेरिका और अन्य पश्चिमी देशों द्वारा रोकी गई लगभग 10 अरब डॉलर की राशि को जारी किया जाए क्योंकि अफगानिस्तान एक अनिश्चित मानवीय स्थिति का सामना कर रहा है।

अमेरिका ने मध्यपूर्व जलक्षेत्र में तस्करी में शामिल जहाज़ पकड़ा, ब्रिटेन ने जब्त किए मादक पदार्थ

दुबई। अमेरिकी नौसेना ने रविवार को घोषणा की कि उसने पिछले साल यमन को हथियारों की तस्करी करते हुए पकड़े गए जहाज को जब्त कर लिया है। यह जहाज ओमान की खाड़ी में विस्फोटक बनाने में इस्तेमाल होने वाला उर्वरक ले जा रहा था। वही, ब्रिटेन की नौसेना ने कहा कि उसने इसी जल क्षेत्र में 1,041 किलोग्राम अवैध मादक जब्त किया है। अमेरिकी नौसेना के मध्यपूर्व स्थित बेड़े ने कहा कि उसके निर्देशित मिसाइल विध्वंसक यूएसएस कोल और गश्ती जहाजों ने मंगलवार को एक जहाज को रोका, जो ईरान से यमन की ओर जा रहा था। इस दौरान अमेरिकी सेना को उसमें से 40 टन यूरिया उर्वरक मिला, जिसका उपयोग आईईडी बनाने के लिए किया जाता है। अधिकारियों ने कहा कि पोत को पिछले साल सोमालिया के तट पर जब्त कर लिया गया था और इसमें से हजारों असॉल्ट राइफलों और रॉकेट लांचरो सहित अन्य हथियार मिले थे।

बुर्किना फासो में सैन्यअड्डे पर भारी गोलीबारी

एपी। औगाडोउगोउ

सरकार ने एक बयान में सेना के बैरक में गोलीबारी होने की बात स्वीकार की है, लेकिन देश पर सेना के कब्जा कर लेने से इनकार किया है

बुर्किना फासो की राजधानी औगाडोउगोउ में एक सैन्य अड्डे पर रविवार तड़के भारी गोलीबारी हुई। इससे यह आशंका जताई जा रही है कि देश में इस्लामी चरमपंथ से सरकार के निपटने के तौर-तरीकों को लेकर हफ्तों से बढ़ते असंतोष के बाद तख्तापलट की कोशिश की जा रही है।

सरकार ने एक बयान में सेना के बैरक में गोलीबारी होने की बात स्वीकार की है, लेकिन देश पर सेना के कब्जा कर लेने से इनकार किया है। रक्षा मंत्री एमी बर्थेलेमी सिम्पोर के मुताबिक, राष्ट्रपति रोच मार्क क्रिश्चियन काबोर को हिरासत में नहीं लिया गया है। सरकारी प्रसारणकर्ता आरटीबी ने अपनी एक प्रमुख खबर में गोलीबारी को सैनिकों द्वारा असंतोष प्रकट करने का कृत्य बताया। खबर में कहा गया है, सेना के उच्च अधिकारी बैरक में शांति बहाल करने पर काम कर रहे हैं। कुछ सूचना के उलट, गणराज्य की किसी भी संस्था को निशाना नहीं बनाया गया है। लामीजाना सांगौले सैन्य बैरक, रविवार तड़के सैनिकों के विद्रोह करने के बावजूद नियंत्रण में है। गुस्साए सैनिकों ने हवा में गोलीबारी की, जो राष्ट्रपति के खिलाफ उनके रोष को प्रदर्शित कर रही थी। सैनिकों की ओर से एक व्यक्ति ने फोन पर एसोसिएटेड प्रेस से कहा कि वे इस्लामी आतंकियों के खिलाफ बढ़ती लड़ाई के बीच बुर्किना फासो की सेना के लिए कामकाज की बेहतर परिस्थितियों की मांग कर रहे हैं। उनकी मांगों में चरमपंथियों के खिलाफ लड़ाई में सैनिकों की संख्या बढ़ाना और घायलों तथा जान गंवाने वाले सैनिकों के परिवारों की बेहतर देखभाल करना शामिल हैं। औगाडोउगोउ में एक प्रदर्शन के दौरान राष्ट्रपति के इस्तीफे की प्रदर्शनकारियों द्वारा मांग किए जाने के एक दिन बाद यह गोलीबारी हुई है। काबोर, नवंबर 2020 में राष्ट्रपति पद पर फिर से निर्वाचित होने के बाद से ही विरोध का सामना कर रहे हैं। उन्होंने देश के प्रधानमंत्री को बर्खास्त कर दिया और पिछले महीने मंत्रिमंडल के ज्यादातर सदस्यों को बदल दिया था। कभी शांतिपूर्ण रहे इस पश्चिमी अफ्रीकी देश में हिंसा की घटनाएं बढ़ती जा रही है क्योंकि अलकायदा और इस्लामिक स्टेट समूह के हमले बढ़ रहे हैं। हाल के वर्षों में हजारों लोग मारे गए हैं और करीब 15 लाख लोग विस्थापित हो गए।

ब्रूसेलस में कोविड के बढ़ते मामलों को लेकर प्रदर्शन करते लोग

न्यूजीलैंड में ओमीक्रोन के मामलों में वृद्धि, प्रधानमंत्री की शादी टली

वेलिंगटन (न्यूजीलैंड)। न्यूजीलैंड में शादी समारोह में शामिल होने ऑकलैंड गए एक ही परिवार के नौ लोगों के कोरोना वायरस के ओमीक्रोन स्वरूप से संक्रमित पाए जाने के बाद नए कोविड प्रतिबंधों की वजह से प्रधानमंत्री जेसिंडा अर्डर्न ने अपनी शादी टालने का ऐलान किया है।

न्यूजीलैंड में कोविड-19 के प्रसार को रोकने के लिए रंग आधारित नीति के तहत सोमवार से रेड सेटिंग प्रभावी होगी, जिसके तहत मास्क पहनने की जरूरत और सभाओंजलसों में लोगों की संख्या सीमित करने जैसे उपाय शामिल हैं। अर्डर्न ने जोर देकर कहा कि लाल (रेड) का अभिप्राय लॉकडाउन नहीं है। उन्होंने कहा कि कारोबार खुले रह सकते हैं और लोगों को अपने मित्रों और परिवारवालों के साथ मिलने-जुलने तथा देश में घूमने की स्वतंत्रता होगी। अर्डर्न ने वेलिंगटन में संवाददाताओं से कहा, हमारी योजना डेल्टा स्वरूप की तरह शुरुआती दौर में ही ओमीक्रोन के संक्रमण को रोकने की है, जिसमें हम तेजी से जांच करेंगे, संपर्क में आए लोगों का पता लगाएंगे, उन्हें अलग करेंगे ताकि ओमीक्रोन के प्रसार को धीमा किया जा सके। न्यूजीलैंड में नई कोविड-19 पाबंदियां लगने के बाद प्रधानमंत्री अर्डर्न (41) की शादी टाल दी गई है। वह अगले सप्ताहांत विवाह की योजना बना रही थीं।उन्होंने कहा, मैं न्यूजीलैंड के उन लोगों में शामिल हो गई हूं, जिन्हें महामारी के परिणामस्वरूप ऐसा करना पड़ा है। न्यूजीलैंड उन कुछ देशों में शामिल हैं, जहां पर ओमीक्रोन ने महामारी का स्वरूप नहीं लिया है, लेकिन अर्डर्न ने स्वीकार किया कि इस स्वरूप के अधिक संक्रामक होने की वजह से प्रसार को रोकना मुश्किल है।

अमेरिका में हिरासत केंद्र के कर्मियों की कार्रवाई में मारे गए किशोर का वीडियो जारी

एपी। विचिटा (अमेरिका)

अमेरिका के विचिटा स्थित एक किशोर केंद्र के कर्मचारियों की कार्वाई में मारे गए अश्वेत किशोर सेड्रिक लोफ्टन का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें दिखाई दे रहा है कि कर्मचारियों के साथ संघर्ष कर रहे 17 वर्षीय किशोर के सिर को 30 मिनट से अधिक समय तक जमीन में नीचे दबाए रखा गया, जिसके कारण उसकी मौत हो गई।

सेडग्विक काउंटी ने 24 सितंबर को सेड्रिक लोफ्टन को अस्पताल ले जाने से पहले के 18 वीडियो क्लिप शुक्रवार दोपहर बाद जारी किए, जो दर्शाते हैं कि मौत से पहले लोफ्टन के साथ क्या हुआ था। दो दिन बाद उसकी मौत हो गई। क्लिप जारी करने के बाद मंगलवार को सेडग्विक काउंटी के डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी मार्क बेनेट ने घोषणा की कि राज्य के स्टैंड-योर-ग्राउंड कानून के कारण वे इस मामले में आरोप तय नहीं कर सकते, क्योंकि घटना में शामिल कर्मचारी अपना बचाव कर रहे थे। बेनेट ने कहा कि उन्हें यह फैसला करने के लिए भी संघर्ष करना पड़ा कि क्या इस मामले में अनैच्छिक हत्या का आरोप उचित है, लेकिन निष्कर्ष यही निकला कि ऐसा नहीं था।

वीडियो पोस्ट किए जाने के बाद सेडग्विक काउंटी का वेबपेज क्रैश हो गया, लेकिन शनिवार देर शाम तक यह ठीक हो गया। फुटेज में ऑडियो शामिल नहीं था। एक वीडियो में कई अधिकारियों को लोफ्टन को सेडग्विक काउंटी जुवेनाइल इनटेक एंड असेसमेंट सेंटर ले जाते हुए दिखाया गया है, जबकि रैप नामक उपकरण से उसे नियंत्रित किया गया था। इस उपकरण में कंधा, पैर और टखने को बांधकर रखने वाली पट्टियां शामिल होती हैं।बेनेट की रिपोर्ट के अनुसार, लोफ्टन का मानसिक संतुलन ठीक नहीं था। उसके पिता ने बताया कि लोफ्टन अपनी दादी के अंतिम संस्कार में शामिल हुआ था, जिसके बाद से उसकी स्थिति और खराब हो गई थी।

वीडियो में दिख रहा है कि लोफ्टन उसे एक कक्ष में रखे जाने के प्रयासों का विरोध कर रहा है। वीडियो में वह किशोर गृह के कर्मचारियों में से एक के सिर में घूंसा मारते भी दिखा। वीडियो में दिख रहा है कि किशोर गृह के कर्मचारी उसे कक्ष में ले जाते हैं, लेकिन वीडियो में यह ठीक से नहीं दिख रहा कि कक्ष के अंदर क्या हो रहा है।

चीन की पूर्ण राष्ट्रीय सुरक्षा की विचारहीन तलाश से सोवियत तरीके का पतन हो सकता है: सलाहकार

भाषा। बीजिंग

चीन की विदेश नीति मामलों के एक शीर्ष सलाहकार ने राष्ट्रपति शी चिनफिंग नीत सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी को आगाह किया है कि पूर्ण राष्ट्रीय सुरक्षा की विचारहीन खोज के साथ ही रक्षा पर अत्यधिक खर्च सोवियत शैली के पतन का कारण बन सकता है। चीन के शीर्ष राजनीतिक परामर्श निकाय चीनी जन राजनीतिक सलाहकार सम्मेलन (सीपीपीसीसी) के सदस्य जिया किंगुओ ने कहा कि पूर्ण राष्ट्रीय सुरक्षा की तलाश की भारी कीमत चुकानी पड़ सकती है।

उन्होंने सोवियत संघ के पतन का हवाला देते हुए कहा कि लंबी अवधि की सुरक्षा के बजाय सैन्य विस्तार करने के नुकसान का सबूत सामने है।आधिकारिक तौर पर सोवियत सोशलिस्ट रिपब्लिक संघ या सोवियत कम्युनिस्ट पार्टी द्वारा शासित यूएसएसआर के रूप में जाने जाने वाले सोवियत संघ के पतन को देशभर के कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना (सीपीसी) के शीर्ष स्कूलों में प्रमुख पाठ के तौर पर पढ़ाया जाता है ताकि उन फैसलों को टाला जा सके जो उसके पतन का कारण बने थे।

चीन के कई नेताओं ने भी अक्सर पूर्ववर्ती यूएसएसआर का संदर्भ दिया है और सीपीसी को उसके ऐतिहासिक अनुभव से सबक लेने को कहा है।वर्ष 2012 में सत्ता संभालने के महीनों बाद, राष्ट्रपति शी ने खुद कहा था कि पार्टी का अनुशासन टूटने से तत्कालीन यूएसएसआर की दो करोड़ सदस्यों वाली मजबूत कम्युनिस्ट पार्टी का पतन हुआ। शी ने कहा, अगर पार्टी के सदस्य जो चाहते हैं वही कहेंगे और करेंगे तो पार्टी एक भीड़ में तब्दील हो जाएगी। हांगकांग से संचालित साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट ने रविवार को एक खबर में बताया कि पेकिंग विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय संबंध स्कूल के पूर्व डीन भी रह चुके जिया ने कहा कि सुरक्षा की निरंकुश खोज से लागत में भारी वृद्धि होगी और लाभ काफी हद तक कम हो जाएंगे। सीपीपीसीसी की स्थाई समिति के सदस्य जिया ने द्विमासिक जर्नल ऑफ इंटरनेशनल सिक्योरिटी स्टडीज के नए संस्करण में कहा, सुरक्षा की तुलनात्मक प्रकृति की उपेक्षा करना, और आंख बंद करके (इसे) पूरी तरह से आगे बढ़ाना देश को कम सुरक्षित बनाने के समान होगा, क्योंकि इसमें असीम लागत आती है और यह पूर्ण सुरक्षा प्राप्त करने में विफल रहता है। खबर के अनुसार, उनका 22 पन्नों का लेख आक्रामक रवैए के खिलाफ बारीक आलोचनाओं से भरा है।

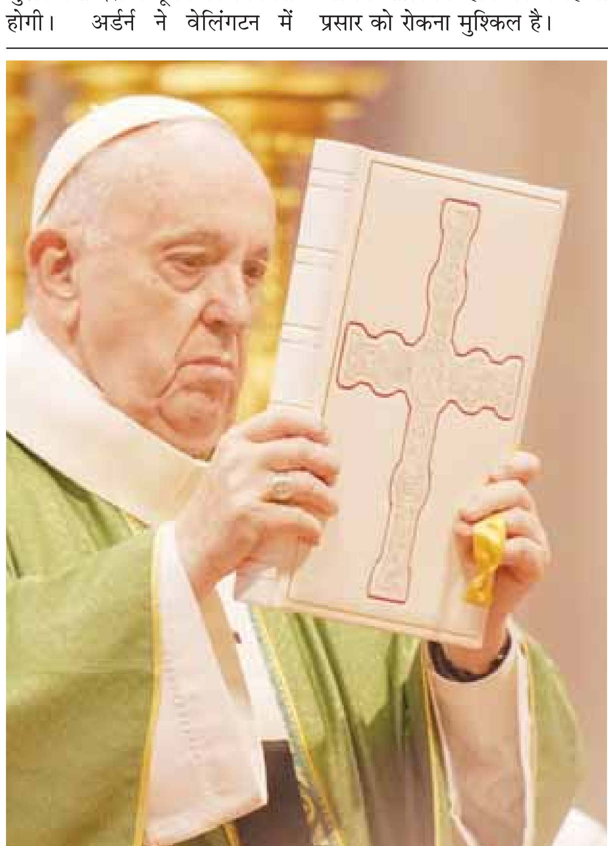

वेटिकन सिटी में सेंट पीटर्स बेसिलिका में, परमेश्वर के वचन दिवस को सामूहिक उत्सव के रूप में मनाते हुए पोप फ्रांसिस

ऑस्ट्रेलिया ने कोविड-19 रोधी दो दवाओं को दी मंजूरी

एजेंसी। सिडनी

ऑस्ट्रेलिया के स्वास्थ्य मंत्री ग्रेग हंट ने बृहस्पतिवार को घोषणा की कि ऑस्ट्रेलिया के औषधि नियामक ने कोविड-19 के इलाज के लिए दो नई दवाओं के इस्तेमाल को प्रारंभिक मंजूरी दे दी है। जिन दवाओं को स्वीकृति मिली है, उनमें से एक लागेवरियो है, जिसका निर्माण अमेरिकी दवा कंपनी मर्क शार्पे एंड डोहमे ने किया है और दूसरी दवा पैक्सलोविड है जिसका निर्माण फाइजर ने किया है। कोविड-19 के लगातार बढ़ रहे मामलों के बीच अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीजों और मौतों की संख्या बढ़ रही है और ऐसे में ए दवाएं उचित समय पर आई हैं। संघीय सरकार ने कहा है कि शुरुआत में बुजुर्गों और उन लोगों को प्राथमिकता दी जाएगी, जिनके स्वास्थ्य को अधिक खतरा है। दोनों कंपनियों ने कहा है कि उनकी दवा ओमीक्रोन स्वरूप पर कारगर है, हालांकि, उनका दावा प्राथमिक प्रयोगशाला अनुसंधान पर आधारित है।

ए क्या हैं और कैसे काम करती हैं?

लागेवरियो (जेनेरिक नाम मोलनुपिराविर) वायरस रोधी दवा है। पैक्सलोविड नई दवा निरमाट्रलिविर और एचआईवी के इलाज में पहले से इस्तेमाल हो रहे रिटोनाविर की दवा का मेल है। निरमाट्रलिविर उस अहम प्रोटीन को काम करने से रोक देती है जो वायरस को अपनी प्रतिकृति बनाने में मदद करता है जबकि रिटोनाविर उन तत्वो को रोकती है जो निमाट्रलिविर को खंडित करते हैं।

क्लीनिकल परीक्षण के आंकड़ों के मुताबिक लागेवरियो और पैक्सलोविड वायरस के स्तर और लक्षणों की गंभीरता को कम करने में कारगर है और इस प्रकार कई लोगों को वायरस के कारण अस्पताल में भर्ती होने या मरने से बचाया जा सकता है। ओमीक्रोन स्वरूप में कई बदलाव स्पाइक प्रोटीन में हुए हैं जिनका इस्तेमाल वायरस हमारी कोशिका में दाखिल होने के लिए करता है। यह एक वजह है जिसके कारण इन दवाओं के ओमीक्रोन जैसे स्वरूपों के खिलाफ प्रभावी होने की उम्मीद है, क्योंकि वे स्पाइक प्रोटीन को निशाना बनाकर काम नहीं करते।

ओमीक्रोन के खिलाफ प्रभावी होने की उम्मीद

क्या ए दवाएं ओमीक्रोन के खिलाफ प्रभावी हैं? इस सप्ताह फाइजर ने पैक्सलोविड के नतीजों की विस्तृत जानकारी मीडिया के लिए जारी की, जिससे संकेत मिलता है कि यह ओमीक्रोन स्वरूप के खिलाफ भी प्रभावी है।ए नतीजे फाइजर के अनुसंधानकर्ताओं द्वारा किए गए दो प्रयोगशाला अध्ययनों पर आधारित हैं और अभी प्रकाशित नहीं हुए हैं। ए दिखाते हैं कि निरमाट्रलिविर चिंतित करने वाले कोविड-19 वायरस के सभी स्वरूपों की प्रतिकृति बनाने की प्रक्रिया को बाधित करने में कारगर है।एक स्वतंत्र प्रयोगशाला आधारित अध्ययन को ऑनलाइन जारी किया गया है और इसमें फाइजर एवं मर्क दोनों की दवाओं का आकलन किया गया है। अध्ययन में पाया गया है कि फाइजर के पैक्सलोविड में मौजूद निरमाट्रलिविर ओमीक्रोन को निशाना बनाने और कुल मिलाकर वायरस के स्तर को कम करने में कारगर है।अध्ययन ने पाया कि मर्क की लागेवरियो दवा भी ओमीक्रोन के खिलाफ काम करती है। मर्क अनुसंधान प्रयोगशाला के प्रमुख ने कहा कि कंपनी को पूरा भरोसा है कि लागेवरियो ओमीक्रोन के खिलाफ कारगर होगी।यह अहम है कि ए अनुसंधान प्रयोगशाला में किए गए हैं और हमें अब भी देखना है कि वास्तविक परिस्थितियों में ए ओमीक्रोन संक्रमित लोगों पर कितनी प्रभावी है। ऑस्ट्रेलिया से पहले अमेरिका और ब्रिटेन ने इन दवाओं को मंजूरी दी थी और उम्मीद है कि निकट भविष्य में इनके प्रभावी और सुरक्षित होने की जानकारी मिलेगी।

दुष्प्रभाव क्या है?

यह अहम है कि कोई भी दवा पूरी तरह से सुरक्षित और दुष्प्रभाव रहित नहीं होती। अब तक लागेवरियो को लेकर हुए क्लीनिकल परीक्षण में सात प्रतिशत मरीजों में गंभीर दुष्प्रभाव देखने को मिले हैं, जिनमें आमतौर पर दस्त, मिचली और चक्कर आने की शिकायत शामिल हैं। परीक्षण के दौरान पैक्सलोविड लेने वाले दो प्रतिशत से कम मरीजों में उल्टी, दस्त और सिरदर्द जैसे दुष्प्रभाव देखने को मिले हैं। पैक्सलोविड लेने वाले उस मरीज में दुष्प्रभाव का स्तर और बढ़ सकता है, यदि वह उसी समय कोई अन्य दवा भी लेता है। पैक्सलोविड के साथ जो दवाएं नहीं ली जानी चाहिए, उनमें कैंसर रोधी, दर्द निवारक और हृदयरोग संबंधी दवाएं शामिल हैं। कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई में ए दवाएं विश्वसनीय मौका देती हैं, इसके बावजूद टीकाकरण वायरस के खिलाफ अंग्रिम पंक्ति का रक्षा कवच बना रहेगा।

कैमरून की राजधानी में नाइटक्लब में आग लगने से 16 लोगों की मौत

याउंदे । कैमरून की राजधानी याउंदे में एक लोकप्रिय नाइटक्लब में आग लग गई जिससे विस्फोट होने के कारण कम से कम 16 लोगों की मौत हो गई। सरकारी अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। यह त्रासदी ऐसे समय हुई है जब देश महीनेभर चलने वाले अफ्रीकन फुटबॉल कप ऑफ नेशंस टूर्नामेंट की मेजबानी कर रहा है जिसमें महाद्वीप के हजारों फुटबॉल खिलाड़ी, प्रशंसक और अधिकारी भाग ले रहे हैं। सरकार के प्रवक्ता रेने एम्मानुएल सादी ने कहा, मृतकों और घायलों के नाम और राष्ट्रीयता की जानकारी के लिए अभी जांच चल रही है। अधिकारियों ने कहा कि आग राजधानी के पड़ोस में स्थित बैस्तोस के नाइटक्लब में शुरू हुई और उस स्थान तक पहुंच गई जहां रसोई गैस रखी थी। सरकार की ओर से जारी बयान में कहा गया कि घायलों को याउंदे के एक अस्पताल में भर्ती किया गया है। कैमरून के राष्ट्रपति पॉल बिया ने एक बयान में सांत्वना प्रकट की और खिलाड़ियों को उनकी सुरक्षा के प्रति आश्वस्त किया।

डॉ. अखिल शाहनी का कहना है कि छात्रों को मिलने वाले भारी रिटर्न के कारण एमबीए डिग्री की मांग अधिक बनी रहेगी। यह नेतृत्व कौशल, व्यावसायिक सिद्धांतों, पेशेवर नेटवर्किंग को विकसित करने में मदद करता है और आपको नौकरी के लिए तैयार करता है

फैशन में होगा एमबीए

प्रबंधन सबसे विशिष्ट व्यवसायों में से एक है और इसलिए एमबीए स्नातक के रूप में अपना परिचय देना हमेशा गर्व की बात होती है। एमबीए की डिग्री व्यक्ति के करियर को प्रोत्साहित करने का एक सही तरीका है। एमबीए प्रोग्राम को पहली बार 1908 में कैम्ब्रिज, एमए में हार्वर्ड यूनिवर्सिटी द्वारा पेश किया गया था। भारत में, वर्ष 1953 में, भारतीय समाज कल्याण और व्यवसाय प्रबंधन संस्थान की स्थापना कोलकाता में हुई थी और यह भारत में एमबीए की डिग्री प्रदान करने वाला पहला कॉलेज था।

तभी से एमबीए की डिमांड लगातार बढ़ती जा रही है. लेकिन आप सोच रहे होंगे कि क्या एमबीए की ये डिमांड हमेशा इतनी ज्यादा रहेगी? एमबीए की डिग्री कब तक किसी के करियर में मदद करेगी, यह अभी भी कई लोगों के लिए एक सवाल है।

एमबीए की डिग्री की मांग अभी भी अधिक है और छात्रों को मिलने वाले भारी रिटर्न के कारण यह उच्च बनी रहेगी। यह आपको नेतृत्व कौशल, व्यावसायिक सिद्धांत, पेशेवर नेटवर्किंग विकसित करने में मदद करता है और आपको नौकरी के लिए तैयार करता है।

यह आपको ऐसा धक्का देता है जो बाजार में प्रवेश करने और बनाए रखने के लिए आवश्यक है। एमबीए की डिग्री मार्केटिंग से लेकर फाइनेंस, ऑपरेशंस से लेकर ह्यूमन रिसोर्स तक कई तरह की विशेषज्ञता प्रदान करती है। ये विशेषज्ञताएं प्रबंधकीय कौशल विकसित करती हैं और आपको विभिन्न उद्योग पेशकशों से अवगत कराती हैं।

रोजगार बाजार के नजरिए से, नियोक्ता अब नौसिखिए उम्मीदवारों की तुलना में अत्यधिक कुशल उम्मीदवारों की तलाश कर रहे हैं। डेलॉइट, लार्सन एंड टर्बो, एक्सिस बैंक, हिंदुस्तान लीवर, एक्सेंचर, एचडीएफसी बैंक, आदित्य बिड़ला और बैन आदि जैसी कई परामर्श कंपनियां एमबीए योग्यता वाले कर्मचारी चाहते हैं क्योंकि इन उम्मीदवारों के पास विश्लेषणात्मक क्षमता और कार्यक्षेत्र संबंधी ज्ञान है जो कुशलता से नौकरी करने के लिए आवश्यक हैं।

वे एमबीए की डिग्री वाले उम्मीदवारों को पसंद करते हैं जो विचारों को क्रियान्वित करना और उत्पादों या सेवाओं को बेचना जानते हैं। एक और कारणवश नियोक्ता एमबीए उम्मीदवारों को पसंद करते हैं क्योंकि एमबीए पाठ्यक्रम संचार कौशल में सुधार करता है और छात्र के व्यक्तित्व को विकसित करने में मदद करता है। लाभों का यह पूरा पैकेज आपको आगे बढ़ाता है और आपको अपने भविष्य में सफल होने में मदद करता है।

एमबीए की मांग कभी कम नहीं होगी क्योंकि इसमें उम्मीदवारों को देने और उनके सपनों को पूरा करने के लिए बहुत कुछ है, हालांकि, हम दृढ़ता से मानते हैं कि इसकी मांग और लोकप्रियता दशकों और युगों के बाद भी बढ़ जाएगी और यह कभी भी फैशन से बाहर नहीं जाएगी।

कुछ अंतरराष्ट्रीय व स्वदेशी कंपनियां जिनमें एमबीए की उच्च मांग है, वे इस प्रकार हैं :

- **बीसीजी :** बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप 45 देशों में कार्यालयों के साथ एमबीए छात्रों के उच्चतम नियोक्ताओं में से एक है
- **जेपी मॉर्गन :** जेपी मॉर्गन न केवल वित्तीय क्षेत्र से बल्कि अन्य क्षेत्रों से भी प्रबंधन स्नातकों को रोजगार देता है।
- **माइक्रोसॉफ्ट :** कंपनी के 70 देशों में कार्यालय हैं और यह वित्त, विपणन, संचालन और बिक्री में विभिन्न पदों के लिए एमबीए स्नातकों की भर्ती करता है।
- **मॉर्गन स्टेनली :** यह एक ऐसी कंपनी है जो कर्मचारियों को सर्वोत्तम भुगतान प्रदान करती है और रोजगार के लिए वित्तीय क्षेत्र में एमबीए स्नातकों को चुनती है।
- **टीसीएस :** टीसीएस अपने कर्मचारियों को सर्वोत्तम पारिश्रमिक प्रदान करता है और प्रमुख पदों के लिए प्रसिद्ध बी-स्कूलों से बेहतरीन प्रतिभाओं को नियुक्त करता है।
- **इंफोसिस :** कंपनी ऐसे युवा एमबीए उत्साही लोगों की तलाश करती है जो कंपनी को सफल होने और विस्तार करने में मदद कर सकें। यह उन उम्मीदवारों को भी उत्कृष्ट अवसर प्रदान करती है जिनके पास महान कौशल व क्षमताएं हैं।
- **विप्रो :** यह कंपनी भी रेस में पीछे नहीं है. यह अपने कर्मचारियों को सबसे अच्छा पैकेज प्रदान करती है और प्रसिद्ध संस्थानों से अत्यधिक कुशल व जानकार एमबीए स्नातकों के साथ सर्वश्रेष्ठ प्रतिभा की तलाश करती है।

> कंपनी ऐसे युवा एमबीए उत्साही लोगों की तलाश करती है जो कंपनी को सफल होने और विस्तार करने में मदद कर सकें। यह उन उम्मीदवारों को भी उत्कृष्ट अवसर प्रदान करती है जिनके पास महान कौशल व क्षमताएं हैं।

- लेखक थडोमल शाहनी सेंटर फॉर मैनेजमेंट, शाहनी ग्रुप के एमडी और सीईओ हैं।

बदलाव की शुरुआत सही ढंग की शिक्षा से होती है

यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम अपने निर्णयों के प्रभावों को समझें। डॉ. जितिन चड्ढा का कहना है कि यह अधिक टिकाऊ भविष्य की दिशा में एक आवश्यक कदम है

डॉ. जितिन चड्ढा
डायरेक्टर इंडियन इंस्टीट्यूट आफ आर्ट एंड डिजायन

सतत विकास, सामूहिक रूप से हमारे सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। हमारे पास जो संसाधन हैं वे सीमित हैं, जो सीमित मात्रा में उपलब्ध हैं। तथापि, बढ़ती हुई जनसंख्या के रूप में हमारी आवश्यकताएं तेजी से बढ़ रही हैं। जैसे-जैसे हम उपभोग करना जारी रखते हैं, हम उन संसाधनों का अतिक्रमण करते हैं जो धीरे-धीरे समाप्त हो रहे हैं। इस तथ्य से कोई इंकार नहीं है कि हम अपने आसपास ग्लोबल वार्मिंग, पर्यावरण क्षरण और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों का अनुभव कर रहे हैं।

इस संदर्भ में, उपभोक्ताओं और पर्यावरण के योगदानकर्ताओं के रूप में अपने निर्णयों के निहितार्थ को समझना पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गया है। जैसा कि हमने पिछले कुछ दिनों में राष्ट्रीय राजधानी में प्रदूषण के खतरनाक स्तर को देखा है, हमारा ध्यान हमारे अपने परिवेश और उस दुनिया में वापस लाया गया है जिसमें हम रहते हैं।

पर्यावरण और विकास विश्व आयोग के अनुसार, टिकाऊ डिजाइन या विकास वह है जो भविष्य की पीढ़ियों की जरूरतों को पूरा करने की क्षमता से समझौता किए बिना अपने वर्तमान की जरूरतों को पूरा करता है। एक अधिक टिकाऊ भविष्य निर्माण के लिए हम अपने लिए उपलब्ध संसाधनों का उपयोग कैसे करते हैं, डिजाइनर लगातार इस द्वंद्व को हल करने के नए तरीके खोज रहे हैं कि कैसे सीमित संसाधन उनके लिए अनंत मांग की पूर्ति कर सकते हैं।

यह दायित्व केवल हमारे द्वारा उपयोग किए जाने वाले उत्पादों के डिजाइनर या निर्माताओं व उत्पादकों के ऊपर नहीं है। यह भी समान रूप से, यदि ज्यादा नहीं तो, उपभोक्ताओं के रूप में, नागरिकों के रूप में और बड़े पारिस्थितिकी तंत्र के हिस्से के रूप में अपने निर्णयों के प्रभावों को बेहतर ढंग से समझना है। यह अधिक टिकाऊ भविष्य की दिशा में पहला और सबसे जरूरी कदम है।

हाल के दिनों में हमारी पसंद के परिणामों के बारे में जागरूकता बढ़ी है, विशेष रूप से हम क्या उपभोग करना तय करते हैं और हम अपने उत्पादों का व्यक्तिगत और सामाजिक स्तर पर कैसे निपटारा करते हैं। जिस युग में हम रहते हैं वह हमारे जीवन में, यानी सोशल मीडिया में, एक सर्वव्यापी प्रभाव द्वारा धन्य और शापित दोनों है। हालांकि यह जागरूकता बढ़ाने का एक बड़ा माध्यम है, मगर यह उतना ही जरूरी है कि हम जीने और काम करने के अधिक टिकाऊ तरीके का भी अभ्यास करें।

नए उत्पादों के निर्माण की प्रक्रिया में, कंपनियां और डिजाइनर समान रूप से हरियाली और अधिक पर्यावरण-अनुकूल सामग्री के उपयोग की वकालत कर सकते हैं। यह न केवल ऊर्जा खपत और अपशिष्ट उत्पादन को कम करने में मदद करता है बल्कि यह किसी भी उत्पाद के जीवन चक्र को अनुकूलित करने में भी एक लंबा सफर तय करता है। रसायनों से बचना, रिसाइकिल करने योग्य और आसानी से विघटित होने वाली सामग्री का उपयोग करना, परिवहन व संचालन को ध्यान में रखते हुए सभी अनिवार्य पहलू हैं जिन पर किसी उत्पाद को डिजाइन और निर्मित करते समय विचार करने की आवश्यकता होती है।

बेशक, बदलाव की शुरुआत सही ढंग की शिक्षा से होती है। आने वाले कल के युवाओं को न केवल अपने आस-पास के ज्ञान और जागरूकता से लैस करना, बल्कि एक समाज के रूप में हमारे सामने आने वाली समस्याओं के समान समाधान तैयार करने के लिए कौशल और योग्यता भी होना अनिवार्य है। डिजाइनरों की एक नई पीढ़ी बनाना, जो जागरुक, सहानुभूतिपूर्ण, नैतिक और अभिनव हों, पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हैं।

जिस तरह की बहु-विषयक शिक्षा, समस्या समाधान हेतु व्यावहारिक दृष्टिकोण और एक व्यावहारिक दृष्टिकोण के साथ जिसको कि कॉलेज अब अपने अध्यापन में अपना रहे हैं, भविष्य उज्ज्वल दिखता है, एक ऐसा जहां, हम अपने परिवेश के साथ सद्भाव में रह सकते हैं, जहां इसका प्रभाव हमारे निर्णय उस पर्यावरण पर भारी नहीं पड़ते जो हमारा पोषण करता है।

अवसरों की भूमि

डॉ. विजय पाटिल कहते हैं कि तीव्र आर्थिक विकास कुशल जनशक्ति की भारी मांग पैदा कर रहा है, जिसकी केवल शिक्षा संस्थानों द्वारा ही पूर्ति की जा सकती है जो छात्रों को भविष्य के लिए तैयार कर सकते हैं

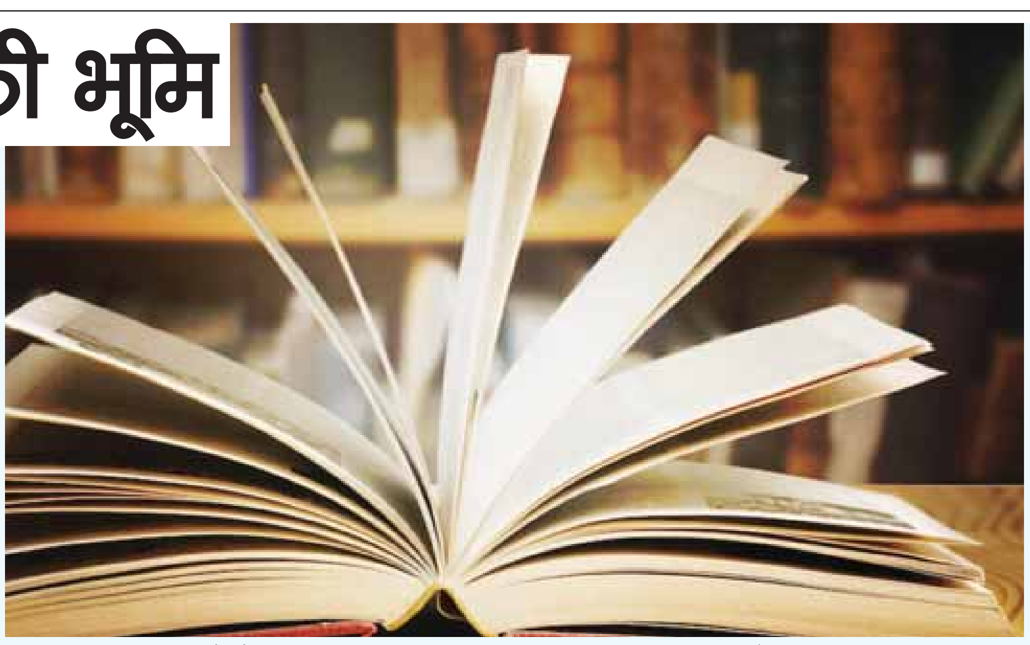

भारत को ज्ञान और शिक्षा का केंद्र माना जाता है। इसका प्रमाण तक्षशिला और नालंदा जैसी जगहों पर मौजूद है। इन स्थानों में अग्रणी संस्थान थे, और खंडहर अभी भी अपने आधारों पर बुलंद हैं। हालांकि, पिछली कुछ शताब्दियों में, भारतीय शिक्षा प्रणाली की विरासत दुखद रूप से खो गई थी। ब्रिटिश शासन के बाद, भारतीयों को इन शिक्षा केंद्रों के अस्तित्व का एहसास हुआ और आगे के अध्ययन के लिए इन खंडहरों की खुदाई की। स्वतंत्रता के बाद से, इस महत्वपूर्ण क्षेत्र के सुधार, विकास और विकास पर अत्यधिक ध्यान दिया गया है।

किसी भी देश की प्रगति मुख्य रूप से उसके शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा उद्योगों की स्थिति से आंकी जाती है। वित्त वर्ष 2025 तक भारतीय शिक्षा प्रणाली के 225 बिलियन अमरीकी डालर के मूल्यांकन तक पहुंचने की उम्मीद है। उपमहाद्वीप शिक्षा में नेतृत्व प्रदान करने के मामले में एक चौराहे पर है।

भारत शायद अपने आप में एक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर है, और भारत से दुनिया की अपेक्षाएं इन दो कारकों को हमारी प्रगति के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण बनाती हैं। इसके अलावा, दुनिया भर में दूसरी सबसे बड़ी आबादी और दुनिया में सबसे कम उम्र की आबादी होने से, शिक्षा उपमहाद्वीप के विकास के लिए एक अनिवार्य पहलू बन जाती है।

यहां तक कि राज्य और केंद्र सरकारें भी इस क्षेत्र की अहमियत को समझ रही हैं। हाल के दिनों में तैयार की जा रही शिक्षा नीतियां मजबूत सुधारों से जुड़ी हैं जो निजी क्षेत्र को शिक्षा के क्षेत्र में योगदान करने के लिए प्रोत्साहित करती हैं। निजी पार्टियों को शामिल करने से दी जाने वाली शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने में मदद मिलेगी।

अधिक शैक्षणिक और प्रशासनिक स्वायत्तता होगी, जिससे अनुसंधान-उन्मुख संस्थानों का तेजी से विकास होगा। पुन:, अधिक ज्ञान केंद्रों के होने से देश के अधिकांश युवाओं को संपूर्ण शिक्षा प्राप्त होगी। नई शिक्षा नीति 2020 में भारत को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए वैश्विक हॉटस्पॉट के रूप में स्थापित करने के लिए पहुंच, इक्विटी और समावेशिता मौलिक लक्ष्य हैं। इसका उद्देश्य विदेशों में छात्रों को बहुत कम लागत पर उपलब्ध सभी सुविधाएं प्रदान करना है। इस तरह के उपाय इस तथ्य के संकेतक हैं कि इस क्षेत्र ने एक ऊपर की ओर जाता प्रक्षेप-पथ अपनाया है।

इसके अलावा, देश में तीव्र आर्थिक विकास कुशल जनशक्ति की भारी मांग पैदा कर रहा है। छात्रों को भविष्य के लिए तैयार करने वाले शिक्षण संस्थान ही इस बढ़ती हुई आवश्यकता को पूरा कर सकते हैं। कई

डॉ. विजय पाटिल
एमसीए प्रेसीडेंट एंड चांसलर डीवाई पाटिल यूनिवर्सिटी नवी मुंबई

स्कूलों व कॉलेजों ने उद्योग-प्रथम दृष्टिकोण अपनाने के लिए अपने पाठ्यक्रम को फिर से डिजाइन किया है। छात्र अब सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करने के साथ-साथ अपने योग्यताओं को आगे बढ़ा रहे हैं। उन्हें न केवल सिद्धांत के मोर्चे पर मजबूत होने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है, बल्कि मकसद उनमें महत्वपूर्ण सोच, विश्लेषणात्मक कौशल, रचनात्मकता और समस्या-समाधान जैसे गुणों को शामिल करना है। यह कहना सुरक्षित है कि अन्य उद्योगों का विकास, चाहे वह आईटी हो या वित्त, शिक्षा क्षेत्र द्वारा पेश किए गए आउटपुट पर निर्भर करता है।

वर्तमान प्रवृत्ति को देखते हुए और अगले पांच वर्षों के बारे में बात करते हुए, भारत में शिक्षा बाजार के 2025 तक 225 बिलियन अमेरिकी डॉलर होने की उम्मीद है। यह अंतत: मौजूदा शैक्षणिक संस्थानों पर सुविधा के लिए अनिवार्य कार्यबल की आवश्यकता को पूरा करने के लिए बहुत दबाव डालेगा। ऐसी वृद्धि कई नए स्कूलों व कॉलेजों के लिए मार्ग प्रशस्त करेगी, छात्रों के लिए पाठ्यक्रम, मॉड्यूल, केरीकुलम और संस्थानों की उपलब्धता में वृद्धि करेगा। शिक्षाशास्त्र में भी संशोधन किए गए हैं, और शिक्षक छात्रों को अधिक से अधिक प्रदर्शनियों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों और इंटर्नशिप में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं।

इस तरह के गतिशील परिवर्तनकारी पहियों के साथ, भारत अवसरों की भूमि और शिक्षा के लिए एक प्रमुख गंतव्य बन सकता है, यहां तक कि अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए भी।

आखिरकार, यह कोई संयोग नहीं है कि ऐसे कई भारतीय हैं जिन्होंने शायद अपनी शिक्षा घरेलू स्तर पर शुरू की थी और अब वे अंतरराष्ट्रीय दिग्गज कंपनियों में नेतृत्व की स्थिति में हैं।

सीबीएसई द्वारा नई टर्म असेसमेंट पॉलिसी

एमके यादव का कहना है कि सीबीएसई द्वारा निर्धारित नवीनतम पाठ्यक्रम योग्यता-आधारित शिक्षा प्रदान करने और 21वीं सदी के घटकों को आत्मसात करने का प्रयास करता है, जो शिक्षण, साक्षरता और जीवन कौशल पर केंद्रित है

कोविड-19 महामारी ने स्कूली शिक्षा की समूची गतिशीलता को बदल दिया है। पिछले दो साल हमारे स्कूली छात्रों के लिए वास्तव में कठिन रहे हैं। स्कूलों के लगातार बंद होने, कक्षाओं को ऑनलाइन मोड में स्थानांतरित करने, परीक्षाओं को स्थगित करने व सहकर्मी समूह शिक्षण की कमी ने शिक्षा प्रणाली में व्यापक शिक्षण की खाई पैदा कर दी है।

शिक्षा प्रणाली में नवीनतम तकनीक और तकनीकों को एकीकृत करने हेतु जागरूकता और मांग में वृद्धि हुई है ताकि अध्यापन को रटंत शिक्षा से महत्वपूर्ण चिंतन वाली शिक्षा में स्थानांतरित किया जा सके।

महामारी से उत्पन्न इन चुनौतियों को दूर करने और हमारे छात्रों को 21वीं सदी के लिए तैयार करने हेतु, सीबीएसई ने माध्यमिक और वरिष्ठ-माध्यमिक स्तर पर, यानी कक्षा नौवीं-बारहवीं से टर्म आधारित परीक्षा की घोषणा की है।

सीबीएसई द्वारा निर्धारित नवीनतम पाठ्यक्रम योग्यता-आधारित शिक्षा प्रदान करने और 21वीं सदी के घटकों को आत्मसात करने का प्रयास करता है, जो शिक्षण, साक्षरता और जीवन कौशल पर केंद्रित है।

सीबीएसई ने कक्षा नौवीं-बारहवीं के लिए स्कूल परीक्षा को तीन भागों में वर्गीकृत किया है: टर्म -1 (नवंबर-दिसंबर), टर्म -2 (फरवरी- मार्च), और व्यावहारिक और आंतरिक मूल्यांकन। दोनों टर्म का समान महत्व है, अद्वितीय पाठ्यक्रम और प्रत्येक टर्म के पाठ्यक्रम एक दूसरे के साथ घुले-मिले नहीं हैं।

टर्म -1 में एमसीक्यू आधारित प्रश्न हैं और टर्म -1 में कोई प्रयोगात्मक परीक्षा नहीं है। साथ ही, टर्म -1 में छात्रों को अंक मिलेंगे और पास, फेल या कंपार्टमेंट जैसा कोई ठप्पा नहीं होगा। टर्म -2 में विषयवस्तु आधारित प्रश्न होंगे और इसमें सिद्धांत और प्रयोगात्मक घटक शामिल हैं।

मेरे विचार से यह स्वागतयोग्य कदम है। आज हमारा ध्यान छात्रों को वे कौशल सिखाने पर होना चाहिए, जो उन्हें आज की प्रतिस्पर्धी दुनिया में टिके रहने और फलने-फूलने में मदद करें। दुर्भाग्य से, अधिकांश स्कूलों का ध्यान वर्तमान में पाठ्यक्रम को तोड़ने मरोड़ने और परीक्षा पास करने पर है। देश में बहुत कम ऐसे स्कूल हैं, जो सूचनाओं को समेटने से ज्यादा कौशल आधारित शिक्षा पर ध्यान देते हैं।

आज, छात्रों को वैचारिक स्पष्टता, एक खोजपूर्ण मानसिकता और सूचना का महत्वपूर्ण विश्लेषण करने की आवश्यकता है। उन्हें विशेष रूप से सूचना अधिभार के इस युग में महत्वपूर्ण सूचनाओं को छांटने की स्थिति में होना चाहिए और उनका ध्यान क्षेत्रों के बारे में स्पष्टता हासिल करना होना चाहिए। वर्तमान में हम जो निर्णय लेते हैं वह हमारे भविष्य को आकार देता है।

यदि छात्रों में समझने की क्षमता की कमी है, तो वे उचित निर्णय लेने में सक्षम नहीं होंगे और अपने जीवन को संभालने में भी सक्षम नहीं होंगे। भारत में अधिकांश स्कूली छात्र अभी भी अपना करियर चुनने के लिए एक विशिष्ट प्रवृत्ति का पालन करते हैं, और माता-पिता और साथियों के दबाव के आगे झुक जाते हैं। उनमें से अधिकांश अपनी क्षमता और उस क्षेत्र के बारे में अनभिज्ञ होते हैं जिसमें वे फल-फूल सकते हैं और उनमें निर्णय लेने की क्षमता का अभाव होता है।

सीबीएसई द्वारा अपनाया गया नया शिक्षाशास्त्र आलोचनात्मक सोच, संचार कौशल और रचनात्मकता पर केंद्रित है, जो छात्रों को परिवर्तनों से निपटने में मदद करेगा, उन्हें और अधिक जिज्ञासु बनाएगा, उन्हें जिज्ञासु मानसिकता विकसित करने में मदद करेगा, और भविष्य संबंधी उनके सोचने के ढंग को बदल देगा।

परीक्षा में पूछे जाने वाले प्रश्नों के प्रकार, जैसे कि अभिकथन- तर्क, कथन और निष्कर्ष, केस स्टडी उन्हें वास्तविक जीवन के समस्या-समाधान परिदृश्य के लिए तैयार करेंगे।

इसके अलावा, जब हम विभिन्न करियर-उन्मुख प्रवेश परीक्षाओं को देखते हैं, जो कक्षा 12वीं के बाद आयोजित की जाती हैं, तो वे छात्रों की तर्क क्षमता व आलोचनात्मक सोच पर अधिक ध्यान केंद्रित करते हैं। यदि यह स्कूल स्तर पर नहीं पढ़ाया जा रहा है या यदि छात्रों ने स्कूल स्तर पर इस प्रकार की क्षमता विकसित नहीं की होती है, तो उनके लिए इन परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करना बहुत मुश्किल हो जाता है।

हम सभी सीयुईटी के बारे में जानते हैं, जो 41 केंद्रीय विश्वविद्यालयों के लिए होने जा रहा है, जिसमें सर्वाधिक संभावना वस्तुनिष्ठ और विषयनिष्ठ किस्म (विभिन्न समाचार पत्रों के लेखों के माध्यम से जानकारी) के प्रश्न होंगे और यदि किसी छात्र ने इस प्रकार के प्रश्नों का अभ्यास किया है तो स्कूल स्तर पर प्रवेश परीक्षा उनके लिए आसान होगी।

वर्तमान टर्म मूल्यांकन नीति छात्रों को अपने लिए सोचने, तथा भविष्य के दृष्टिकोण के बारे में सोचने में मदद करेगी, और शिक्षण, साक्षरता और विभिन्न जीवन कौशल के आधार पर एक सूझबूझ वाला निर्णय लेने में उनकी मदद करेगी। और अंत में, लेकिन समान रूप में महत्वपूर्ण, यह छात्रों के बोझ व तनाव को कम करेगा। पहले जहां छात्रों को परीक्षा से डर लगता था, अब उन्हें ये पेपर देने में मजा आएगा।

अंत में, मैं यह सुझाव देना चाहूंगा कि हमें अपना ध्यान, प्राथमिक विद्यालयों के अपने छात्रों हेतु , विश्लेषणात्मक शिक्षा पर केंद्रित करना चाहिए और कम उम्र से ही उनमें महत्वपूर्ण सोच क्षमता विकसित करनी चाहिए और भारत को एक बेहतर भविष्य देना चाहिए।

- लेखक एआई टेस्टीफाइड (आईआईटी कानपुर में इनक्यूबेटेड) के सीएमडी हैं

सिंधू ने सैयद मोदी इंटरनेशनल का महिला एकल खिताब जीता

लखनऊ (भाषा)। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू ने रविवार को यहां युवा हमवतन भारतीय मालविका बंसोड़ को सीधे गेम में हराकर सैयद मोदी इंटरनेशल बैडमिंटन टूर्नामेंट का दूसरी बार महिला एकल खिताब जीता।

कोविड-19 के कई मामलों के कारण कई शीर्ष खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी में हो रहे इस टूर्नामेंट में शीर्ष वरीय सिंधू को एकतरफा फाइनल में मालविका के खिलाफ 21-13 21-16 की जीत के दौरान अधिक पसीना नहीं बहाना पड़ा। सिंधू ने फाइनल में सिर्फ 35 मिनट में जीत दर्ज की। पूर्व विश्व चैंपियन सिंधू का यह दूसरा सैयद मोदी खिताब है। इससे पहले उन्होंने 2017 में भी इस बीडब्लयूएफ विश्व टूर सुपर 300 टूर्नामेंट का खिताब जीता था। इससे पहले इशान भटनागर और तनीषा क्रास्टो की भारतीय जोड़ी ने हमवतन टी हेमा नागेंद्र बाबू और श्रीवेद्या गुराजादा को सीधे गेम में हराकर मिश्रित युगल का खिताब अपने नाम किया। इशान और तनीषा ने गैरवरीय भारतीय जोड़ी के खिलाफ सिर्फ 29 मिनट में 21-16 21-12 से जीत दर्ज की। अर्नाड मर्कल और लुकास क्लेयरबाउट के बीच पुरुष एकल खिताबी मुकाबले को नो मैच (मैच नहीं हुआ) घोषित किया गया जब एक फाइनलिस्ट कोविड-19 पॉजिटिव पाया गया। दुनिया की सातवें नंबर की खिलाड़ी सिंधू और 84वें नंबर की खिलाड़ी मालविका के बीच एकतरफा मुकाबले की उम्मीद थी और अंतत: ऐसा ही हुआ। सिंधू ने अपने अनुभव और कौशल का इस्तेमाल करते हुए मालविका को कोई मौका नहीं दिया। तोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता सिंधू ने शुरुआत से ही दबदबा बनाते हुए 7-0 की बढ़त बनाई। सिंधू अपनी लंबाई का फायदा उठाते हुए ब्रेक तक 11-। से आगे थी। ब्रेक के बाद मालविका ने अपने खेल में सुधार करते हुए कुछ अंक जुटाए और सिंधू की बढ़त को कम किया लेकिन पूर्व विश्व चैंपियन को पहला गेम आसानी से जीतने से नहीं रोक पाईं। दूसरे मुकाबले में दोनों खिलाड़ियों के बीच बेहतर मुकाबला देखने को मिला। मालविका ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का प्रयास किया लेकिन यह सिंधू के स्तर को चुनौती देने के लिए पर्याप्त नहीं था। सिंधू ने अपनी लंबाई का अच्छा इस्तेमाल करते हुए शानदार स्मैश लगाए और कुछ अच्छे ड्रॉप शॉट खेले जिसका मालविका के पास कोई जवाब नहीं था। सिंधू ब्रेक तक 11-4 से आगे थी। मालविका ने ब्रेक के बाद कुछ हद तक वापसी की और लगातार चार अंक के साथ स्कोर 12-17 किया। मालविका चार और अंक जुटाने में सफल रहीं लेकिन सिंधू ने बिना किसी परेशानी से गेम, मैच और खिताब जीत लिया।

सानिया-राम की जोड़ी मिश्रित युगल क्वार्टर फाइनल में

भाषा। मेलबर्न

) भारत की सानिया मिर्जा और अमेरिका के उनके जोड़ीदार राजीव राम ने रविवार को यहां सीधे सेट में एलेन पेरेज और मात्वे मिडलकूप को हराकर आस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के मिश्रित युगल के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। भारत और अमेरिका की गैरवरीय जोड़ी ने कोर्ट नंबर तीन पर दूसरे दौर के मुकाबले में एक घंटा 27 मिनट में आस्ट्रेलिया की पेरेज और नीदरलैंड के मिडलकूप की जोड़ी को 7-6 (8/6),6-4 से हराया। क्वार्टर फाइनल में सानिया और राम की भिड़ंत सैम स्टोसुर और मैथ्यू एबडेन तथा जेमी फोरलिस और जेसन कुब्लर की आस्ट्रेलियाई जोड़ियों के बीच होने वाले दूसरे दौर के मुकाबले की विजेता जोड़ी से होगी। सानिया और राम ने पहले दौर में सर्बिया की एलेक्सांद्रा क्रुनिच और निकोला केसिच की जोड़ी को हराया था।

क्विक न्यूज

लाहिड़ी ने अमेरिकन एक्सप्रेस के कट में जगह बनाई

ला क्विंटा (अमेरिका)। अनिर्बान लाहिड़ी तीसरे दौर में पार 72 के कार्ड के दम पर अमेरिकन एक्सप्रेस गोल्फ टूर्नामेंट में कट में जगह बनाने में सफल रहे। इस भारतीय गोल्फर ने स्टेडियम कोर्स के दौरान दो बर्डी और इतने ही बोगी लगाए। वह 54 होल के खेल के बाद आठ अंडर के स्कोर के साथ संयुक्त रूप से 45वें स्थान पर है। इस प्रतियोगिता में भाग ले रहे 156 पेशेवरों में से शीर्ष 70 खिलाड़ियों ने कट में प्रवेश किया। लाहिड़ी ने पहले होल और 16 होल में बर्डी जबकि छठे और 15वें होल में बोगी किया। वह दूसरे दौर के बाद संयुक्त 32वें स्थान पर थे लेकिन तीसरे दौर के बाद संयुक्त 45वें स्थान पर खिसक गए।

भारतीय ग्रैंडमास्टर ललित बाबू ने चेक गणराज्य में शतरंत प्रतियोगिता जीती

मारियांस्के लाजने (चेक गणराज्य)। भारतीय ग्रैंडमास्टर एम आर ललित बाबू यहां मारियनबाद ओपन 2022 शतरंज टूर्नामेंट में जीत दर्ज की। वह नौ दौर के इस मुकाबले में अजेय रहे और कुछ 6.5 अंकों के साथ उन्होंने जीत दर्ज की। वह आइसलैंडिक के उपविजेता ग्रैंडमास्टर हेस स्टीफंसन से आधा अंक आगे रहे। ललित बाबू ने इस दौरान चार गेम जीते और अन्य पांच मुकाबलों को ड्रॉ करके शीर्ष स्थान हासिल किया। उन्होंने चेक गणराज्य के खिलाड़ियों वेक्लेव फिनेक, कारेल मालिनोवस्कु, डेनियल सोर्म और जैकब कुसा के खिलाफ जीत दर्ज की। इस 29 वर्षीय भारतीय ने शनिवार की देर रात स्टीफनसन के खिलाफ अपने अंतिम दौर के मैच को ड्रॉ कर के शीर्ष स्थान हासिल किया। ललित बाबू के लिए यह लगातार तीसरा खिताब था। वह इससे पहले थाईलैंड और इटली में जीत दर्ज कर चुके है।

सिंगापुर में वीर अहलावत का करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर ओपन में जगह बनाने से चूके

सेंटोसा (सिंगापुर)। भारत के वीर अहलावत ने एसएमबीसी सिंगापुर ओपन गोल्फ टूर्नामेंट में रविवार को यहां करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए संयुक्त पांचवां स्थान हासिल किया लेकिन सेंट एंड्रयूज में होने वाली 150वीं ओपन चैंपियनशिप में जगह बनाने से चूक गए। वीर ने अंतिम दो होल में एक डबल बोगी और एक बोगी की जिससे वह दूसरे से संयुक्त पांचवें स्थान पर खिसक गए और उन्होंने द ओपन चैंपियनशिप के लिए उपलब्ध चार स्थानों में से एक हासिल करने का मौका गंवा दिया। वीर का कुल स्कोर सात अंडर रहा। शिव कपूर भी अंतिम दौर में 69 के स्कोर से कुल पांच अंडर के स्कोर के साथ शीर्ष 10 में जगह बनाने में सफल रहे। विराज मादप्पा (73) संयुक्त 48वें, राशिद खान (73) संयुक्त 53वें और एस चिक्करंगप्पा (76) संयुक्त 65वें स्थान पर रहे। थाईलैंड के सेडोम केइवकांजाना ने कुल 13 अंडर के स्कोर के साथ खिताब जीता।

डेको के गोल से इंटर ने वेनेजिया को हराया

मिलान। एडिन डेको के अंतिम लम्हो में दागे गोल की बदौलत इंटर मिलान ने शनिवार को यहां खिलाड़ियों को कोरोना वायरस संक्रमण से जूझ रहे वेनेजिया को 2-। से हराकर सिरी ए फुटबॉल टूर्नामेंट के शीर्ष पर पांच अंक की बढ़त हासिल की। थॉमस हेनरी ने 19वें मिनट में वेनेजिया को बढ़त दिलाई जिसके बाद निकोलो बारेला ने 40वें मिनट में स्कोर।-। किया। जेको ने 90वें मिनट में गोल दागकर इंटर मिलान की 2-। से जीत सुनिश्चित की। इस जीत से इंटर के 22 मैच में 53 अंक हो गए है और उसने दूसरे स्थान पर मौजूद एसी मिलान पर पांच अंक की बढ़त बना ली है। वेनेजिया पर निचली लीग में खिसकने का खतरा मंडरा रहा है। टीम 18 अंक के साथ 20 टीम की तालिका में 17वें स्थान पर है। अंक तालिका में अंतिम तीन स्थान पर रहने वाली टीम निचली लीग में खिसक जाएंगी। वेनेजिया के आठ खिलाड़ी और कोच पाउलो जेनेटी सहित कोचिंग स्टाफ के कई सदस्य कोविड-19 पॉजिटिव पाए गए है। सिरी ए के नए नियमों के अनुसार टीम के 25 सदस्यों में से अगर नौ वायरस से संक्रमित होते है तो मुकाबला स्थगित किया जाएगा।

हरियाणा स्टीलर्स ने करीबी मुकाबले में यूपी योद्धा को हराया

बेंगलुरू। हरियाणा स्टीलर्स ने प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) मैच में रविवार को यहां यूपी योद्धा पर 36-35 से रोमांचक जीत दर्ज की। पूरे मैच में दोनो टीमों के बीच बराबरी का मुकाबला दिखा लेकिन अंतिम कुछ सेकेंड में हरियाणा के विनय ने एक बोनस अंक हासिल कर मैच में अपनी टीम की जीत सुनिश्चित कर दी। हरियाणा के लिए रोहित गुलिया ने सबसे ज्यादा सात अंक बटोरे जबकि कप्तान विकास कंडोला, जयदीप, विनय और रोहित ने पांच-पांच अंकों का योगदान दिया। यूपी के लिए रेडर श्रीकांत जाधव ने सुपर 10 (10 अंक) बटोरे जबकि अनुभवी प्रदीप नरवाल ने छह अंक का योगदान दिया। मध्यांतर के समय हरियाणा की टीम 15-14 से आगे थी लेकिन दूसरे हाफ में उन्होंने यूपी योद्धा के ऑल आउट कर 20-16 और फिर 25-18 की बढ़त हासिल कर ली। सात अंक से पिछड़ने के बाद यूपी ने वापसी की और स्कोर को 32-31 करने के बाद 39वें मिनट में 35-35 से बराबर कर दिया। विनय ने इसके बाद आखिरी कुछ सेकेंड में बोनस अंक हासिल कर हरियाणा को विजेता बना दिया। दिन के दूसरे मुकाबले में बेंगलुरु बुल्स ने तेलुगू टाइटंस को 36-31 से हराया।

शुभंकर शर्मा अबुधाबी चैम्पियनशिप में एक शॉट से खिताब जीतने से चूके

अबुधाबी। भारतीय गोल्फर शुभंकर शर्मा ने बड़े खिलाड़ियों की मौजूदगी में शानदार प्रदर्शन करते हुए अबुधाबी चैंपियनशिप में रविवार को संयुक्त रूप दूसरे स्थान पर रहे। तीसरे दौर के बाद संयुक्त रूप से चौथे स्थान पर रहे शुभंकर महज एक शॉट से अपने करियर की सबसे बड़ी खिताब जीतने से चूक गए।यूरोपीय टूर के इस टूर्नामेंट के चौथे दौर में उन्होंने एक अंडर 71 का कार्ड खेला जिससे उनका कुल स्कोर नौ अंडर का रहा।

डिकॉक का शतक, दक्षिण अफ्रीका ने भारत को चार रन से हराया

भाषा। केपटाउन

● श्रृंखला 3-0 से क्लीन स्वीप की

दक्षिण अफ्रीका ने विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक के शतक के बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से रविवार को यहां तीसरे और अंतिम एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में भारत को चार रन से हराकर श्रृंखला 3-0 से क्लीन स्वीप की।

बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद दक्षिण अफ्रीका की पारी 49.5 ओवर में 287 रन पर सिमट गई। उसके लिए फॉर्म में चल रहे मैन आफ द मैच और प्लेयर ऑफ द सीरीज डिकॉक ने 124 रन (12 चौके और दो छक्के) की शानदार शतकीय पारी जबकि रासी वान डर डुसेन (चार चौके और एक छक्का) ने 52 रन की पारी खेली। इस लक्ष्य के जवाब में भारतीय टीम रोमांचक मुकाबले में दीपक चाहर की अंत में खेली गई 54 रन (34 गेंद में पांच चौके और दो छक्के) की पारी से जीतने के करीब पहुंचने के बाद 49.2 ओवर में 283 रन पर सिमट गई और उसकी दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ क्लीन स्वीप से बचने की उम्मीद टूट गई। दीपक चाहर ने दबाव की परिस्थितियों के बावजूद जबरदस्त जज्बा दिखाया। पर उनकी, सलामी बल्लेबाज शिखर धवन की 61 और पूर्व कप्तान विराट कोहली की 65 रन की अर्धशतकीय पारियां भी टीम के काम नहीं आ सकीं। भारतीय कप्तान केएल राहुल का बल्ला इस मैच में नहीं चला और वह पांचवें ओवर में लुंगी एनगिडी (58 रन देकर तीन विकेट) की पहली गेंद पर पर बल्ला छुआकर पहली स्लिप में खड़े जानेमन मलान को कैच दे बैठे। राहुल का विकेट गिरने के बाद धवन और कोहली ने दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों का डटकर सामना किया और उन्हें खुद पर हावी नहीं होने दिया। धवन और कोहली ने दूसरे विकेट के लिए अर्धशतकीय साझेदारी बना ली थी और इसे मजबूत करने की ओर बढ़ रहे थे। धवन ने 17वें ओवर में 58 गेंद में पांच चौके और एक छक्के से 35वां अर्धशतक पूरा किया। इसके साथ ही अगले ओवर में टीम ने 100 रन भी पूरे किए। केशव महाराज लगातार कसी गेंदबाजी कर रहे थे। पर दोनों ने उम्मीदों के अनुरूप रन जोड़ना जारी रखा। धवन (73 गेंद में पांच चौके और एक छक्का) एंडिले फेलुकवायो (40 रन देकर तीन विकेट) की गेंद को हुक करने के प्रयास में उंचा खेल बैठे और विकेटकीपर डिकॉक ने आसान कैच लेकर उनकी पारी और दूसरे विकेट की 98 रन की साझेदारी समाप्त की। इसी ओवर में टीम ने विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत का विकेट गंवा दिया जो खाता भी नहीं खोल सके।

पंत से कोहली के साथ अच्छी भागीदारी की उम्मीद थी। पर वह गलत समय पर ऐसा शॉट खेले बैठे जिसके उस समय खेलने की जरूरत नहीं थी और डीप प्वाइंट पर सिसांडा मगाला ने उनका कैच लपका। फेलुकवायो ने 23वें और अपने इस दूसरे ओवर में दो विकेट झटक लिए। इससे भारतीय टीम दबाव में आ गई। अब जिम्मेदारी कोहली और श्रेयस अय्यर (26 रन) पर थी। फिर कोहली ने अपना 64वां वनडे अर्धशतक 63 गेंद में चार चौके की मदद से पूरा किया। भारतीय टीम का स्कोर 30 ओवर के बाद तीन विकेट पर 152 रन था। केशव महाराज ने किफायती गेंदबाजी करना जारी रखा, उन्होंने अपने अंतिम ओवर में भारत को चौथा झटका कोहली के रूप में दिया। 32वें ओवर में कोहली उनकी गेंद के टर्न और उछाल को समझ नहीं सके और गेंद उनके बल्ले का किनारा छूकर बावुमा के हाथों में गई जो कवर प्वाइंट से भाग कर इसे लपकने दौड़े। सूर्यकुमार यादव (39 रन) अब क्रीज पर थे और उन्होंने आते ही ऐडन मार्कराम पर छक्का जड़ा। पर अगले ओवर में वह भाग्यशाली रहे कि गेंद करीब से स्टंप से चूक गई।

अय्यर और सूर्यकुमार ने पांचवें विकेट के लिए 39 रन जोड़ लिए थे लेकिन यह साझेदारी आगे नहीं बढ़ सकी। अय्यर (34 गेंद में दो चौके) 38वें ओवर में सिसांडा मगाला की गेंद पर पुल शॉट लगाने के प्रयास में आउट हो गए। अब टीम का स्कोर पांच विकेट पर 195 रन था। टीम ने इसी ओवर में 200 रन पूरे किए। सूर्यकुमार तेजी से रन जुटा रहे थे और 40वें ओवर में ड्वेन प्रिटोरियस की गेंद पर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में मिडऑफ पर बावुमा को कैच दे बैठे। भारत ने छठा विकेट 210 रन के स्कोर पर गंवाया। जयंत यादव (02) छह गेंद ही खेल पाए थे और एनगिडी का शिकार बने। चाहर ने इसके बाद दबाव भरी परिस्थिति में बेहतरीन बल्लेबाजी की और जसप्रीत बुमराह के साथ आठवें विकेट के लिए 55 रन की भागीदारी की। पर भारत का दुर्भाग्य कि वह 48वें ओवर में एनगिडी की गेंद का शिकार हो गए। भारत ने इस तरह आठवां विकेट 278 रन पर गंवाया। टीम आराम से जीत सकती थी। उसे अंतिम दो ओवर में जीत के लिए आठ रन चाहिए थे। लेकिन बुमराह (12) के आउट होने के बाद युजवेंद्र चहल (02) और प्रसिद्ध कृष्णा टीम को जीत तक नहीं ले जा सके। टीम 49.2 ओवर में सिमट गई। इससे पहले डिकॉक ने 130 गेंद में 124 रन की पारी खेली और वान डर डुसेन के साथ चौथे विकेट के लिए 144 रन की भागीदारी निभाई। इसके बाद भारत ने इन दोनों के लगातार विकेट झटक कर घरेलू टीम की रन गति पर लगाम कसी। अपने छठे वनडे शतक से डिकॉक ने भारत के खिलाफ सबसे ज्यादा शतक जड़ने वाले दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ी एबी डिविलियर्स के रिकॉर्ड की भी बराबरी की। कप्तान लोकेश राहुल का पहले गेंदबाजी करने का फैसला कारगर रहा क्योंकि दक्षिण अफ्रीका ने आठ रन ही बनाए थे कि दीपक चाहर (53 रन देकर दो विकेट) ने सलामी बल्लेबाज जानेमन मलान (01) को तीसरे ओवर की पहली गेंद पर विकेटकीपर के हाथों कैच आउट कराया।

रिजवान आईसीसी के साल के सर्वश्रेष्ठ टी-20 क्रिकेटर बने

दुबई। पाकिस्तान के विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान को रविवार को 2021 में शानदार प्रदर्शन के लिए आईसीसी का साल का सर्वश्रेष्ठ पुरुष टी20 क्रिकेटर चुना गया। पाकिस्तान के इस सलामी बल्लेबाज ने 2021 में खेल के सबसे छोटे प्रारूप में शानदार प्रदर्शन किया। रिजवान ने सिर्फ 29 मैच में 73.66 की औसत और 134.89 के स्ट्राइक रेट के साथ।,326 रन बनाए। बल्ले से शानदार प्रदर्शन के अलावा रिजवान ने विकेट के पीछे भी प्रभावित किया और उन्होंने पाकिस्तान को टी20 विश्व कप 2021 के सेमीफाइनल में जगह दिलाने में अहम भूमिका निभाई। रिजवान टूर्नामेंट के तीसरे शीर्ष स्कोरर रहे थे। उन्होंने 2021 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ लाहौर में अपने टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर का पहला शतक भी जड़ा और कराची में वेस्टइंडीज के खिलाफ साल के अंतिम टी20 मुकाबले में 87 रन की पारी खेली। अगले साल एक और टी20 विश्व कप होना है और ऐसे में पाकिस्तान को उम्मीद होगी कि रिजवान इस प्रदर्शन को जारी रखेंगे। रिजवान ने टी20 विश्व कप के पहले मुकाबले में भारत के खिलाफ 55 गेंद में नाबाद 79 रन भी बनाए थे जिससे पाकिस्तान ने इस चिर प्रतिद्वंद्वी टीम के खिलाफ इस वैश्विक टूर्नामेंट में पहली जीत दर्ज की थी।

वेस्टइंडीज ने पहले टी-20 में इंग्लैंड को नौ विकेट से रौंदा

ब्रिजटाउन (बारबडोस)। इंग्लैंड को एशेज में करारी शिकस्त के बाद शनिवार को यहां वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में नौ विकेट की बड़ी हार का सामना करना पड़ा। पहले बल्लेबाजी करने उतरे इंग्लैंड की शुरुआत बेहद खराब रही और 10 ओवर में टीम ने 39 रन पर छह विकेट गंवा दिए थे। मेहमान टीम अंतत: 19.4 ओवर में 103 रन पर सिमट गई। वेस्टइंडीज ने इसके जवाब में सलामी बल्लेबाज ब्रैंडन किंग (नाबाद 52) के अर्धशतक की बदौलत 17 गेंद शेष रहते हुए एक विकेट पर 104 रन बनाकर नौ विकेट की आसान जीत दर्ज की। असमान उछाल वाली पिच पर टॉसकर हारकर बल्लेबाजी करने उतरे इंग्लैंड ने 10 रन पर तीन और फिर 49 रन पर सात विकेट गंवा दिए थे जिससे आस्ट्रेलिया में टीम का लचर प्रदर्शन यहां कैरेबिया में पांच मैचों की श्रृंखला के पहले मैच में भी जारी रहा। निचले क्रम के बल्लेबाजों क्रिस जोर्डन और आदिल राशिद ने आठवें विकेट के लिए 36 रन जोड़कर टीम का स्कोर 100 रन के पार पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। जोर्डन 23 गेंद में 28 रन के साथ टीम के शीर्ष स्कोरर रहे। राशिद ने 22 रन की पारी खेली। इन दोनों के अलावा कप्तान इयोन मोर्गन (17) और जेम्स विन्स (14) ही दोहरे अंक में पहुंच पाए। सलामी बल्लेबाज किंग ने इसके बाद 49 गेंद में चार चौकों और एक छक्के की मदद से नाबाद 52 रन बनाकर वेस्टइंडीज की आसान जीत का मंच तैयार किया।

भारत को महिला एशिया कप हॉकी में जापान ने 2-0 से हराया

भाषा। मस्कट

गत चैम्पियन भारत को रविवार को यहां महिला एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट में पूल ए के दूसरे मैच पूल ए में एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता जापान से 0-2 से उलटफेर का सामना करना पड़ा। जापान ने नागा यूरी (दूसरे मिनट) और साकी तनाका (42वें मिनट) के गोल से भारतीयों को चौंका दिया।

भारतीय खिलाड़ियों को धीमी शुरुआत करना महंगा पड़ा क्योंकि जापान ने दूसरे मिनट में नागाई यूरी के गोल से बढ़त हासिल कर ली। एक गोल से पिछड़ने के बाद भारतीय खिलाड़ियों ने आक्रामक रवैया अपनाया पहले क्वार्टर में दो पेनल्टी कार्नर हासिल किए लेकिन दोनों को गोल में बदलने में नाकाम रहे। जापान ने इसके बाद अपनी रक्षापंक्ति को मजबूत किया और भारतीय कई मौके बनाने के बाद भी गोल करने में नाकाम रही। जापान ने इसके बाद 42वें मिनट में दूसरा गोल कर भारतीयों को पूरी तरह से चौका दिया। भारतीय टीम ने इसके बाद आक्रामक खेल दिखाया और फिर से दो पेनल्टी कॉर्नर हासिल की लेकिन खिलाड़ी दोनों को गोल में बदलने में नाकाम रहे। जापान अब पूल ए में दो मैचों में इतने ही जीत के साथ शीर्ष पर है, जबकि भारत अपने पहले मैच में मलेशिया पर 9-0 से जीत दर्ज करने के बाद दूसरे स्थान पर है। भारत का अगला पूल मैच सोमवार को सिंगापुर से होगा। दोनों पूलों से शीर्ष दो टीमें टूर्नामेंट के सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी।

छेत्री ने की आईएसएल में रिकॉर्ड गोल की बराबरी की, बेंगलुरु ने गोवा को बराबरी पर रोका

बम्बोलिम। दिग्गज खिलाड़ी सुनील छेत्री ने इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) में 11 मैचों से चला आ रहा गोल का सूखा खत्म किया जिससे बेंगलुरु एफसी ने एफसी गोवा के खिलाफ पिछड़ने के बाद इस फुटबॉल मैच को बराबरी पर खत्म किया। छेत्री का आईएसएल में यह 48वां गोल है। वह लीग के इतिहास में सबसे ज्यादा गोल करने वालों की सूची में संयुक्त रूप से शीर्ष पर पहुंच गए हैं। उन्होंने फेरान कोरोमिनास की बराबरी की है। मैच का पहला गोल 41वें मिनट में आया, जब डायलन फॉक्स ने हेडर से गोल करके एफसी गोवा को।-0 से आगे कर दिया। मध्यांतर के बाद दूसरे हाफ के 61वें मिनट में स्टार स्ट्राइकर छेत्री के हेडर ने बेंगलुरू एफसी को।-। की बराबरी पर ला दिया। इस ड्रा से बेंगलुरु के अपराजित रहने का सिलसिला छह मैचों तक पहुंच गया है।

नडाल 14वीं बार आस्ट्रेलियाई ओपन के क्वार्टर फाइनल में

एपी। मेलबर्न

दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी रफेल नडाल ने रविवार को यहां एड्रियन मनारिनो को सीधे सेट में हराकर आस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में 14वीं बार जगह बनाई जहां उनका सामना कनाडा के युवा खिलाड़ी डेनिस शापोवालोव से होगा।

नडाल ने चौथे दौर के मुकाबले में 7-6 (14), 6-2, 6-2 से जीत दर्ज की। उन्हें पहले सेट के टाईब्रेक में जीत दर्ज करने के लिए 28 मिनट 40 सेकेंड तक जूझना पड़ा और इस दौरान उन्होंने सातवें सेट प्वाइंट पर जीत दर्ज की। बाएं हाथ से खेलने वाले नडाल की बाएं हाथ से खेलने वाले खिलाड़ियों पर यह लगातार 21वीं जीत है। वह अब रिकॉर्ड 21वां पुरुष एकल ग्रैंडस्लैम खिताब जीतने से तीन जीत दूर हैं। नडाल ने कहा, पहला सेट काफी अधिक भावनात्मक था। वहां कुछ भी हो सकता था। अंत में मैं थोड़ा भाग्यशाली रहा। मुझे मौके मिले, उसे भी काफी मौके मिले। नडाल क्वार्टर फाइनल में कनाडा के 22 साल के शापोवालोव से भिड़ेंगे जिन्होंने उलटफेर करते हुए तीसरे वरीय एलेक्जेंडर ज्वेरेव को हराकर पहली बार आस्ट्रेलियाई ओपन के पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। चौदहवें वरीय शापोवालोव ने ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता ज्वेरेव को मारग्रेट कोर्ट पर सीधे सेट में 6-3, 7-6 (5), 6-3 से हराया। शापोवालोव ने पहले तीन दौर में जीत दर्ज करने के दौरान लगभग 11 घंटे कोर्ट पर बिताए। उन्होंने इस दौरान दो बार चार सेट और एक बार पांच सेट में जीत दर्ज की। ज्वेरेव के खिलाफ वह हालांकि तीन सेट में दो घंटे और 21 मिनट में जीत दर्ज करने में सफल रहे।

नडाल ने इसके साथ ही आस्ट्रेलियाई ओपन के पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में सबसे अधिक बार जगह बनाने वालों की सूची में जॉन न्यूकॉम्ब के साथ दूसरे स्थान पर जगह बनाई। रोजर फेडरर 15 बार क्वार्टर फाइनल में जगह बनाकर शीर्ष पर हैं। नडाल ने 45वीं बार किसी ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट के अंतिम आठ में जगह बनाई है और वह सर्वकालिक सूची में फेडरर (58) और नोवाक जोकोविच (51) के बाद तीसरे स्थान पर हैं। फेडरर, जोकोविच और नडाल के नाम पर अभी समान रिकॉर्ड 20 पुरुष एकल ग्रैंडस्लैम खिताब हैं। आस्ट्रेलियाई ओपन में हालांकि इन तीनों में से सिर्फ नडाल खेल रहे हैं। महिला एकल में फ्रेंच ओपन चैंपियन बारबरा क्रेज्सिकोवा ने चौथे दौर में दो बार की चैंपियन विक्टोरिया अजारेंका को सीधे सेट में हराया। चौथी वरीय क्रेज्सिकोवा ने रोड लावेर एरेना में सिर्फ 85 मिनट में 2012 और 2013 की चैंपियन अजारेंका को 6-2, 6-2 से हराया। क्रज्सिकोवा ने चार ग्रैंडस्लैम प्रतियोगिताओं में तीसरी बार क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई है। अगले दौर में क्रेज्सिकोवा का सामना 2017 की अमेरिकी ओपन चैंपियन मेडिसन कीज से होगा जिन्होंने आठवीं वरीय पॉला बाडोसा को सीधे सेट में 6-3, 6-। से हराकर बाहर का रास्ता दिखाया।

भारत एएफसी महिला एशियाई कप से बाहर

● 12 खिलाड़ियों के कोविड-19 पॉजिटिव आने से चीनी ताइपे के खिलाफ मैच रद्द

भाषा। नवी मुंबई

भारत को रविवार को यहां एएफसी महिला एशियाई कप से बाहर होने के लिए बाध्य होना पड़ा क्योंकि उसकी 12 खिलाड़ियों के कोविड-19 जांच में पॉजिटिव आने के बाद चीनी ताइपे के खिलाफ का ग्रुप ए मैच शुरू होने से चंद मिनट पहले ही रद्द करना पड़ा। कोविड मामलों के आलवा दो खिलाड़ी चोटिल होने के कारण बाहर हो गई थीं। एशियाई फुटबॉल परिसंघ (एएफसी) ने कहा कि परिस्थितियों को देखते हुए टूर्नामेंट का अनुच्छेद 4.1 का नियम लागू होगा जो स्पष्ट करता है कि अगर टीम एक मैच के लिए इकट्ठा नहीं हो पाती है तो इसका मतलब होगा कि उसने संबंधित टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया है। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल ने भी बयान जारी करके घटनाक्रम पर चिंता व्यक्त की लेकिन हैरानी की बात है कि उन्होंने टीम की टूर्नामेंट में स्थिति स्पष्ट नहीं की। उन्होंने कहा, हम उतने ही निराश हैं जितना शायद पूरा देश इस समय इस अवांछित स्थिति के पैदा होने से होगा।

चीन ने ईरान को 7-0 से रौंदा

मुंबई। आठ बार की चैम्पियन चीन ने एक बार फिर से खिताब की दावेदारी मजबूत करते हुए एएफसी महिला एशियाई कप के ग्रुप ए के मैच में रविवार को यहां ईरान को 7-0 से करारी शिकस्त दी। अपना 27वां जन्मदिन मना रही वांग शुआंग ने हैट्रिक गोल की हैट्रिक की जिससे कोच शुई किंगजया की टीम ने टूर्नामेंट में अपनी शानदार शुरुआत को इस मुकाबले में भी जारी रखी। चीन ने अपने पहले मैच में चीनी ताइपे को 4-0 से हराया था। इस हार से ईरान के लिए क्वार्टर फाइनल में जगह बनाना काफी मुश्किल होगा। टीम को अब बुधवार को चीनी ताइपे के खिलाफ अच्छा खेल दिखाना होगा। ईरान का पहला मैच भारत के खिलाफ ड्रॉ रहा था। भारत के खिलाफ शानदार गोलकीपिंग से कई बचाव करने वाली जोहरेह कौदेई ने शुरुआती मिनटों में चीन के खिलाड़ियों के कई आक्रमण को नाकाम किया। लेकिन शुआंग ने 28वें मिनट में टीम के लिए पहला गोलकर अपने जन्मदिन का जश्न मनाया।